{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 11 अगस्त 2026
श्रावण कृष्ण 13 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 318
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 78,542.44
निफ्टी - 24,583.80
सोना - 1,60,696
चांदी - 2,45,000
डॉलर - 95.37

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

ईडी निदेशक राहुल नवीन के कार्यकाल में एक साल की वृद्धि

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की कैबिनेट नियुक्ति समिति (एसीसी) ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक राहुल नवीन के कार्यकाल में एक वर्ष की वृद्धि को मंजूरी दी है। इस मंजूरी के बाद राहुल नवीन अब 13 अगस्त, 2027 तक ईडी प्रमुख के पद पर बने रहेंगे। उनका वर्तमान कार्यकाल 13 अगस्त, 2026 को समाप्त होने वाला था। कार्यकाल बढ़ाए जाने के फैसले को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राहुल नवीन के नेतृत्व में ईडी देशभर में आर्थिक अपराध, मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की जांच कर रहा है।

असम रेजीमेंट के मेजर समेत 11 जवानों पर मुकदमा दर्ज

गोपेश्वर। चीन सीमा के पास स्थित उत्तराखंड के माणा गांव में पुलिस और असम रेजीमेंट के जवानों के बीच विवाद का मामला सामने आया है। आरोप है कि वाहनों की जांच के दौरान शुरू हुआ विवाद बाद में मारपीट तक पहुंच गया। पुलिस ने मामले में असम रेजीमेंट के मेजर अनमोल प्रीत समेत 10 से अधिक जवानों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, रेजीमेंट के स्तर पर भी मामले में कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, घटना शनिवार शाम करीब छह बजे माणा गांव के पास हुई। उस समय पुलिस ने कांवड़ियों की अधिक संख्या को देखते हुए बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की जांच की जा रही थी। भीड़ के कारण सड़क पर जाम जैसी स्थिति बनी हुई थी। इसी दौरान 64 इंजीनियरिंग असम रेजीमेंट के मेजर अनमोल प्रीत अपने वाहन से वहां पहुंचे।

दो हिस्सों में बंटी कोयला लदी मालगाड़ी

कटनी। मध्य प्रदेश के कटनी में ग्रेड सेपरेटर पर उस समय अफरातफरी मच गई, जब कोयले से लदी एक मालगाड़ी की कपलिंग अचानक टूट गई। कपलिंग टूटते ही चलती मालगाड़ी दो हिस्सों में बंट गई। राहत की बात यह रही कि कोई डिब्बा बेपटरी नहीं हुआ और बड़ा हादसा टल गया। इस घटना के चलते कुछ समय के लिए इस रूट से गुजरने वाली अन्य गुड्स ट्रेनों की आवाजाही भी प्रभावित रही। जानकारी के मुताबिक, कोयले से लदी यह मालगाड़ी सिंगरौली से रवाना हुई थी। सोमवार तड़के करीब 4 बजे कटनी पहुंचने के बाद जैसे ही ट्रेन ग्रेड सेपरेटर से गुजर रही थी, तभी अचानक उसकी कपलिंग टूट गई और मालगाड़ी दो हिस्सों में बंट गई। घटना की सूचना मिलते ही रेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। कटनी के रेल एरिया मैनेजर रोहित सिंह समेत अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची और सुधार कार्य शुरू कराया।

कुछ ना कहना

जेन-जी का ऐतिहासिक आंदोलन- जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षा में धांधली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने तोड़ी बैरिकेडिंग, विधानसभा जाने से रोकने पुलिस ने किया बल प्रयोग, आंसू गैस के गोले दागे; वाटर कैनन छोड़ी तो स्टूडेंट डांस करने लगे

झारखंड विधानसभा गेट पर छात्रों का धरना

छात्र आंदोलन के बीच बड़ा एक्शन, जेपीएससी के विवादित चेयरमैन गिरफ्तार

रांची। झारखंड के रांची में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षा में धांधली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों छात्रों का आंदोलन जिस तरह शांतिपूर्ण रहा, उसे जेन-जी का ऐतिहासिक आंदोलन माना जा रहा है। झारखंड के छात्र आंदोलन ने सोमवार को सभी को चौंका दिया। छात्र जो तीन गुटों में बंटे थे, वे बैरिकेडिंग तोड़ विधानसभा गेट के पास पहुंच गए। कई बार पुलिस और छात्रों के बीच झड़प की नौबत आई। दो-तीन बार लाठीचार्ज करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने भी पुलिस पर पानी की बोतलें और चप्पलें फेंकीं। इधर, सीआईडी ने जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते को गिरफ्तार कर लिया है। 21 जुलाई को जेपीएससी ऑफिस में रेड के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। सीआईडी उनसे लगातार पूछताछ कर रही थी।

छात्र सुबह 10 बजे ओल्ड विधानसभा के पास एकत्रित हुए और फिर विधानसभा के घेराव के लिए निकले। पुलिस ने कंटीले तार की बैरिकेडिंग कर रखी थी। पुलिस ने जैसे ही वाटर कैनन का इस्तेमाल किया छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर डांस करते नजर आए। कुछ छात्रों ने राष्ट्रगान गाया। सूत्रों का कहना है कि रांची में चल रहा शांतिपूर्ण आंदोलन उस समय से उग्र होने लगा जब से एबीवीपी और भाजपा के लोग इसमें शामिल हुए। आज के आंदोलन में कुछ छात्रों के उग्र रूख के पीछे भी बड़ी राजनीति बताई जा रही है। दावा किया जा रहा है कि मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री संसद में जंतर-मंतर आंदोलन और हिंसा को लेकर जवाब देंगे, इसलिए इस आंदोलन को हवा दी गई।

छात्र आंदोलन में घुसे अराजक तत्व

छात्र प्रदर्शनकारियों के विधानसभा घेराव मार्च के दौरान पुलिस की लाठीचार्ज और प्रदर्शनकारियों द्वारा चप्पल-बोतलें फेंके जाने पर छात्र नेता रवींद्र पासवान ने कहा कि हम शांतिपूर्ण हैं। छात्र अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। कुछ असामाजिक तत्व विरोध प्रदर्शन को दूसरी दिशा में ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हम छात्र अपनी मांग का समर्थन कर रहे हैं। हम प्रशासन से अपील करते हैं कि ऐसे असामाजिक तत्वों की पहचान करें, हमारे स्वयंसेवक भी उनकी पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज और वीडियो कैमरे की जांच की जाएगी और कार्रवाई की जाएगी। हम सभी छात्रों से अपील करते हैं कि अगर उन्हें अपने बीच कोई असामाजिक तत्व दिखे तो वे हमारे स्वयंसेवकों से संपर्क करें। हम इस विरोध प्रदर्शन को शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से अंत तक ले जाएंगे। मैं राज्य सरकार से भी विनम्र अपील करता हूं कि यह एक ऐतिहासिक विरोध प्रदर्शन होने जा रहा है, शाम तक भीड़ और बढ़ेगी। सरकार को इसे गंभीरता से लेना होगा और आज ही कोई निर्णय लेना होगा।

एसपी बोले कुछ पुलिसकर्मी घायल

रांची में जारी आंदोलन और सोमवार को छात्रों के विधानसभा कूच को लेकर एसपी सिटी पारस राणा ने कहा कि आज यहां विधानसभा के घेराव का ऐलान किया गया था... इस प्रदर्शन के ऑर्गनाइजर भी भीड़ से अनुरोध कर रहे थे कि आप शांतिपूर्वक तरीके से प्रदर्शन कीजिए लेकिन तब भी पथराव किया गया। हमारे जवान भी उसमें घायल हुए हैं... उग्र भीड़ विधानसभा के नजदीक पहुंच चुकी थी। हल्का बल प्रयोग किया गया। कुछ छात्रों को मामूली चोटें आई हैं। बहुत से छात्र लौट चुके हैं। छात्र अपने आवास स्थानों पर लौट रहे हैं... हमारे द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से लोगों को निकाला जा रहा है... ये लोग शांतिपूर्ण प्रदर्शन में असफल रहे हैं... हिरासत में यहां से किसी भी प्रदर्शनकारी को नहीं लिया गया है।

स्टूडेंट्स पर बल प्रयोग गलत- राहुल गांधी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि झारखंड में विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग गलत है। छात्रों की शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है और बातचीत से ही समाधान निकल सकता है। झारखंड सरकार को इन छात्रों की बात सुननी चाहिए और उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करना चाहिए।

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष गिरफ्तार

इधर, सीआईडी ने जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते को गिरफ्तार कर लिया है। 21 जुलाई को जेपीएससी ऑफिस में रेड के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। सीआईडी उनसे लगातार पूछताछ कर रही थी। झारखंड पीएससी-एसएससी की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर 17 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। देवेंद्रनाथ महतो समेत 6 छात्र भूख हड़ताल पर हैं। वे एंबुलेंस से विधानसभा घेराव में शामिल हुए।

जंतर-मंतर से अलग है झारखंड के छात्रों का आंदोलन, न गाली-गलौज न इस्तीफे की मांग

झारखंड की राजधानी रांची में झारखंड लोक सेवा आयोग में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों का आंदोलन जारी है। सोमवार को बड़ी संख्या में छात्रों ने झारखंड विधानसभा के बाहर डेरा डाल दिया। प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग भी किया। हालांकि, इस आंदोलन की सबसे खास बात इसका अनुशासित और शांतिपूर्ण स्वरूप है।

रांची का यह आंदोलन दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए नीट पेपर लीक विरोधी आंदोलन से कई मायनों में अलग दिखाई दे रहा है। दोनों आंदोलनों में युवा और जेन-जी छात्र शामिल रहे, लेकिन रांची में प्रदर्शनकारी किसी व्यक्ति या सरकार के इस्तीफे की मांग करने के बजाय व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान अभद्र भाषा, गाली-गलौज या किसी नेता के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्टरों का इस्तेमाल भी नहीं किया गया है।

आंदोलन की एक और खास बात यह है कि छात्र झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और दिवंगत नेता शिबू सोरेन की तस्वीरें भी सम्मान के साथ लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का नाम भी सम्मानपूर्वक ले रहे हैं। यहां तक कि आंदोलन के दौरान छात्रों ने हेमंत सोरेन को जन्मदिन की बधाई भी दी।

इस आंदोलन का नेतृत्व छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो कर रहे हैं। किसी चर्चित व्यक्ति के अनशन या राजनीतिक चेहरे के सहारे आंदोलन को बड़ा बनाने के बजाय छात्र स्वयं अपनी मांगों को लेकर मोर्चा संभाल रहे हैं। पुलिस कार्रवाई के बावजूद अब तक छात्रों की ओर से उग्र प्रतिक्रिया नहीं दिखाई गई है।

कावेरी जल विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में 13 अगस्त को सुनवाई

नई दिल्ली। कावेरी जल विवाद को लेकर तमिलनाडु की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 13 अगस्त को सुनवाई करेगा। तमिलनाडु सरकार ने अपनी याचिका में कर्नाटक को 15 दिनों तक रोजाना 3,500 क्यूसेक कावेरी पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की है।

तमिलनाडु का आरोप है कि कर्नाटक कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के 30 जुलाई के निर्देश का पालन नहीं कर रहा है। प्राधिकरण ने कर्नाटक को तमिलनाडु के लिए, पानी छोड़ने का निर्देश दिया था। इसके बाद तमिलनाडु ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। राज्य सरकार के मुताबिक, 15 दिनों की अवधि में कुल 4.536 टीएमसी पानी छोड़े जाने की जरूरत है। तमिलनाडु का कहना है कि निर्धारित मात्रा में पानी नहीं मिलने से राज्य में जल संकट की स्थिति पैदा हो सकती है। कावेरी जल बंटवारे को लेकर दोनों राज्यों के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट से महेंद्र गोयनका को राहत नहीं, कमर्शियल कोर्ट को दो माह में फैसले का निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जियोमिन इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बीच चल रहे कारोबारी विवाद में आरोपी महेंद्र गोयनका की याचिका पर हस्तक्षेप करने से इंकार किया है। शीर्ष अदालत ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा लगाए गए अंतरिम प्रतिबंध को फिलहाल जारी रखने का निर्देश दिया है, और साथ ही जबलपुर की कमर्शियल कोर्ट को मामले से संबंधित एक लंबित आवेदन पर दो माह के भीतर निर्णय लेने को कहा है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने 7 अगस्त को आदेश पारित किया, जिसमें अधिवक्ता बलवीर सिंह और शर्मिला इराम फातिमा ने पक्ष रखा। यह मामला जियोमिन इंडस्ट्रीज द्वारा यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया से करीब 1.70 लाख टन आयरन की खरीद के लिए किए गए अनुबंध से जुड़ा है। जियोमिन इंडस्ट्रीज ने आरोप लगाया है कि अनुबंध के तहत खरीदे गए आयरन ओर की आपूर्ति नहीं की गई और समझौते की शर्तों का उल्लंघन हुआ। इस आधार पर कंपनी ने जबलपुर की डिस्ट्रिक्ट जज कमर्शियल कोर्ट में वाद दायर किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कमर्शियल कोर्ट को सिविल प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) के आदेश 39 के नियम 1 और 2 के तहत लंबित आवेदन पर शीघ्र फैसला करने का निर्देश दिया है। जब तक यह फैसला नहीं आता, हाईकोर्ट का अंतरिम प्रतिबंध प्रभावी रहेगा। इस विवाद को सुलझाने के लिए मध्यस्थता की कोशिशें भी विफल रही थीं। यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में रायपुर निवासी महेंद्र गोयनका के प्रमुख शेयरधारक होने की जानकारी मिली है। गोयनका से जुड़े विवादों को लेकर कटनी और माधवनगर सहित अन्य थानों में भी धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और जाली दस्तावेजों से संबंधित विभिन्न मामले दर्ज होने का दावा किया गया है। इन मामलों में उन पर और उनके कथित सहयोगियों हिमांशु श्रीवास्तव, सन्मति जैन व सुनील अग्रवाल पर फर्जी दस्तावेजों और हस्ताक्षरों के माध्यम से कंपनियों पर नियंत्रण हासिल करने के आरोप लगाए गए हैं।

संसद में शाह के स्पष्टीकरण की मांग पर अड़ा विपक्ष, गतिरोध जारी

जब तक जबाव नहीं देते संसद नहीं चलने दी जाएगी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में एनडीए सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध गहरा गया है। विपक्षी सांसदों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावे की कथित चोरी के आरोपों पर बयान देने की मांग की है। विपक्ष का कहना है कि जब तक केंद्रीय मंत्री शाह इन गंभीर मुद्दों पर स्पष्टीकरण नहीं देते, तब तक किसी भी महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा नहीं होने दी जाएगी।

कांग्रेस सांसद और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि जब तक केंद्रीय गृह मंत्री सदन में अपना बयान नहीं देते, गतिरोध बना रहेगा। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि एफसीआरए बिल सहित किसी भी विधेयक पर चर्चा से पहले केंद्रीय मंत्री शाह को दिल्ली में छात्रों के खिलाफ हुई कार्रवाई पर बोलना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना बयान के केंद्र सरकार को इन मामलों पर आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा। विपक्ष ने एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम) विधेयक को लेकर भी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने एक बड़े समुदाय के खिलाफ उठाया गया कदम बताया, जिससे शिक्षा और राष्ट्रीय प्रगति में योगदान देने वाले महत्वपूर्ण संसाधनों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने विधेयक में प्रशासनिक खर्चों की सीमा को 50 से घटाकर 20 प्रतिशत करने के प्रस्ताव पर चिंता जाहिर की है। यह तर्क देकर कि इसका अनुच्छेद 19 के तहत प्राप्त अधिकारों पर असर पड़ेगा। कांग्रेस सांसद भगत ने विश्व आदिवासी दिवस के संदर्भ में अमित शाह द्वारा आदिवासी समुदाय को 'वनवासी' कहकर उनकी पहचान, संघर्ष और ऐतिहासिक विरासत को कमजोर करने की कोशिश का भी कड़ा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे को शाह के सदन में आने पर उठाएंगे।

इस बीच, कांग्रेस नेताओं ने झारखंड में छात्रों के प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शन के दौरान शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील की और प्रशासन से असामाजिक तत्वों को दूर रखने का आग्रह किया। समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने परिसीमन के मुद्दे पर कहा कि विपक्ष ने प्रस्तावित नहीं किया है और वे इस पर चर्चा की आवश्यकता नहीं समझते। सपा सांसद यादव ने 'इंडिया' गठबंधन की एकजुटता पर जोर दिया, यह कहते हुए कि भाजपा की टिप्पणियों से गठबंधन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। संसद में जारी इस गतिरोध से महत्वपूर्ण विधायी कार्य बाधित हो रहे हैं, और समाधान अभी दूर दिख रहा है।

भरत एनकाउंटर में 11 के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

आरा। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। आरा सीजेएम कोर्ट ने एनकाउंटर में शामिल 11 लोगों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने 12 अगस्त को इन सभी को अरेस्ट कर कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है। तत्कालीन एसडीएम संजीत कुमार, एसडीपीओ राजेश शर्मा, थानाध्यक्ष राजेश मालाकार, दरोगा अंकित आर्यन, हरिश्चंद्र कुमार, एसटीएफ जवान अक्षय कुमार, विकास कुमार और एएसआई रमाशंकर यादव समेत कुल 11 खिलाफ वारंट जारी किया गया है। एसटीएफ जवान अक्षय कुमार की गिरफ्तारी पहले ही हो चुकी है। तत्कालीन थानाध्यक्ष राजेश मालाकार सस्पेंड हो चुके हैं। राजेश शर्मा को पटना में मद्य निषेध का डीएसपी बनाया गया था। हालांकि, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भरत तिवारी के परिवार की मुलाकात के बाद उन्हें दोबारा लाइन क्लोज कर दिया गया था। वहीं, जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीएम संजीत कुमार को भी उनके पद से हटाकर पटना मुख्यालय अटैच कर दिया गया था।

पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने का कोई विचार नहीं

सरकार ने संसद में दिया जवाब, कहा- सरकारी खजाने पर पड़ेगा भारी बोझ

नई दिल्ली। पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) की बहाली की मांग कर रहे लाखों सरकारी कर्मचारियों को केंद्र सरकार से फिलहाल राहत नहीं मिली है। केंद्र ने संसद में स्पष्ट किया है कि पुरानी पेंशन योजना को दोबारा लागू करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। सरकार ने इसके पीछे सरकारी खजाने पर पड़ने वाले संभावित भारी वित्तीय बोझ का हवाला दिया है।

लोकसभा में पूछे गए सवाल के लिखित जवाब में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार ओपीएस बहाल करने पर विचार नहीं कर रही है। सरकार के अनुसार, पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने से आने वाले वर्षों में सरकारी खर्च में काफी वृद्धि हो सकती है। संसदीय जवाब के मुताबिक राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, पंजाब और हिमाचल प्रदेश ने नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) से हटकर पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने के संबंध में पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) को जानकारी दी है। 26 जुलाई 2026 तक इन राज्यों का हजारों करोड़ रुपये एनपीएस में जमा था। राजस्थान में 53,403.89 करोड़, पंजाब में 40,673.08 करोड़, छत्तीसगढ़ में 24,030.04 करोड़, झारखंड में 14,420.90 करोड़ और हिमाचल प्रदेश में 12,525.96 करोड़ रुपये जमा थे।

राज्यों को वापस नहीं मिलेगा एनपीएस का पैसा

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि मौजूदा कानून में एनपीएस में जमा राशि राज्यों को वापस करने का कोई प्रावधान नहीं है। इस राशि में कर्मचारियों और सरकार दोनों का अंशदान शामिल है। ओपीएस में सेवानिवृत्ति के बाद निर्धारित पेंशन का भुगतान सरकार करती है, जबकि एनपीएस अंशदान आधारित व्यवस्था है।

सांसदों के शिंदे गुट में विलय मामले की सुनवाई 2 हफ्ते टली

नई दिल्ली। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) के छह सांसदों के शिंदे गुट वाली शिवसेना में विलय को लोकसभा स्पीकर की ओर से दी गई मंजूरी के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई दो सप्ताह के लिए टल गई। अदालत ने कहा कि लोकसभा स्पीकर कार्यालय और अन्य संबंधित पक्षों को अभी नोटिस नहीं मिला है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सुनवाई के दौरान अंतरिम राहत की मांग की। उन्होंने दलील दी कि ऐसे मामलों में लोकसभा स्पीकर के पास असीमित अधिकार नहीं हैं। मामले में स्पीकर के फैसले की न्यायिक समीक्षा के मुद्दे पर भी आगे सुनवाई होनी है। दरअसल, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने 18 जुलाई को शिवसेना यूबीटी के छह सांसदों के शिंदे गुट वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी दी थी। इस फैसले के बाद शिंदे गुट के सांसदों की संख्या बढ़कर 13 हो गई। इस फैसले के खिलाफ उद्धव ठाकरे गुट की ओर से सुप्रीम कोर्ट का रुख किया गया है। याचिका में स्पीकर के फैसले को चुनौती देते हुए इस पर न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की गई है।

चपरासी से बाबू बना सुभाष, 8 करोड़ की संपत्ति का मालिक

जबलपुर। जबलपुर में लोकायुक्त की जांच में क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज प्रशिक्षण केंद्र, सिवनी में पदस्थ सहायक ग्रेड-2 सुभाष शर्मा की आय से अधिक संपत्ति का मामला सामने आया है। लोकायुक्त टीम के मुताबिक शर्मा की कुल संपत्ति करीब 8 करोड़ रुपए से अधिक पहुंचने का अनुमान है। जांच के दौरान उनके घर से 500 ग्राम सोना, चांदी के आभूषण समेत कई महंगे सामान मिले हैं।

लोकायुक्त की कार्रवाई में यह भी सामने आया कि सुभाष शर्मा ने अपने घर में महंगे सामान के साथ-साथ तलघर तक पहुंचने के लिए लिफ्ट लगवा रखी थी। टीम को जांच के दौरान कई संपत्तियों और उनसे जुड़े दस्तावेज भी मिले हैं।

शर्मा ने वर्ष 1989 में सहायक ग्रेड-3 के पद से सरकारी सेवा शुरू की थी। लोकायुक्त के अनुसार उनकी आय के मुकाबले संपत्ति करीब 543.19 प्रतिशत अधिक पाई गई है। शुरुआती जांच में संपत्ति का मूल्य करीब 6 करोड़ रुपए आंका गया था, जो आगे की जांच में बढ़कर 8 करोड़ से अधिक होने का अनुमान है।

खैरलांजी वन परिक्षेत्र में बाघ का कहर

किसान समेत गाय-बछड़े को बनाया शिकार

पांडरवानी के जंगल में खून से लथपथ मिला देवकराम का शव, मवेशियों के पास मिले हमले के निशान, कान्हा बफर जोन से लगे गांवों में भी बढ़ा खौफ

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

खैरलांजी वन परिक्षेत्र के ग्राम पंचायत मिरगपुर अंतर्गत पांडरवानी के सतीटोला में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई। जब जंगल में मवेशी चराने गए करीब 50 वर्षीय किसान देवकराम पिता श्यामलाल वाघमारे का शव खून से लथपथ हालत में मिला। घटनास्थल के पास उनकी गाय और बछड़ा भी मृत पड़े थे। वन्यप्राणी के पंजों के निशान और संघर्ष के चिन्ह मिलने से बाघ के हमले की आशंका जताई जा रही है। घटना की जांच वन विभाग और तिरोड़ी पुलिस द्वारा की जा रही है।

रविवार दोपहर जंगल गए थे देवकराम, रातभर होती रही तलाश

जानकारी के अनुसार पांडरवानी निवासी देवकराम वाघमारे खेती-किसानी करते थे। 9 अगस्त को दोपहर करीब 12 बजे देवकराम एक गाय और उसके बछड़े को चराने गांव से लगे जंगल की ओर गए थे। शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद ग्रामीणों और परिजनों ने जंगल में उनकी तलाश शुरू की, लेकिन देर रात तक उनका कोई पता नहीं चल सका।10 अगस्त की सुबह करीब 7 बजे परिजन और ग्रामीण दोबारा जंगल की ओर पहुंचे। गांव के श्मशान घाट से लगे घने जंगल में पहले गाय और उसका बछड़ा मृत अवस्था में दिखाई दिया। कुछ दूरी पर देवकराम का शव भी मिला। शव की स्थिति और घटनास्थल पर मिले निशानों को देखकर ग्रामीणों ने बाघ के हमले की आशंका जताई।

मवेशियों को बचाने गए और बाघ की चपेट में आ गए

ग्रामीणों के मुताबिक संभव है कि बाघ ने पहले गाय और उसके बछड़े पर हमला किया हो। मवेशियों को बचाने के प्रयास में देवकराम उनके पास पहुंचे होंगे और इसी दौरान बाघ ने उन पर हमला कर दिया। हालांकि हमले की वास्तविक स्थिति और वन्यप्राणी की पहचान वन विभाग की जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। घटना की सूचना मिलते ही मिरगपुर सरपंच दीपक देशमुख मौके पर पहुंचे और वन विभाग को सूचना दी। इसके बाद वन विभाग और तिरोड़ी थाना पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची। कटंगी एसडीओ यशपाल मेहरा और खैरलांजी वन परिक्षेत्र अधिकारी डीसी वासनिक सहित अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा आवश्यक साक्ष्य जुटाए।

50 हजार तत्काल मुआवजे के बड़े दावे का इंतजार

घटना के बाद वन विभाग ने मृतक के परिजनों को तत्काल 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। सरपंच दीपक देशमुख के अनुसार वन विभाग की ओर से 24 घंटे के भीतर 8 लाख रुपये की मुआवजा राशि उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई है। वहीं शासन की प्रक्रिया के तहत लगभग 17 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि एक माह के भीतर दिए जाने की बात कही गई है।ग्रामीणों का कहना है कि मुआवजा अपनी जगह जरूरी है लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है कि आगे किसी परिवार को ऐसी त्रासदी का सामना न करना पड़े।

शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा-जांच जारी

तिरोड़ी पुलिस थाने के सहायक उपनिरीक्षक उमेश दियेवार ने मृतक देवकराम का पंचनामा तैयार कर आवश्यक कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए कटंगी स्वास्थ्य केंद्र भिजवाये और शव पोस्टमार्टम करवाकर उनके परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सुपुर्द कर दिये । वन विभाग और तिरोड़ी पुलिस की टीम घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है।

पर्रापुर के बाद पांडरवानी में मौत- आखिर कब रुकेगा सिलसिला

पांडरवानी की घटना ने क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे बाघों के खतरे को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन में आने वाले ग्राम पर्रापुर में पिछले सप्ताह बाघिन के हमले में एक महिला की मौत की घटना सामने आई थी। इसके बाद सेला और मोहगांव क्षेत्र में भी बाघों की आमद देखे जाने की जानकारी ग्रामीणों द्वारा दी जा रही है। जिले के कटंगी वन परिक्षेत्र के वन क्षेत्रों से लगे गांवों में पहले भी बाघों के हमले से जनहानि हो चुकी है। ऐसे में पांडरवानी की घटना ने ग्रामीणों की चिंता और बढ़ा दी है। जंगल से सटे गांवों के लोगों के सामने एक तरफ रोजी रोटी और मवेशियों को चराने की मजबूरी है तो दूसरी तरफ हर कदम पर वन्यजीव के हमले का खतरा बना हुआ है।

ग्रामीणों की मांग- सिर्फ गश्त नहीं- स्थायी सुरक्षा व्यवस्था हो

ग्रामीणों का कहना है कि संवेदनशील गांवों में केवल घटना के बाद गश्त बढ़ाने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। बाघों की लगातार निगरानी, कैमरा ट्रैप, नियमित पेट्रोलिंग, वन्यजीवों की लोकेशन की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने और संवेदनशील क्षेत्रों में चेतावनी व्यवस्था को मजबूत किया जाना चाहिए। ग्रामीणों की यह भी मांग है कि जिन इलाकों में लगातार बाघों की मौजूदगी सामने आ रही है। वहां वन विभाग की टीमों द्वारा विशेष निगरानी रखी जाए और ग्रामीणों को समय रहते अलर्ट किया जाए ताकि लोग अनजाने में बाघ के विचरण वाले क्षेत्र में न पहुंचें।

वन विभाग की अपील अकेले जंगल न जाएं

घटना के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है। ग्रामीणों से अकेले जंगल में नहीं जाने, विशेषकर सुबह और शाम के समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की अपील की गई है। किसी भी वन्यजीव की गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग को सूचना देने कहा गया है।

पांडरवानी की घटना ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है

जंगल और गांव की सीमा पर रहने वाले ग्रामीण आखिर कब तक बाघ के डर के साये में अपनी जिंदगी और रोजी-रोटी चलाने को मजबूर रहेंगे।मानव-वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती घटनाओं के बीच अब तात्कालिक कार्रवाई के साथ स्थायी सुरक्षा व्यवस्था की जरूरत पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है।

बैगा अंचल में बीमारी का कहर, 23 दिन में आधा दर्जन से अधिक बच्चों की मौत, पोषण और दूषित पानी पर उठे सवाल

अडोरी, कुंडेकसा, बोंदारी और कोरका में बीमारी से हड़कंप, जबलपुर मेडिकल कॉलेज की पांच सदस्यीय टीम ने संभाला मोर्चा,

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बैगा आदिवासी अंचल के अडोरी, कुंडेकसा, बोंदारी और कोरका गांवों में बच्चों के लगातार बीमार पड़ने और मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीमारी के बढ़ते प्रकोप ने बालाघाट से लेकर भोपाल तक स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा दिया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय स्वास्थ्य अमले के साथ अब जबलपुर मेडिकल कॉलेज से विशेषज्ञ चिकित्सकों की पांच सदस्यीय टीम भी बालाघाट पहुंची है। टीम पिछले दो दिनों से जिला अस्पताल में भर्ती बच्चों के स्वास्थ्य की जांच करने के साथ प्रभावित गांवों में पहुंचकर बीमारी के कारणों और मौजूदा हालात का जायजा ले रही है।

अब तक विशेषज्ञों की प्रारंभिक पड़ताल में बच्चों के कुपोषण और दूषित पानी को बीमारी और मौत के पीछे दो प्रमुख संभावित कारणों के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, जबलपुर मेडिकल कॉलेज के महामारी विशेषज्ञ डॉ. रविन्द्र विश्नोई का कहना है कि बच्चों की मौत के पीछे किसी एक कारण को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता। कई कारक मिलकर

बच्चों की स्थिति को गंभीर बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि शुरुआत में प्रभावित बच्चों में शरीर पर दाने, तेज बुखार, मुंह में छाले, खाना छोड़ देना और झटके आने जैसी शिकायतें सामने आई थीं। शरीर पर दाने जैसे लक्षणों को देखते हुए बच्चों के सैंपल जांच के लिए पुणे भेजे गए हैं। इनकी रिपोर्ट आने के बाद ही बीमारी की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। जबलपुर मेडिकल कॉलेज की पांच सदस्यीय टीम पिछले दो दिनों से बालाघाट में डटी हुई है। चिकित्सकों द्वारा अस्पताल में भर्ती बच्चों की जांच के साथ प्रभावित गांवों में जाकर भी ग्रामीणों और बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति का परीक्षण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के स्तर पर प्रारंभिक तौर पर पोषण और पानी को गंभीर चिंता का विषय माना जा रहा है। चिकित्सकों का मानना है कि यदि बच्चों को पर्याप्त पोषण नहीं मिल रहा है तो उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है और ऐसी स्थिति में संक्रमण तेजी से गंभीर रूप ले सकता है। इसके साथ ही दूषित अथवा असुरक्षित पेयजल भी बीमारी फैलने का बड़ा कारण बन सकता है। इधर बीमारी और बच्चों की मौतों ने शासन की उन व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं, जिनका उद्देश्य आदिवासी बैगा परिवारों को बेहतर पोषण और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। बैगा समुदाय के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पोषण सहायता, सामग्री और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का दावा किया जाता है। इसके बावजूद यदि प्रभावित क्षेत्रों में बच्चों में गंभीर पोषण की कमी सामने आ रही है तो यह संबंधित विभागों की जमीनी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थिति बिगड़ने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य शिविर लगाने के साथ अब अस्थायी अस्पताल की व्यवस्था भी शुरू कर दी है। स्वास्थ्य अमला गांव-गांव पहुंचकर बच्चों के साथ ग्रामीणों का भी स्वास्थ्य परीक्षण कर रहा है और बीमार पाए जाने वाले लोगों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके बावजूद अस्पतालों में प्रभावित बच्चों के पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है। वर्तमान में बैहर और बालाघाट जिला अस्पताल में कुल 47 बच्चे भर्ती बताए जा रहे हैं, जिनका उपचार चिकित्सकों की निगरानी में किया जा रहा है। वहीं अब तक जिला अस्पताल लाए गए 51 बच्चों को उपचार के बाद स्वस्थ होने पर छुट्टी दी जा चुकी है। पहली बार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने भी आधिकारिक रूप से बीमारी से छह बच्चों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मौतों से संबंधित पूरी रिपोर्ट तैयार कर भोपाल भेजी जा चुकी है।

23 दिन में आधा दर्जन से अधिक बच्चों की मौत

बैगा आदिवासी अंचल में बीमारी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि करीब एक माह के भीतर एक से 13 वर्ष की उम्र के छह बच्चों की मौत हो चुकी है। सबसे हाल में 6 अगस्त को ग्राम बोंदारी निवासी चार वर्षीय अरविंद पिता चैतु धुर्वे की मौत हुई। इससे पहले 26 जून से 22 जुलाई के बीच बोंदारी निवासी भाई-बहन लमनिन पिता समारू धुर्वे उम्र 13 वर्ष और साहिल पिता समारू धुर्वे उम्र एक वर्ष, पूजा पिता चमरू धुर्वे उम्र एक वर्ष नौ माह, सचिन पिता चैनसिंह मरकाम उम्र पांच वर्ष तथा कुंडेकसा निवासी चार वर्षीय प्रीति पिता नेहरू मरकाम की मौत हो चुकी है।

बीमारी की जड़ तलाशने में जुटे विशेषज्ञ

आदिवासी बैगा बाहुल्य क्षेत्र में बीमारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए पिछले 23 दिनों में दूसरी बार जबलपुर मेडिकल कॉलेज की विशेषज्ञ टीम बालाघाट पहुंची है। टीम गांवों और अस्पतालों में बच्चों की स्थिति का अध्ययन कर रही है। फिलहाल बीमारी की निश्चित पहचान के लिए पुणे भेजे गए सैंपलों की रिपोर्ट का इंतजार है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि बच्चों में सामने आ रहे दाने, बुखार, मुंह के छाले, खाना छोड़ने और झटके जैसे लक्षण आखिर किस बीमारी की ओर इशारा कर रहे हैं।

मोबाइल हैंग हुआ और खाते से उड़ गए 58 हजार रुपये

साइबर हेल्पलाइन 1930 पर की शिकायत

किरनापुर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ दर्ज किया मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। साइबर ठगों ने अब मोबाइल फोन में सेंध लगाकर बैंक खाते से रकम उड़ाने का नया तरीका अपनाना शुरू कर दिया है। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम देवगांव में ऐसा ही एक मामला सामने आया है। जहां एक मिस्त्री का मोबाइल अचानक हैंग होने के बाद उसके बैंक खाते से दो बार में कुल 58 हजार रुपये ट्रांसफर हो गए। पीड़ित को जब खाते से रकम निकलने का मैसेज मिला।तब उसे ऑनलाइन ठगी का पता चला। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम देवगांव निवासी विशाल फुंडे 31 मिस्त्री का काम करते हैं। बताया गया कि 4 अगस्त को दोपहर करीब 3 बजे उनका ओप्पो कंपनी का मोबाइल अचानक हैंग होने लगा था। मोबाइल में आई इस तकनीकी समस्या को उन्होंने सामान्य समझा।शाम करीब 7:30 बजे जब विशाल ने अपना मोबाइल चेक किया तो उनके सेंट्रल बैंक खाते से 45 हजार रुपये ट्रांसफर होने का मैसेज मिला। इसके कुछ ही समय बाद खाते से 13 हजार रुपये और ट्रांसफर होने का संदेश आया। इस तरह कुछ ही समय में उनके खाते से कुल 58 हजार रुपये की रकम निकल गई।

तुरंत 1930 पर की शिकायत

खाते से रकम निकलने की जानकारी मिलते ही विशाल ने तत्काल साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद उन्होंने पुलिस से भी मामले की शिकायत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए किरनापुर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ ऑनलाइन धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) एवं सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66डी के तहत मामला दर्ज किया है।

मोबाइल हैंग होने की घटना को नजरअंदाज न करें

यह घटना आम मोबाइल उपयोगकर्ताओं के लिए भी चेतावनी है। मोबाइल का अचानक हैंग होना, अपने आप स्क्रीन चलना, अनजान ऐप का दिखाई देना, बैंकिंग संबंधी असामान्य मैसेज आना या खाते से बिना अनुमति रकम निकलना साइबर धोखाधड़ी की ओर इशारा कर सकता है।

विश्व आदिवासी दिवस पर दड़कसा में गूंजा आदिवासी संस्कृति का रंग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आदिवासी बाहुल्य बालाघाट जिले में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आदिवासी संस्कृति, परंपरा और लोक कला पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में वनाँचल आदिवासी क्षेत्र दर्रेकसा पंचायत में भव्य आयोजन हुआ, जिसमें आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे, जिन्होने विश्व आदिवासी दिवस के महत्व और आदिवासी समाज की समृद्ध परंपराओं के संबंध में लोगों को जानकारी दी।आयोजन स्थल पर पारंपरिक वेशभूषा, लोक नृत्य, गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया। पूरे क्षेत्र में आदिवासी संस्कृति और परंपराओं की झलक देखने को मिली।कार्यक्रम में अतिथि रूप के रूप में सरपंच फूल सिंह मरावी, चंदन सिंह उइके, सूमरत परते, अजब सिंह टेकाम, लामू सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। शिक्षक अजाबसिंह टेकाम नले अपने उद्बोधन में कहा कि इस क्षेत्र का आदिवासी अशिक्षा के पिछडेपन का शिकार है। आप शिक्षा की ओर भी अग्रसर रहे। जब तक बच्चे शिक्षित नही होगे, अपने हक अधिकारो को नही समझ पायेगें।

सीपीसीटी की शर्त बनी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति में सबसे बड़ी बाधा

10 साल से पदोन्नति का इंतजार, 40 से 50 वर्ष की उम्र पार कर चुके कर्मचारियों ने नियमों में स्थायी शिथिलता की उठाई मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के विभिन्न विभागों में वर्षों से सेवाएं दे रहे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति का मामला एक बार फिर गरमा गया है। सहायक ग्रेड-3 के पद पर पदोन्नति के लिए सीपीसीटी परीक्षा की अनिवार्यता को लेकर कर्मचारियों में नाराजगी है। कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से शासन के विभिन्न विभागों में भृत्य, चौकीदार, कार्यालय परिचालक सहित अन्य चतुर्थ श्रेणी पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन करीब 10 वर्षों से पदोन्नति का लाभ नहीं मिल पाया है। अब पदोन्नति के लिए सीपीसीटी की अनिवार्यता को एक नई बाधा के रूप में सामने रखा जा रहा है। इसी मांग को लेकर मध्यप्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के प्रदेश स्तरीय आह्वान पर जिले में भी कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर सीपीसीटी की अनिवार्यता में स्थायी शिथिलता देने की मांग की। ज्ञापन में कर्मचारियों ने बताया कि शासन के विभिन्न विभागों में चतुर्थ श्रेणी के पदों पर कर्मचारी कई वर्षों से पूरी निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या ऐसे कर्मचारियों की है, जिन्होंने अपनी सेवा के 10 वर्ष से अधिक समय पूरे कर लिए हैं। पदोन्नति की निर्धारित व्यवस्था के तहत पात्र कर्मचारियों को सहायक ग्रेड-3 के पद पर पदोन्नति का अवसर मिलना चाहिए, लेकिन सीपीसीटी की शर्त के कारण यह प्रक्रिया अटक रही है। कर्मचारियों का कहना है कि वर्षों तक सेवा देने के बाद भी यदि उन्हें पदोन्नति के लिए एक अलग कंप्यूटर दक्षता परीक्षा पास करने की बाध्यता रहेगी तो बड़ी संख्या में वरिष्ठ कर्मचारी इस अवसर से वंचित हो सकते हैं। कर्मचारी संघ का तर्क है कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में सीपीसीटी की उपयोगिता मुख्य रूप से सीधी भर्ती के लिए निर्धारित की गई है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति के संबंध में सीपीसीटी को लेकर स्पष्ट और अलग से व्यवस्था नहीं होने के कारण कर्मचारियों के बीच भ्रम की स्थिति बनी हुई है। उनका कहना है कि जब कर्मचारी पहले से ही शासन के विभागों में कार्यरत हैं और पदोन्नति की प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं तो सीधी भर्ती के लिए निर्धारित परीक्षा को पदोन्नति के लिए अनिवार्य करना उचित नहीं है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा पदोन्नति नियम 2025 जारी किए गए हैं। वहीं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति से संबंधित नियमों में पांच वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को सहायक ग्रेड-3 के कुल स्वीकृत पदों में से 25 प्रतिशत पदों पर पदोन्नति दिए जाने का प्रावधान बताया गया है। कर्मचारियों का कहना है कि जब पदोन्नति के लिए सेवा अवधि और पदों का कोटा निर्धारित है तो सीपीसीटी की अनिवार्यता के कारण इस व्यवस्था का लाभ पात्र कर्मचारियों को नहीं मिल पा रहा है। मध्यप्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष संतोष प्रधान ने बताया कि आज प्रदेश संगठन के आह्वान पर प्रदेश सहित अलग-अलग जिलों में कर्मचारियों द्वारा मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि उनकी

प्रमुख मांग चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को सहायक ग्रेड-3 के पद पर पदोन्नति के लिए सीपीसीटी की अनिवार्यता को शिथिल करना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बड़ी संख्या में कर्मचारी 40 से 50 वर्ष की उम्र पार कर चुके हैं। ऐसे कर्मचारियों ने अपने जीवन के कई वर्ष शासन की सेवा में लगा दिए हैं, लेकिन अब पदोन्नति के लिए उन्हें सीपीसीटी परीक्षा की बाध्यता से गुजरना पड़ रहा है। संतोष प्रधान ने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ कई कर्मचारियों के लिए नई तकनीकी प्रक्रिया और कंप्यूटर आधारित परीक्षा को समझना आसान नहीं है। इसका मतलब यह नहीं है कि कर्मचारी कंप्यूटर सीखना नहीं चाहते, बल्कि उनका कहना है कि पदोन्नति के लिए उनकी वर्षों की सेवा, वरिष्ठता और अनुभव को भी महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी कर्मचारी ने 20-25 वर्ष तक विभाग में काम किया है और उसे पदोन्नति का अवसर मिल रहा है तो केवल सीपीसीटी परीक्षा के आधार पर उसे इस अधिकार से वंचित करना कर्मचारियों के हित में नहीं है। संघ ने यह भी कहा कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में कई ऐसे पद हैं, जिनका दैनिक कार्य कंप्यूटर आधारित नहीं है। भृत्य, चौकीदार और कार्यालय परिचालक जैसे पदों पर काम करने वाले कर्मचारियों से उनके मूल कार्य के अलावा पदोन्नति के लिए कंप्यूटर दक्षता परीक्षा अनिवार्य करना व्यावहारिक कठिनाई पैदा कर रहा है। कर्मचारियों ने शासन से मांग की है कि इस स्थिति को मानवीय दृष्टिकोण से देखा जाए और पदोन्नति के लिए सीपीसीटी की अनिवार्यता को स्थायी रूप से समाप्त या शिथिल किया जाए। कर्मचारियों ने शासन के समक्ष वैकल्पिक व्यवस्था का प्रस्ताव भी रखा है। उनका कहना है कि यदि सरकार कंप्यूटर दक्षता को पदोन्नति के लिए जरूरी मानती है तो कर्मचारियों को किसी भी मान्यता प्राप्त संस्था से कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर दिया जाए। इसके अलावा विभागीय स्तर पर भी कर्मचारियों के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण आयोजित किया जा सकता है, ताकि कर्मचारी प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद पदोन्नति की प्रक्रिया में शामिल हो सकें। इससे कर्मचारियों पर अचानक परीक्षा का दबाव भी नहीं पड़ेगा और उनकी तकनीकी दक्षता भी विकसित होगी। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि शासन के विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भी अपनी भूमिका निभाते हैं और लंबे समय से विभागीय व्यवस्था का हिस्सा बने हुए हैं। इसके बावजूद पदोन्नति के मामले में लगातार अनिश्चितता बनी हुई है। कर्मचारियों का कहना है कि एक ओर शासन कर्मचारियों को पदोन्नति के अवसर देने की बात करता है, वहीं दूसरी ओर ऐसी शर्तें लागू हो रही हैं, जिनके कारण वरिष्ठ कर्मचारी ही पदोन्नति से बाहर हो रहे हैं।कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन में मांग की है कि सहायक ग्रेड-3 के पद पर पदोन्नति के लिए सीपीसीटी की अनिवार्यता पर स्पष्ट आदेश जारी किया जाए और वर्षों से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को राहत दी जाए। साथ ही पदोन्नति नियमों में आवश्यक संशोधन करते हुए वरिष्ठता और सेवा अवधि के आधार पर पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति का अवसर प्रदान किया जाए। संघ अध्यक्ष संतोष प्रधान ने कहा कि कर्मचारी अपनी मांग को लेकर शासन के सामने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रख रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि सरकार कर्मचारियों की स्थिति को समझते हुए सकारात्मक निर्णय लेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों की मांग किसी सुविधा विशेष के लिए नहीं बल्कि वर्षों से लंबित पदोन्नति के अधिकार को लेकर है। यदि शासन स्तर पर जल्द निर्णय होता है तो लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे सैकड़ों कर्मचारियों को इसका सीधा लाभ मिल सकता है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

डबल मनी प्रकरण में पुलिस ने जारी की छठवीं सूची, 191 और निवेशकों के नाम सार्वजनिक

अब तक 904 निवेशकों की सूची जारी, नाम सामने आने वाले निवेशकों से हेल्पडेस्क में दस्तावेज जमा करने की अपील

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बहुचर्चित डबल मनी प्रकरण में पुलिस की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। प्रकरण में सोमेंद्र कांकरानी एवं उसके एजेंटों के माध्यम से निवेश करने वाले लोगों की पहचान और उनके दस्तावेज जुटाने की प्रक्रिया के तहत पुलिस लगातार निवेशकों की सूची जारी कर रही है। इसी क्रम में पुलिस ने 10 अगस्त को निवेशकों की छठवीं सूची जारी कर दी है, जिसमें 191 निवेशकों के नाम शामिल हैं। छठवीं सूची जारी होने के बाद अब तक पुलिस द्वारा कुल 904 निवेशकों के नाम सार्वजनिक किए जा चुके हैं।

पुलिस द्वारा इससे पहले निवेशकों की पहली सूची में 113 नाम जारी किए गए थे। इसके बाद चार अलग-अलग सूचियों में 150-150 निवेशकों के नाम सार्वजनिक किए गए। अब पुलिस ने छठवीं सूची में 191 नाम जारी कर दिए हैं। इस तरह छह सूचियों के माध्यम से अब तक कुल 904 निवेशकों की जानकारी सामने आ चुकी है। पुलिस द्वारा जारी की जा रही इन सूचियों के माध्यम से उन लोगों को चिन्हित किया जा रहा है, जिन्होंने सोमेंद्र कांकरानी अथवा उसके एजेंटों के माध्यम से कथित तौर पर निवेश किया था। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिन निवेशकों के नाम सूची में जारी किए जा चुके हैं, वे स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में बनाए गए हेल्पडेस्क पर पहुंचकर अपने निवेश से संबंधित आवश्यक दस्तावेज जमा करें। इसमें चेक, रसीद और अन्य संबंधित दस्तावेजों को पुलिस के समक्ष प्रस्तुत करने की अपील की गई है, ताकि जांच प्रक्रिया में निवेश की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। वहीं पुलिस ने उन लोगों से फिलहाल इंतजार करने को कहा है, जिनके नाम अभी तक किसी भी सूची में सामने नहीं आए हैं। पुलिस का कहना है कि निवेशकों की जानकारी और दस्तावेजों का सत्यापन लगातार किया जा रहा है। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, अन्य निवेशकों के नाम भी सूची के माध्यम से सार्वजनिक किए जा सकते हैं। डबल मनी प्रकरण में पुलिस की विशेष टीम पहले से ही सोमेंद्र कांकरानी और उसके साथ जुड़े अन्य आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस निवेशकों से संबंधित दस्तावेजों के साथ-साथ इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि निवेश के नाम पर एकत्र की गई राशि का इस्तेमाल कहां-कहां किया गया और इस पूरे नेटवर्क से कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं। छठवीं सूची में 191 नाम सामने आने के बाद अब उन निवेशकों के बीच भी हलचल बढ़ गई है, जिन्होंने इस प्रकरण में पैसा लगाया था। कई निवेशक पहले ही पुलिस के हेल्पडेस्क पर पहुंचकर अपने दस्तावेज जमा कर चुके हैं, जबकि बड़ी संख्या में लोग अभी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। पुलिस की ओर से लगातार सूची जारी किए जाने से यह साफ है कि प्रकरण की जांच का दायरा लगातार बढ़ रहा है और आने वाले दिनों में अन्य निवेशकों के नाम भी सामने आने की संभावना बनी हुई है।

टीन शेड के नीचे सज रही थी जुए की महफिल, 14 जुआरियों पर नवेगांव पुलिस का शिकंजा

गोंदिया से बालाघाट पहुंचकर खेल रहे थे जुआ, 13 महाराष्ट्र के और एक बालाघाट का आरोपी गिरफ्तार, 38 लाख रुपये से अधिक का मशरूका जब्त

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में जुआ, सट्टा और अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच नवेगांव पुलिस ने ग्राम खुरसोड़ी में बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय जुआरियों के गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने एक गोदाम के टीन शेड के नीचे ताश के 52 पत्तों पर हार-जीत का दांव लगा रहे 14 आरोपितों को मौके से गिरफ्तार किया। इनमें 13 आरोपित महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के अलग-अलग गांवों के रहने वाले हैं, जबकि एक आरोपित बालाघाट जिले का निवासी बताया गया है। पुलिस ने जुआ फड़ से 1 लाख 50 हजार 200 रुपये नकद, 14 एंड्राइड मोबाइल फोन और तीन चारपहिया वाहन समेत करीब 38 लाख 200 रुपये का मशरूका जब्त किया है। मामले का खुलासा 10 अगस्त को स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय ने किया।

पुलिस जिले में जुआ, सट्टा, अवैध शराब सहित अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में थाना ग्रामीण नवेगांव प्रभारी उपनिरीक्षक रमेश कुमार जाट को लगातार सूचना मिल रही थी कि ग्राम खुरसोड़ी में महाराष्ट्र से कुछ लोग आकर बड़े पैमाने पर जुआ खेल रहे हैं। मुखबिर की सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने लगातार निगरानी शुरू की। बताया गया कि ग्राम खुरसोड़ी में महाराष्ट्र के रावणवाड़ी निवासी ओमप्रकाश नगपुरे का गोदाम है, जिसके टीन शेड के नीचे जुआरियों का जमावड़ा लगता था। पुलिस को पहले भी यहां जुआ खेले जाने की सूचना मिली थी, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची थी, लेकिन उस समय कोई जुआरी नहीं मिला और पुलिस को खाली हाथ लौटना पड़ा था। इसके बाद पुलिस ने इस स्थान पर लगातार नजर बनाए रखी और मौका मिलते ही कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक 9 अगस्त को फिर सूचना मिली कि खुरसोड़ी स्थित ओमप्रकाश नगपुरे के गोदाम के टीन शेड के नीचे बड़ी संख्या में लोग ताश के पत्तों पर रुपये का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही नवेगांव पुलिस टीम ने मौके की घेराबंदी की और दबिश दी। पुलिस को देखकर जुआरियों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन टीम ने सभी 14 आरोपितों को मौके से पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने जुआ फड़ से 1,50,200 रुपये नकद और ताश की 52 पत्तों वाली तीन गड्डियां बरामद कीं। इसके अलावा आरोपितों के पास से 14 एंड्राइड मोबाइल फोन भी मिले, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है। कार्रवाई यहीं तक सीमित नहीं रही। पुलिस ने जुआ खेलने आए आरोपितों के तीन चारपहिया वाहनों को भी जब्त किया। इनमें ओमप्रकाश नगपुरे की टाटा सफारी कार क्रमांक एम.एच.35ए.डब्ल्यु6080, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 21 लाख रुपये है, शिवकुमार खैरवार की विटारा ब्रेजा कार क्रमांक एम.एच.35ए.जी.6697, जिसकी कीमत करीब 5 लाख रुपये और कमलेश नगपुरे की किया सोनेट कार क्रमांक एम.एच.35ए.डब्ल्यु 9183, जिसकी कीमत करीब 8 लाख रुपये बताई गई है। नकदी, मोबाइल और वाहनों को मिलाकर जब्त मशरूका की कुल कीमत करीब 38 लाख 200 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ धारा 112 बीएनएस एवं 13 पब्लिक गेम्बलिंग एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस की कार्रवाई में सामने आया कि जुए की इस महफिल में अधिकांश खिलाड़ी महाराष्ट्र के गोंदिया जिले से बालाघाट पहुंचे थे। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों में ओमप्रकाश नगपुरे उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम चारगांव थाना रावणवाड़ी, शिवकुमार खैरवार उम्र 47 वर्ष निवासी अर्जुनी थाना रावणवाड़ी, नरेश नागरीकर उम्र 54 वर्ष निवासी नागरा थाना गोंदिया ग्रामीण, आदित्य तुरकर उम्र 21 वर्ष निवासी कन्हारटोला थाना रावणवाड़ी, भरत लिल्हारे उम्र 46 वर्ष निवासी नागरा थाना गोंदिया ग्रामीण, कमलेश नगपुरे उम्र 36 वर्ष निवासी पाण्डरा बूढ़ी थाना रावणवाड़ी, मंगल मसकरे उम्र 44 वर्ष निवासी मुरपार थाना रावणवाड़ी, सुधीर रोडगे उम्र 33 वर्ष निवासी चारगांव थाना रावणवाड़ी, रंजीत बरेले उम्र 48 वर्ष निवासी चारगांव थाना रावणवाड़ी, विशाल मेण्डे उम्र 33 वर्ष निवासी सिरपुर थाना रावणवाड़ी, पंकज नगरे उम्र 30 वर्ष निवासी चारगांव थाना रावणवाड़ी, खेमेन्द्र बिरनवार उम्र 39 वर्ष निवासी चारगांव थाना रावणवाड़ी और जगदीश प्रसाद तिवड़े उम्र 40 वर्ष निवासी सावरीटोला थाना रावणवाड़ी जिला गोंदिया शामिल हैं। इनके साथ बालाघाट जिले के ग्राम खुरसोड़ी निवासी ओमप्रकाश दशहरे उम्र 45 वर्ष को भी गिरफ्तार किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय ने बताया कि यह सामान्य स्तर पर होने वाली जुए की कार्रवाई नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र के गोंदिया जिले से जुड़े लोगों के बालाघाट आकर जुआ खेलने की जानकारी सामने आई है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि आखिर दूसरे राज्य से इतने लोग एक स्थान पर किस तरह एकत्रित होकर जुए की गतिविधि संचालित कर रहे थे और इस पूरे नेटवर्क के पीछे कौन लोग सक्रिय हैं। वहीं थाना प्रभारी रमेश जाट ने बताया कि पहले मिली सूचना के बाद भी पुलिस ने मौके पर दबिश दी थी, लेकिन उस समय जुआरी वहां नहीं मिले थे। इसके बाद पुलिस ने गोदाम पर निगरानी बढ़ाई और दूसरी बार मिली पुख्ता सूचना पर दबिश देकर सभी आरोपितों को पकड़ने में सफलता हासिल की। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी नवेगांव उपनिरीक्षक रमेश कुमार जाट, उपनिरीक्षक सकरू सिंह धुर्वे, सहायक उपनिरीक्षक ईगल सिंह मरकाम, प्रधान आरक्षक कमलेश बाहेश्वर, आरक्षक अरविन्द गुर्जर, जितेन्द्र बिसेन, राजेन्द्र यादव सहित थाना ग्रामीण नवेगांव के अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद अब जिले में दूसरे राज्य से आकर जुआ खेलने वाले लोगों के बीच भी हड़कंप की स्थिति है। वहीं पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जुआ और अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जामड़ीमेटा ब्रांच पोस्टमास्टर रहस्यमय ढंग से लापता

देवनदी पुलिया के पास मिली स्कूटी और मोबाइल, घर जाने निकले 22 वर्षीय यश धारसे का नहीं मिला सुराग, देवनदी में एसडीआरएफ का रेस्क्यू ऑपरेशन, अपहरण की आशंका में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम जामड़ीमेटा में पदस्थ 22 वर्षीय ब्रांच पोस्टमास्टर यश धारसे के रहस्यमय ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है। यश के लापता होने के बाद उसकी स्कूटी, मोबाइल फोन और बैग ग्राम देवगांव के समीप देवनदी पुलिया के पास मिलने से मामले ने गंभीर रूप ले लिया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने नदी और आसपास के क्षेत्र में तलाश शुरू कर दी। जिला मुख्यालय से एसडीआरएफ की टीम बुलाकर देवनदी में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए किरनापुर पुलिस ने यश धारसे के अपहरण की आशंका के आधार पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 140(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस युवक की तलाश के साथ-साथ घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

घर जाने निकला था यश-रास्ते में मिली स्कूटी

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम कोसमी बालाघाट निवासी रामेश्वर धारसे 52 आरपीएफ में हेड कांस्टेबल के पद पर इतवारी नागपुर में पदस्थ हैं। उनके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा यश धारसे ग्राम जामड़ीमेटा में ब्रांच पोस्टमास्टर के पद पर पदस्थ है, जबकि छोटा बेटा रोहित धारसे है।यश धारसे ग्राम मुंडेसरा में अपने नाना उत्तम चिचले के घर रहकर जामड़ीमेटा स्थित डाकघर में आना-जाना करता था। वह समय-समय पर अपने गृह ग्राम कोसमी भी आता था।बताया गया कि 9 अगस्त को सुबह करीब 10:30 बजे यश अपनी स्कूटी से कोसमी स्थित घर जाने के लिए निकला था। इसी दौरान ग्राम देवगांव के समीप देवनदी पुलिया के पास उसकी स्कूटी, मोबाइल फोन और बैग लावारिस हालत में दिखाई दिए।

स्कूटी मिली, लेकिन यश का कोई पता नहीं

देवनदी पुलिया के पास युवक की स्कूटी और अन्य सामान मिलने की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर रजेगांव पुलिस मौके पर पहुंची और स्कूटी क्रमांक एमपी-50 एससी-3119 सहित मोबाइल और बैग को अपने कब्जे में लेकर पुलिस चौकी ले आई।इधर दोपहर करीब 2 बजे तक यश के घर नहीं पहुंचने पर उसके पिता रामेश्वर धारसे ने उसे फोन लगाया। जब यश से संपर्क नहीं हुआ रजेगांव पुलिस ने उन्हें देवनदी पुलिया के पास यश की स्कूटी, मोबाइल और बैग मिलने की जानकारी दी।जानकारी मिलते ही रामेश्वर धारसे तत्काल रजेगांव पुलिस चौकी पहुंचे। इसके बाद पुलिस और परिजनों ने देवनदी पुलिया तथा आसपास के क्षेत्र में यश की तलाश शुरू कर दी।

देवनदी में एसडीआरएफ ने संभाला मोर्चा

युवक के नदी में गिरने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने देवनदी में भी तलाश शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला मुख्यालय से एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया।जिसके द्वारा नदी में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर यश की खोजबीन की जा रही है।पुलिस नदी के आसपास के क्षेत्र के साथ ही अन्य संभावित स्थानों पर भी युवक की तलाश कर रही है। घटनास्थल से उसकी स्कूटी, मोबाइल और बैग मिलने के कारण परिजनों की चिंता बढ़ गई है।

अपहरण की आशंका अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

युवक के अचानक लापता होने और उसके सामान के देवनदी पुलिया के पास मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है। किरनापुर पुलिस ने यश धारसे के अपहरण के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 140(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया है।फिलहाल पुलिस युवक की तलाश के साथ-साथ यह पता लगाने में जुटी है कि वह देवनदी पुलिया तक कैसे पहुंचा और उसकी स्कूटी, मोबाइल तथा बैग वहां किस परिस्थिति में मिले। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ घटनास्थल और आसपास लगे संभावित सीसीटीवी कैमरों की जानकारी भी जुटा रही है।

परिजनों में चिंता पुलिस के सामने कई सवाल

यश धारसे के अचानक लापता होने से उसके परिजन और परिचित चिंतित हैं। घटनास्थल से स्कूटी, मोबाइल और बैग मिलने के बाद मामले को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। यश देवनदी पुलिया तक किन परिस्थितियों में पहुंचा उसका मोबाइल और बैग वहां कैसे मिला क्या वह नदी में गिरा या उसके साथ कोई अप्रिय घटना हुई इन सवालों का जवाब पुलिस जांच और रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।फिलहाल पुलिस और एसडीआरएफ की टीम यश धारसे की तलाश में जुटी हुई है 10 अगस्त की शाम 7:30 बजे तक चले रेस्क्यु ऑपरेशन के दौरान यश नहीं मिल पाया और परिजन उसके सकुशल मिलने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि 14 अगस्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा जारी मार्गदर्शिका के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए अतिरिक्त सीएलसी चरण 10 अगस्त से 14 अगस्त 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। यह प्रवेश का अंतिम चरण है। इस चरण में प्रवेश प्रक्रिया पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगी। प्रवेश केवल रिक्त सीटों पर ही दिया जाएगा। प्राचार्य शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय, बालाघाट डॉ. निधि ठाकुर ने बताया कि स्नातक प्रथम वर्ष एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी महाविद्यालय पहुंचकर उसी दिन पंजीयन, च्वाइस फिलिंग एवं सीट आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। सीट आवंटित होने के बाद निर्धारित समय सीमा के भीतर शुल्क जमा कर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी।

केवायसी नहीं कराने वाले गैस उपभोक्ताओं को लग सकता है झटका

15 अगस्त के बाद सख्ती की तैयारी,कनेक्शन पर लग सकता है ब्रेक, जिले में हजारों कनेक्शनों की केवायसी बाकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। यदि आप गैस उपभोक्ता है और आपने अब तक अपने घरेलू गैस कनेक्शन की ई-केवायसी नहीं कराई है तो सावधान हो जाइए। क्यो की आगामी 15 अगस्त के बाद गैस कंपनियां केवायसी को लेकर सख्ती कर सकती हैं। ऐसे में केवायसी नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर मिलने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, वहीं संदिग्ध अथवा अपूर्ण दस्तावेज वाले कनेक्शनों को बंद करने की प्रक्रिया भी शुरू होने की संभावना जताई जा रही है।बात अगर जिले की करे तो जिले में अकेले एचपी गैस कंपनी से जुड़े करीब 15 हजार उपभोक्ताओं की केवायसी अभी बाकी बताई जा रही है।वही अन्य कम्पनी के जु? उपभोक्ताओं के भी कुछ ऐसे ही हाल है।जहां बड़ी संख्या में केवायसी लंबित होने के कारण यदि कंपनी ने 15 अगस्त के बाद नियमों को सख्ती से लागू किया तो हजारों उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ सकती है।

लिखित आदेश नहीं, लेकिन लगातार मिल रहे संदेश और फोन

गैस एजेंसी से मिली जानकारी के अनुसार अभी तक कनेक्शन बंद करने को लेकर कोई स्पष्ट लिखित आदेश एजेंसी स्तर पर नहीं आया है, लेकिन कंपनी की ओर से लगातार व्हाट्सएप संदेश और टेलीफोन के माध्यम से केवायसी पूरी कराने के निर्देश दिए जा रहे हैं। इन्हीं निर्देशों के आधार पर एजेंसी संचालक 15 अगस्त की समय-सीमा को लेकर उपभोक्ताओं को लगातार सचेत कर रहे हैं।गैस एजेंसी प्रबंधन का कहना है कि कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं के गैस कनेक्शन का अनिवार्य परीक्षण और केवायसी कराने पर जोर दिया जा रहा है। खासतौर पर ऐसे कनेक्शनों की जांच की जा रही है, जिनके दस्तावेज अथवा उपभोक्ता संबंधी जानकारी कंपनी के रिकॉर्ड में संदिग्ध या अधूरी है।

15 अगस्त के बाद सिलेंडर मिलने में हो सकती है दिक्कत

स्थानीय गैस एजेंसी के मैनेजर के अनुसार उपभोक्ताओं को 15 अगस्त तक अपनी ई-केवायसी पूरी करा लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि यदि किसी उपभोक्ता ने केवायसी नहीं कराई और कंपनी द्वारा उसके कनेक्शन को संदिग्ध श्रेणी में रखा गया, तो 15 अगस्त के बाद उसे सिलेंडर की आपूर्ति रोकने जैसी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।ऐसे में उपभोक्ताओं को बाद में परेशानी से बचने के लिए समय रहते अपनी केवायसी पूरी कराने की सलाह दी जा रही है।

15 हजार उपभोक्ताओं पर नजर

जानकारी के अनुसार बालाघाट जिले में एचपी गैस कंपनी के विभिन्न वितरकों से जुड़े करीब 15 हजार कनेक्शन ऐसे हैं, जिनकी केवायसी लंबित है। यह आंकड़ा उपभोक्ताओं की बड़ी संख्या को दर्शाता है। यदि कंपनी द्वारा केवायसी के नियमों को सख्ती से लागू किया जाता है तो इन उपभोक्ताओं के लिए गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है।

उपभोक्ताओं की बढ़ेगी दौड़-भाग

गैस कनेक्शन बंद होने अथवा सिलेंडर की आपूर्ति रुकने की आशंका के चलते अब उन उपभोक्ताओं में चिंता बढ़ सकती है, जिन्होंने अभी तक ई-केवायसी नहीं कराई है। खासकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले उपभोक्ताओं को एजेंसी तक पहुंचकर प्रक्रिया पूरी कराने में अतिरिक्त समय और परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

क्या है ई-केवायसी का मकसद ?

गैस कनेक्शन की जानकारी और उपभोक्ता के दस्तावेजों का सत्यापन करना। इसके माध्यम से कंपनी यह सुनिश्चित करना चाहती है कि गैस कनेक्शन वास्तविक उपभोक्ता के नाम पर है और रिकॉर्ड में दर्ज जानकारी सही है।बताया गया कि जिले में हजारों कनेक्शनों की केवायसी लंबित है। कंपनी यदि 15 अगस्त के बाद सख्ती करती है तो इन उपभोक्ताओं को सिलेंडर की आपूर्ति में परेशानी हो सकती है।

फिलहाल लिखित आदेश नही आए है- अनुराग मिश्रा

एचपी गैस एजेंसी, बालाघाट मैनेजर अनुराग मिश्रा, ने बताया कि कंपनी की ओर से केवायसी और गैस कनेक्शन के अनिवार्य परीक्षण को लेकर लगातार निर्देश मिल रहे हैं।15 अगस्त तक उपभोक्ताओं को ई-केवायसी करा लेने के लिए कहा जा रहा है। अभी कनेक्शन बंद करने संबंधी कोई लिखित आदेश नहीं मिला है, लेकिन केवायसी नहीं कराने वाले और कंपनी की जांच में संदिग्ध पाए जाने वाले कनेक्शनों पर आगे सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इसलिए उपभोक्ता समय रहते अपनी केवायसी पूरी करा लेना चाहिए।

आस-पास की खबरें

रमपुरी, खुरपुड़ी एवं घटोलगांव में धूमधाम से मनाया गया विश्व स्तनपान सप्ताह

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। महिला एवं बाल विकास विभाग के सेक्टर जाम अंतर्गत ग्राम रमपुरी, खुरपुड़ी एवं घटोलगांव में गत 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम परियोजना अधिकारी श्रीमती रानू शिवहरे एवं पर्यवेक्षक श्रीमती नाजिया खान के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को स्तनपान के महत्व, शिशु जन्म के तुरंत बाद गाढ़ा-पीला दूध (कीस) पिलाने के लाभ, 6 माह तक केवल मां का दूध देने तथा साफ-सफाई व पोषण संबंधी विस्तृत समझाइश दी गई। साथ ही महिलाओं को शिशु स्वास्थ्य एवं नियमित स्तनपान की शपथ भी दिलवाई गई। वहीं कार्यक्रम के अंत में आंगनबाड़ी केंद्र के पात्र हितग्राहियों को टेक होम राशन (टीएचआर) का वितरण किया गया। इस अवसर पर पर्यवेक्षक श्रीमती नाजिया खान, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पार्वती सर्राटे, चित्ररेखा पटले, ऊषा मेश्राम, सृष्टि गौतम, सहायिकाएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहें।

जनपद में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में 11 अगस्त को दोपहर 2 बजे से स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2026) को सौहार्द एवं शालीनता पूर्वक मनाये जाने हेतु आवश्यक तैयारियों के संबंध में एक विशेष आहुत की गई है। चर्चा में प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि 11 अगस्त को दोपहर 2 बजे जनपद में स्वतंत्रता दिवस पर्व मनाने की रूपरेखा तैयार करने हेतु बैठक आयोजित की गई है। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों, विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिकों से पहुंचने की अपील प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने की है।

गोंडी मोहल्ला बघोली से कटंगटोला मार्ग पर नाली का कचरा डालने से सड़क कीचड़ में तब्दील

ग्रामीणों के विरोध के बाद पंचायत ने रेत-गिट्टी डालने और बारिश के बाद पक्की सड़क निर्माण का दिया आश्वासन, जल्द मरम्मत की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बघोली के गोंडी मोहल्ला से कटंगटोला (टेकाड़ी ला.) पहुंच मार्ग इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। यह मुख्य मार्ग पूरी तरह से कीचड़ और गड्डों में तब्दील हो चुका है, जिससे लोगों का पैदल चलना भी दूभर हो गया है। वहीं लंबे समय से इस मार्ग के पक्के निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन जिम्मेदारों द्वारा ध्यान न दिये जाने से स्थानीय निवासियों में भारी रोष व्याप्त है। हाल ही में पंचायत द्वारा पंचायत क्षेत्र के वार्डो की नालियों की साफ-सफाई करवाई गई थी। नाली से निकले कचरे और गंदगी को ट्रैक्टर के जरिये अन्यंत्र स्थान फेंकने के निर्देश दिये गये थे, लेकिन मजदूरों व ट्रैक्टर चालक ने इसे गोंडीटोला-कटंगटोला मार्ग के गड्डों में ही डाल दिया। इससे सड़क पर कीचड़ और अधिक बढ़ गया है, वहीं कचरे से उठती असहनीय बदबू से राहगीर एवं ग्रामीणजन खासा परेशान है। वहीं ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि पंचायत के द्वारा नाली से निकले कचरे, कांच के टुकड़े एवं गंदगी को सड़क में बने गड्डे में डलवाया गया है। जबकि पंचायत के जिम्मेदारों का कहना है कि उक्त कचरे को अन्य स्थान पर फेंकने ट्रैक्टर चालक एवं मजदूरों से कहा गया था। लेकिन ट्रैक्टर अनियंत्रित होने से मार्ग में बने गड्डों में गिर गया जिससे उक्त स्थिति निर्मित हुई है।

स्कूली बच्चों और ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

इस मार्ग से रोजाना गोंडी मोहल्ला और कटंगटोला के सैकड़ों ग्रामीण तथा आदिवासी परिवार आवागमन करते हैं। सड़क की दुर्दशा के कारण सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है। कीचड़ और गंदगी से भरे गड्डों के कारण आये दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। वहीं सड़क की बदहाली और नाली का कचरा गड्डे में डाले जाने पर ग्रामीणों ने जब विरोध शुरू किया, तो जानकारी मिलते ही ग्राम पंचायत के सरपंच मौके पर पहुंचे। सरपंच ने ग्रामीणों को समझाते हुए बताया कि नाली के कचरे को कहीं और फेंकने के निर्देश दिये गये थे, लेकिन ट्रैक्टर अनियंत्रित होने के कारण कचरा वहां गिर गया होगा, जिसे जल्द हटवा दिया जायेगा। वहीं सरपंच ने तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था के तहत सड़क के गड्डों में रेत, गिट्टी और ईंट का चूरा डलवाने का वादा किया। साथ ही आश्वस्त किया है कि बरसात का मौसम समाप्त होते ही शासन से स्वीकृति मिलते ही पक्की सड़क का निर्माण करवाया जायेगा। सरपंच के इस आश्वासन के बाद ग्रामीणों का आक्रोश शांत हुआ। वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गोंडी मोहल्ला बघोली से कटंगटोला पहुंच मार्ग का जल्द से जल्द मरम्मत करवाकर पक्की सड़क का निर्माण करवाये, ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सकें।

ग्रामीण पतिराम कल्यारी ने बताया कि बारिश नही होने से सड़क सूख गई थी और कम से कम चलने लायक स्थिति में थी। लेकिन अचानक सड़क पर ईट, पत्थर, नाली के कचरे यानि नाली सफाई का पूरा कचरा लाकर सड़क के बीचों-बीच डाल दिया गया है जिसके चलते आने-जाने में परेशानी हो रही है। पंच देवराम कुडवेती ने बताया कि गोंडी मोहल्ला बघोली से ग्राम कटंगटोला पहुंच मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है और बारिश होने पर गड्डे एवं कीचड़ में तब्दील हो जाने से आवागमन में पहले से ही परेशानी हो रही है। इसी बीच में पंचायत द्वारा सड़क पर नाली का कचरा डाल दिया गया है जिसकी बदबू एवं कीचड़ होने से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जब हमने इस विषय पर ग्राम पंचायत सरपंच से बात की, तो उन्होंने बताया कि इसकी जानकारी नही है। हमारी मांग है कि सड़क का जल्द मरम्मत कार्य एवं बरसात के बाद पक्की सड़क का निर्माण करवाये प्रशासन।

जल्द मरम्मत कार्य करवाया जायेगा - अरशद

दूरभाष पर चर्चा में बघोली सरपंच अरशद पापा पटेल ने बताया कि नाली सफाई के बाद जो कचरे निकले थे उसे कही अन्य जगह में फेंकने ट्रैक्टर चालक एवं मजदूरों से कहा गया था। लेकिन सड़क में बने गड्डों के कारण ट्रैक्टर अनियंत्रित होने से वह कचरा गिर गया, जिससे ग्रामीणजन नाराज थे। जिसकी जानकारी लगने पर तत्काल ग्रामीणजनों को वास्तविक स्थिति से अवगत करवा दिया गया है। श्री पटेल ने बताया कि वैकल्पिक व्यवस्था के तहत सड़क में रेत, गिट्टी, ईट के चुरे डलवाकर मरम्मत कार्य करवाया जायेगा एवं बरसात के बाद शासन से सड़क की स्वीकृति मिलने के बाद पक्की सड़क का निर्माण किया जायेगा।

महाविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में 10 अगस्त को हर घर

तिरंगा अभियान का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन, अर्चन व दीप प्रज्वलित के साथ किया गया। हर घर तिरंगा अभियान का क्रियान्वयन 9 अगस्त से 17 अगस्त तक किया जाना है। शासकीय महाविद्यालय में प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे के निर्देशन में पोस्टर एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय परिसर में शिक्षक एवं विद्यार्थियों को तिरंगे के साथ सेल्फी लेने के लिए एक सेल्फी प्वाइंट का निर्माण किया गया है। इस अभियान में जन सामान्य को विगत वर्षों की तरह उत्साह और देशभक्ति के साथ स्वाधीनता दिवस मनाने के लिए प्रेरित किया गया है। इस अभियान के अन्तर्गत महाविद्यालय में देशभक्ति से ओतप्रोत शासकीय कार्यक्रम एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। इस कार्यक्रम को सफ ल बनाने में सुमन बरवा, डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. देवराज चौरे, नरेश सौलखे, श्रीमती संध्या भलावे, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, मनीष शिवहरे, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. आशा कारे, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमति वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

कोसमी में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रटेगांव के ग्राम कोसमी में सर्व आदिवासी समाज द्वारा विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त को धूमधाम से मनाया गया। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर भव्य रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता की अनूठी पहल देखने को मिली। कार्यक्रम की शुरूआत बिरसा मुंडा प्रतिमा स्थल से हुई। जहां सर्वप्रथम सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों के द्वारा शहीद बिरसा मुंडा की प्रतिमा के समक्ष विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। जिसके बाद एक विशाल रैली निकाली गई। इस रैली ग्राम कोसमी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए और पारंपरिक वेशभूषा, रंग-बिरंगी पोशाकों, आदिवासी वाद्ययंत्रों और ध्वजों के साथ निकली रैली ने पूरे क्षेत्र को उत्सवमय बना दिया। रैली ग्राम का भ्रमण करने के बाद कार्यक्रम स्थल पहुंची, जिसके बाद मंचीय एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस मंचीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थित पदाधिकारियों ने विश्व आदिवासी दिवस मनाने के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए सभी को संगठित होकर अपने हक की लड़ाई लड़ने एवं समाजोत्थान के क्षेत्र में काम करने की बात कही। गौरतलब है कि प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाने वाला विश्व आदिवासी दिवस दुनिया भर के आदिवासी समुदायों के अधिकारों, संस्कृति, भाषा, परंपराओं और प्रकृति संरक्षण में उनके योगदान को सम्मानित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। यह दिवस आदिवासी समाज के लिए केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि अपनी अस्मिता, पहचान, गौरव और एकजुटता को मजबूत करने का प्रतीक है। जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए पीढ़ियों से संघर्ष करने वाले आदिवासी समाज के वीर महापुरूषों के योगदान को याद करने और उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का भी यह महत्वपूर्ण अवसर माना जाता है। कोसमी में आयोजित यह कार्यक्रम इसी गौरवशाली विरासत, संस्कृति और सामाजिक एकजुटता को समर्पित रहा है। इस अवसर पर सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारी, स्वजातीय बंधु एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कावड़ियों ने वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट से जल लाकर भोलेनाथ का किया अभिषेक

मानुपर से निकली डीजे की धुन पर भव्य कांवड़ यात्रा, मंदिर में हुए विविध धार्मिक कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। सावन मास के पावन अवसर पर नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में भगवान भोलेनाथ की भक्ति का माहौल बना हुआ है। इस सावन मास पर श्रध्दालुजनों द्वारा कावड़ यात्राएं निकालकर वैनगंगा नदी के पावन तट स्थित पोटियापाट घाट से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया जा रहा है। इसी कड़ी में सावन मास के दूसरे सोमवार 10 अगस्त को नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर में माँ सतबहनी मंदिर समिति के तत्वाधान में एक विशाल कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। इस भव्य यात्रा में बच्चे, युवतियां, महिलाएं एवं युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। कावड़िया डीजे की भक्तिमय धुन और 'हर-हर महादेव' के नारों के जयकारों के साथ वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट पहुंचे, जहां से जल भरकर लाये और भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विधिवत पूजन-अर्चन किया। पूजा के उपरांत महाआरती की गई और श्रध्दालुओं को महाप्रसादी का वितरण किया गया।

झमाझम बारिश में भी नहीं डगमगाया श्रध्दालुओं का उत्साह

सावन मास के दूसरे सोमवार को सुबह से ही मौसम साफ था, जिससे लग रहा था कि 10 अगस्त को क्षेत्र में बारिश नहीं होगी। हालांकि दोपहर के बाद अचानक झमाझम बारिश शुरू हो गई। इस मूसलाधार बारिश के बावजूद श्रध्दालुओं की आस्था और उत्साह में कोई कमी नहीं आई। कावड़िया बारिश में भीगते हुए निरंतर पैदल चलते रहे और इंद्रदेव से क्षेत्र में इसी तरह वर्षा की प्रार्थना की है। मां सतबहनी मंदिर समिति मानपुर के पदाधिकारियों ने बताया कि सावन मास के पावन अवसर पर 10 अगस्त को डीजे की धुन पर कावड़ यात्रा निकाली गई और हर-हर महादेव के नारे लगाते हुए कावड़िये वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट पहुंचे। जहां से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन करने के बाद आरती के पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। साथ ही भगवान भोलेनाथ से यही प्रार्थना की गई है कि वे संपूर्ण क्षेत्र में सुख, शांति और समृध्दि बनाये रखे। इस अवसर पर मॉ सतबहनी मंदिर कावड़ यात्रा समिति मानपुर के पदाधिकारी व श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में विद्यार्थियों ने दिया धरना

मुख्य गेट बंद कर की नारेबाजी, ज्ञापन सौंप निराकरण करने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में मूलभूत सुविधाओं की कमी और लचर व्यवस्थाओं के विरोध में १० अगस्त को विद्यार्थियों ने मुख्य गेट बंद कर जोरदार धरना प्रदर्शन किया। करीब एक घंटे तक चले इस विरोध प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई। यह क्षेत्र का इकलौता बड़ा शासकीय महाविद्यालय होने के कारण यहाँ आसपास के ग्रामीण इलाकों और विकासखंडों से सैकड़ों विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। हालाँकि लंबे समय से कॉलेज परिसर में जरूरी सुविधाओं का अकाल बना हुआ है। छात्रों ने बताया कि इससे पूर्व २९ जून २०२६ को भी इन्हीं समस्याओं को लेकर आंदोलन किया गया था । लेकिन प्रशासन के द्वारा कोई ठोस कार्यवाही नही किए जाने के कारण असंतोष बढ़ता गया और छात्रों को पुन: मजबूर होना पड़ा। जहाँ विद्यार्थियों के द्वारा टूटे हुए नलों की तत्काल मरम्मत और परिसर में शुद्ध पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करने, सभी कक्षाओं में पंखों की व्यवस्था तथा कक्षाओं का समय पर नियमित संचालन करने, शौचालयों की नियमित और उचित सफाई के साथ साथ परिसर में सुरक्षा हेतु सीसीटीवी कैमरे लगाने, शासन स्तर से विद्यार्थियों की बकाया स्कॉलरशिप शीघ्र दिलाना और न्यू एडमिशन की रिक्त सीटों की पूर्ति के लिए आवश्यक कदम उठाने मांग की गयी। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन का अमला मौके पर मुस्तैद रहा। लगभग एक घंटे चले प्रदर्शन के बाद महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यशील गेड़ाम मौके पर पहुँचे। छात्रों ने प्राचार्य को अपनी समस्याओं से विस्तार से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि इस बार भी इन समस्याओं का त्वरित निराकरण नहीं किया गया तो भविष्य में छात्रों के द्वारा उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी महाविद्यालय प्रशासन की होगी।

महाविद्यालय में बहुत ज्यादा असुविधा है हर विद्यार्थी परेशान है-आशु नकासे

छात्र आशु नकासे ने बताया कि महाविद्यालय में बहुत ज्यादा असुविधा है विद्यार्थी हर कोई परेशान है। हमारा यह जो धरना प्रदर्शन है वह प्रोफेसर या स्टाफ नही प्रबंधन के खिलाफ है। सभी विद्यार्थियों को असुविधा बहुत समय से हो रही है एक महीने पहले भी हमने इस विषय पर ज्ञापन दिया था पर किसी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं बनाई गई है। हमें उस समय जबकि आश्वासन दिया गया था कुछ नहीं होने पर हमें धरना देना पड़ा। इसमें हमने गेट बंद कर महाविद्यालय प्रशासन से अपने आप अधिकार की मांग की है कि यह जो विद्यार्थियों को असुविधा हो रही है उसका निराकरण जल्द हो दूर दराज ग्रामीण क्षेत्र से और विद्यार्थियों शिक्षा अध्ययन करने आ रहा है।

समस्या का समाधान नही होने पर कलेक्टर को ज्ञापन देंगे या महाविद्यालय में फिर उग्र आंदोलन करेंगे- अभिनय डोंगरे

छात्र अभिनय डोंगरे ने बताया कि कॉलेज में बहुत सारी असुविधा है शौचालय में गंदगी भरी पड़ी है। कक्षाओं में पंखे नहीं लगे हुए हैं समय पर कोई भी कक्षा संचालित नहीं हो रही है, सीसीटीवी भी नहीं लगे हुए हैं हर विषय के शिक्षक भी महाविद्यालय में उपलब्ध नहीं है लाइब्रेरी की व्यवस्था ठीक नहीं है। कॉलेज खुलने का समय ११ बजे है शिक्षक १२ बजे आ रहे हैं विद्यार्थी १० बजे से आ रहे हैं। छात्रों को स्कॉलरशिप भी लंबे समय से नहीं मिली है निर्धन छात्र स्कॉलर नही मिलने से प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं। कई प्रकार की दिक्कत महाविद्यालय में है इसलिए हमने धरना दिया था अभी ज्ञापन दिया है सुधार नहीं होता है तो कलेक्टर को ज्ञापन देंगे या महाविद्यालय में फिर उग्र आंदोलन करेंगे। इसके अलावा जो प्रवेश में सीट बची हुई है उसमें भी दूसरे विद्यार्थियों को मौका दे।

गौवंश वध मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल, एक आरोपी फरार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। तिरोड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुड़रूघाट में गौवंश वध का एक बेहद संवेदनशील मामला सामने आया था। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मामले में लिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से न्यायालय ने

तीनों को जेल भेज दिया है। वहीं मामले का चौथा आरोपी फिलहाल फरार बताया जा रहा है जिसकी तलाश जारी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार घटना की शुरुआत ९ अगस्त की सुबह हुई। ग्राम गुड़रूघाट के वार्ड नंबर १ निवासी दिलीप पिता भाऊलाल बिसेन उम्र ३८ वर्ष को गांव के धर्मेंद्र उपवंशी ने फोन पर सूचना दी कि गांव के शिव मंदिर शमशानघाट के पास नाली में एक गाय का कटा हुआ सिर और बोरी में भरा मांस दिख रहा है। सूचना मिलते ही दिलीप बिसेन ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे, जहां शिव मंदिर के पास नाली में गाय का कटा हुआ सिर और बोरी के भीतर मांस के टुकड़े बरामद हुए। पूछताछ और ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार सुबह करीब ७ बजे गांव के विशाल उके को आरोपी धनेन्द्र मराठे और राजू राहंगडाले ने गाय काटने और उसका मांस घर पर रखने की बात कही थी। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस थाना तिरोड़ी को सूचित किया गया। तिरोड़ी पुलिस ने अंकित ठाकरे, दीपक देशमुख, विशाल उके व अन्य के साथ आरोपी धनेन्द्र पिता थानसिंह मराठे उम्र ३५ वर्ष निवासी गुड़रूघाट के घर पहुंची। तलाशी लेने पर घर के किचन रूम में जमीन पर चटाई के ऊपर कटा हुआ ताजा मांस, गाय के खुर वाले दो पैर, चमड़ी और धड़ के टुकड़े बरामद हुए। जांच और पूछताछ में यह बात सामने आई कि चारों आरोपियों ने मिलकर गोवंश का वध किया तथा साक्ष्य मिटाने और सनसनी फैलाने के उद्देश्य से सिर और मांस के कुछ हिस्सों को बोरी में भरकर शिव मंदिर के पास नाली में फेंक दिया था। तिरोड़ी पुलिस ने प्रार्थी दिलीप बिसेन की शिकायत पर अपराध क्रमांक ००/२०२६ दर्ज कर आरोपियों के खिलाफम.प्र. गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम २००४ की धारा ४,५,९ एवं भारतीय न्याय संहिता की धारा ३२५,३,५ के तहत मामला पंजीबद्ध कर धनेन्द्र पिता थानसिंह मराठे उम्र ३५ वर्ष निवासी गुड़रूघाट,राजू पिता हीरालाल राहंगडाले उम्र ३८ वर्ष निवासी टेकाड़ी, अभिषेक पिता धर्मेंद्र मेश्राम उम्र १९ वर्ष निवासी मिरगपुर को गिरफ्तार किया था वहीं रामनाथ मराठे निवासी मिरगपुर फरार हैं। पुलिस ने गिरफ्तार तीनों आरोपियों में राजू राहंगडाले, धनेन्द्र मराठे एवं अभिषेक मेश्राम को कटंगी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया हैं। पुलिस मामले में चौथे आरोपी रामनाथ मराठे की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

महाविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के तहत हुआ राष्ट्रगीत वंदे मातरम का गायन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के द्वारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के १५० वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों को हर घर तिरंगा अभियान २०२६ से जोड़ा गया है। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार ९ अगस्त से १७ अगस्त २०२६ तक चलने वाले इस अभियान के तहत शासकीय शंकरसाव पटेल महाविद्यालयए वारासिवनी में १० अगस्त को इंदिरा कक्ष में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का समूह गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस एस गेडाम, डॉ.सरिता कोल्हेकर, हेमंत गणवीर, डॉ.तृप्ति सोनवे, कृष्णा पराते, डॉ. रक्षा निकोसे सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उपस्थित प्राचार्य एवं प्राध्यापकों का पुष्पगुच्छ एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इसके पश्चात महाविद्यालय के छात्र छात्राओं एवं उपस्थितजनों के द्वारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। कार्यक्रम में डॉ.सरिता कोल्हेकर ने स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। वहीं रक्षा निकोसे ने वंदे मातरम् की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के संबंध में छात्र छात्राओं को संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एसएएसए गेडाम ने विद्यार्थियों को देशप्रेम एवं देशभक्ति की भावना से प्रेरित किया। उन्होंने राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने तथा राष्ट्रीय पर्व एवं अभियानों में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। कार्यक्रम के आयोजन में समिति सदस्य डॉ.मनोज गजभिये,विजय कुमार दांदरे ,नरेश दमाहे का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम प्रभारी कृष्णा पराते ने ९ अगस्त से १७ अगस्त २०२६ तक आयोजित होने वाले हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए छात्र छात्राओं को इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

तहसील कार्यालय में १५ अगस्त स्वतंत्रता दिवस को लेकर बैठक संपन्न

विभिन्न विषयों पर विचार कर लिया निर्णय बाटी कार्यो को जवाबदारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के तहसील कार्यालय स्थित सामुदायिक भवन में १५ अगस्त को राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस समारोह पूर्वक एवं हर्षोल्लास के साथ मनाने तथा हर घर तिरंगा अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु एक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक जनपद अध्यक्ष श्रीमती माया उइके, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्तिकेय जायसवाल, जनपद सीईओ तथा तहसीलदार वंदना कुशराम सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य नागरिको की गरिमामयी उपस्थिति में बैठक प्रारंभ हुई। बैठक के दौरान स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले विविध कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई तथा संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारियाँ सौंपी गई। वहीं स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सभी शासकीय भवनों एवं कार्यालयों में आकर्षक प्रकाश लाइटिंग व्यवस्था करने मुख्य समारोह के साथ साथ सभी शासकीय कार्यालयों में नियमानुसार ध्वजारोहण संपन्न करने निर्देशित किया गया। इसके साथ एनसीसी, रेडक्रॉस, स्काउट.गाइड तथा विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन छात्र छात्राओं के द्वारा परेड की प्रस्तुति दी जाएगी, जिसकी रिहर्सल तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा मुख्य समारोह में पीटीए नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इन कार्यक्रमों का संचालन किया जाएगा। मुख्य समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, मीसा बंदियों तथा प्रतिभावान नागरिकों का विशेष सम्मान किया जाएगा। हर घर तिरंगा अभियान को जन जन तक पहुँचाने के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिकों से अपील की गई कि वे आम जनता को इस राष्ट्रीय अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित करें। बैठक की कार्यवाही के दौरान नगर के गणमान्य नागरिकों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखे जिन पर एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने विचार कर आवश्यक सहमति व्यक्त की हैं की तहसील कार्यालय स्थित सामुदायिक भवन का नामकरण शहीद दशाराम फूलमारी के नाम पर करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही बीड़ी कारखाने के पास क्षतिग्रस्त हुए शहीद दशाराम फूलमारी के शिलालेख का पुनर्निर्माण कराने पर सहमति बनी। गांधी चौक में ध्वजारोहण आनंद ताम्रकार के द्वारा किया जाएगा। वहीं गोलबारी चौक में होने वाले ध्वजारोहण को भी शासकीय कार्यक्रम की सूची में शामिल करने का निर्णय लिया गया। स्काउट गाइड के उन ८ बच्चों को जो राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए चयनित हुए हैं तथा विभिन्न विधाओं में पारंगत मेधावी विद्यार्थियों को विशेष रूप से पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही परेड एवं बैंड में शामिल होने वाले प्रत्येक छात्र को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में अधिक से अधिक स्कूलों को जोड़ने का निर्णय लिया गया ताकि विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़े। इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने की जिम्मेदारी ट्रैफिक पुलिस को सौंपी गई है। बैठक के अंत में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्तिकेय जायसवाल ने सभी संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियों को पूरी सक्रियता और निष्ठा के साथ समय पर पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। इस बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी.कर्मचारी एवं नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान केवल एक आयोजन नहीं बल्कि हमारी राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है-एसडीएम

एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने चर्चा में बताया कि १५ अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर वारासिवनी में राष्ट्रीय पर्व को गरिमामय और हर्षोल्लास के साथ मनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण की जा रही हैं। आज आयोजित बैठक में शासकीय कार्यालयों में ध्वजारोहण, प्रकाश व्यवस्था, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और परेड रिहर्सल को लेकर अधिकारियों को स्पष्ट दिशा.निर्देश दिए गए हैं। नगरवासियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए कुछ विषय पर सहमति बनी है। हर घर तिरंगा अभियान केवल एक आयोजन नहीं बल्कि हमारी राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। मै सभी आम जनता से अपील करता हूँ कि वे इस अभियान से जुड़कर अपने अपने घरों पर तिरंगा फहराएँ और इस राष्ट्रीय पर्व को ऐतिहासिक बनाएँ।

पांढरवानी में बाघ के हमले से मृत देवकराम के परिवार को तात्कालिक रूप से 50 हजार की सहायता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वन परिक्षेत्र खैरलांजी के परिक्षेत्र सहायक कटोरी अंतर्गत 10 अगस्त 2026 की सुबह गश्ती के दौरान चोरपिंडकेपार से पांढरवानी मार्ग के बीच एक व्यक्ति मृत अवस्था में मिला। वन्यप्राणी बाघ के हमले की सूचना मिलने पर वन अमला तत्काल मौके पर पहुंचा और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतक की पहचान देवकराम पिता श्यामलाल वाघमारे, उम्र 46 वर्ष, निवासी ग्राम पांडरवानी, तहसील खैरलांजी, जिला बालाघाट के रूप में हुई है।

घटनास्थल से कुछ दूरी पर तीन मवेशी भी मृत पाए गए। इनमें से एक मवेशी के गले के नीचे के हिस्से पर वन्यप्राणी द्वारा हमला किए जाने के निशान मिले। घटना की सूचना तत्काल मुख्य वन संरक्षक, वनवृत्त बालाघाट एवं वनमंडलाधिकारी, दक्षिण सामान्य वनमंडल बालाघाट को दी गई। घटना के संबंध में मौका स्थल पर 10 अगस्त 2026 को जनहानि प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। घटनास्थल पर वन अमले एवं पुलिस बल ने पहुंचकर एकत्रित ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की और स्थिति को नियंत्रित किया।

वन विभाग द्वारा मृतक के परिजनों को तात्कालिक सहायता राशि के रूप में 50 हजार रुपये प्रदान किए गए है। शासन के नियमों के अनुसार मृतक के परिवार को कुल 08 लाख रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। शेष 07 लाख 50 हजार रुपए की सहायता राशि का प्रकरण वन विभाग द्वारा तत्परता के साथ तैयार किया जा रहा है। मृतक देवकराम के शव को परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद वन विभाग द्वारा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार निगरानी बढ़ा दी गई है। वाहन में स्पीकर लगाकर ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी कराई जा रही है तथा ग्रामीणों को बाघ की मौजूदगी को लेकर सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की समझाइश दी जा रही है।

मवेशी गारा स्थल पर ट्रैप कैमरा लगाया गया है, जिसके माध्यम से हिंसक वन्यप्राणी बाघ की निरंतर निगरानी की जा रही है। वन अमला आसपास के क्षेत्रों में लगातार गश्त कर रहा है तथा बाघ के विचरण से संबंधित साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं।

तरक्की की इबारतों के तले दम तोड़ रहीं मानवीय रिश्तों की संवेदनाएं

हाल ही में सुर्खियों में रहे एक घटनाक्रम ने भारतीय समाज में पारिवारिक रिश्तों में आ रही गिरावट और नैतिक पतन की नंगी सच्चाई को उजागर कर दिया है। मां-बाप अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के भविष्य को संवारने में लगा देते हैं। उनकी हर खुशी, हर सपना और हर जरूरत को अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। लेकिन हरियाणा के सोनीपत से सामने आई एक घटना ने ऐसे ही रिश्तों पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां एक 74 वर्षीय बुजुर्ग पिता अपनी आखिरी सांस तक बेटियों का इंतजार करते रहे, मगर उनकी यह इच्छा पूरी नहीं हो सकी। इतना ही नहीं, उनकी अंतिम विदाई में तीन संपन्न शिक्षित प्रोफेशनल बेटियों में से कोई एक बेटी भी शामिल नहीं हुई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों को भीतर तक झकझोर रहा है। शिवचरण रामरतन गुप्ता मूल रूप से महाराष्ट्र के रहने वाले थे. सोनीपत के ककरोई गांव में उनके कुछ रिश्तेदार रहते थे, इसलिए वह वहां पहुंचे और फिर साल 2024 में अपना घर आश्रम में रहने की इच्छा जताई. उन्होंने बताया था कि कपड़ों के कारोबार में बड़ा नुकसान होने के बाद वह आर्थिक और पारिवारिक परेशानियों से जूझ रहे थे. इसके बाद आश्रम ने उन्हें रहने की अनुमति दे दी.कुछ समय बाद शिवचरण अपनी पत्नी मीना गुप्ता को भी आश्रम लेकर आए. मीना गुप्ता पारिवारिक कारणों से मानसिक तनाव में थीं और कपड़ों का कारोबार बंद होने के बाद उनकी परेशानी और बढ़ गई थी. दोनों पति-पत्नी आश्रम में साथ रहने लगे. 12 अक्टूबर 2024 को आश्रम में ही मीना गुप्ता का निधन हो गया. आश्रम प्रबंधन ने तीनों बेटियों को इसकी सूचना दी, लेकिन कोई भी अंतिम संस्कार में नहीं पहुंची. इसके बाद शिवचरण ने आश्रम के कर्मचारियों के साथ मिलकर पत्नी का अंतिम संस्कार किया और बाद में हरिद्वार जाकर उनकी अस्थियों का विसर्जन भी किया था। सारिका कालरा ने बताया कि शिवचरण अपनी तीनों बेटियों से बेहद प्यार करते थे. उनकी तीन बेटियां थीं. एक नेपाल में रहती थी, एक सूरत में और एक उत्तर प्रदेश में. दो बेटियां शिक्षिका थीं, जबकि एक एचडीएफसी बैंक में नौकरी करती थी. शिवचरण दिन में दो से तीन बार बेटियों से वीडियो कॉल पर बात करते थे. वह उनकी हर छोटी-बड़ी बात साझा करते थे और हमेशा चाहते थे कि परिवार फिर से एकजुट हो जाए. शिवचरण का सपना था कि वह एक बार फिर कपड़ों का कारोबार शुरू करें. वह अक्सर आश्रम में कहते थे कि अगर थोड़ा सहारा मिल जाए तो वह एक छोटी कपड़ों की दुकान खोलना चाहते हैं। 12 मार्च 2026 को शिवचरण आश्रम से यह कहकर गए कि उन्हें दिल्ली में किसी से पैसे लेने हैं, अपनी कुछ संपत्तियों का निपटारा करना है और उसके बाद वह वापस लौटकर सोनीपत में छोटी कपड़ों की दुकान शुरू करेंगे. बाद में आश्रम प्रबंधन को जानकारी मिली कि वह किसी दूसरे आश्रम में रहने लगे हैं. सारिका कालरा ने उनसे संपर्क करने की कोशिश भी की, लेकिन बात नहीं हो सकी.इस बीच शिवचरण की तबीयत बिगड़ गई. आश्रम प्रबंधन के अनुसार, उनकी बीमारी की जानकारी करीब 20 दिन पहले तीनों बेटियों को दी गई थी. चार दिन पहले भी उन्हें बताया गया कि उनके पिता बीमार हैं और उनसे मिलना चाहते हैं. इसके बावजूद कोई भी बेटी उनसे मिलने नहीं पहुंची।

डिजिटल युग में सुरक्षा बनाम स्वतंत्रता

मेटा विवाद, पोक्सो अधिनियम की धारा19 नियम और नियामकों का कड़ा रुख -बाल सुरक्षा, मानवाधिकार और वैश्विक डिजिटल जवाबदेही का नया अध्याय

वैश्विक स्तरपर डिजिटल क्रांति ने मानव सभ्यता को संचार, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक संपर्क के ऐसे अवसर दिए हैं, जिनकी कुछ दशक पहले कल्पना भी कठिन थी। आज अरबों लोग प्रतिदिन फेसबुक,इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर निर्भर हैं। व्यक्तिगत संवाद से लेकर सरकारी योजनाओं,व्यापारिक लेन-देन, शिक्षा, न्यायिक प्रक्रियाओं और वैश्विक कूटनीति तक डिजिटल माध्यमों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है। किंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जितनी तीव्र गति से डिजिटल सुविधाएँ बढ़ी हैं, उतनी ही तीव्र गति से साइबर अपराध, भ्रामक सूचनाएँ, डीपफेक, ऑनलाइन ठगी, डेटा गोपनीयता के संकट तथा बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) जैसी गंभीर चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। यही कारण है कि अब पूरी दुनियाँ में यह प्रश्न प्रमुखता से उठ रहा है कि क्या तकनीकी कंपनियाँ केवल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने तक सीमित रह सकती हैं अथवा उन्हें अपने प्लेटफॉर्म पर होने वाले अपराधों की नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी भी उठानी होगी।हाल के घटनाक्रमों ने इस बहस को और तीखा कर दिया है। शुक्रवार दिनांक 7 अगस्त 2026 को इस पूरे मुद्दे पर कानूनी और मानवाधिकारों के संरक्षण की दिशा में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एक ऐतिहासिक और बेहद कड़ा कदम उठाया है।आयोग ने इस विषय पर स्वत:संज्ञान लेते हुए को मेटा इंडिया और भारत के आठ प्रमुख राज्यों (दिल्ली, पंजाब, तेलंगाना, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और बिहार) के पुलिस महानिदेशकों को विस्तृत नोटिस जारी किया। एनएचआरसी ने जांच के लिए 50 विशिष्ट इंटरनेट लिंक कानून प्रवर्तन एजेंसियों और मेटा के साथ साझा किए हैं। आयोग का स्पष्ट मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बाल यौन शोषण सामग्री का लगातार बने रहना बच्चों की गरिमा, निजता और उनके मौलिक मानवाधिकारों का निरंतर उल्लंघन है। यह पूरी कार्रवाई मुख्य रूप से भारत के यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम यानी पोक्सो कानून, 2012 के कड़े नियमों के तहत की जा रही है। पोक्सो अधिनियम की धारा 19 के अंतर्गत, किसी भी व्यक्ति या मध्यवर्ती संस्था (जैसे मेटा) को यदि बच्चों के खिलाफ यौन अपराध या ऐसी सामग्री के प्रसार की जानकारी मिलती है, तो उसकी तुरंत रिपोर्ट करना अनिवार्य है। इस कानून के तहत बाल यौन शोषण सामग्री को देखना, संग्रहीत करना या उसका प्रसार करना एक गंभीर और गैर-जमानती आपराधिक कृत्य है एनएचआरसी ने अपने निर्देशों में स्पष्ट किया है कि संबंधित राज्यों की साइबर क्राइम इकाइयाँ और विशेष किशोर पुलिस इकाइयाँ इन लिंक्स की गहन जांच करें, दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करें और यदि मेटा की ओर से जानबूझकर अनदेखी या नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भी पोक्सो अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत आपराधिक मुकदमा चलाया जाए।यह दृष्टिकोण दर्शाता है कि भविष्य में डिजिटल कंपनियों की जवाबदेही केवल व्यावसायिक नहीं बल्कि सामाजिक और संवैधानिक भी होगी। साथियों वर्तमान समय की एक और महत्वपूर्ण वास्तविकता यह है कि मनुष्य डिजिटल व्यवस्थाओं पर अभूतपूर्व रूप से निर्भर हो चुका है। परिवार, व्यापार, बैंकिंग, चिकित्सा, शिक्षा और प्रशासनिक कार्य अब मोबाइल एप्लीकेशनों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से संचालित होने लगे हैं।ऐसे में यदि किसीतकनीकी कारण से किसी उपयोगकर्ता का अकाउंट अचानक अंडर रिव्यू में चला जाए या बिना पूर्व सूचना के अस्थायी रूप से बंद हो जाए, तो उसका सामान्य जीवन प्रभावित हो जाता है।हाल ही में व्हाट्सएप द्वारा अनेक खातों को लगभग 24 घंटे के लिए समीक्षा के दायरे में रखने की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्वचालित कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सुरक्षा प्रणालियाँ अपराधियों को रोकने के साथ-साथ कभी-कभी निर्दोष उपयोगकर्ताओं को भी प्रभावित कर सकती हैं। इससे यह प्रश्न और गंभीर हो जाता है कि डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करते समय नागरिकों के अधिकारों और तकनीकी त्रुटियों के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए।दूसरी ओर, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अश्लील सामग्री, फर्जी विज्ञापनों और बाल यौन शोषण सामग्री के प्रसार ने सरकारों और नियामक संस्थाओं को कठोर रुख अपनाने के लिए प्रेरित किया है। खोजी रिपोर्टों में ऐसे आरोप सामने आए कि कुछ सशुल्क विज्ञापन अप्रत्यक्ष रूप से अवैध सामग्री तक पहुँचने का माध्यम बन रहे थे। यदि किसी डिजिटल विज्ञापन प्रणाली का उपयोग अपराधी संगठित रूप से कर सकें,तो यह केवल प्लेटफॉर्म की तकनीकी कमजोरी नहीं बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा का प्रश्न बन जाता है। इसी कारण संभवत: इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा से तत्काल स्पष्टीकरण माँगा तथा ऐसे विज्ञापनों को हटाने के निर्देश दिए। यह संदेश स्पष्ट है कि डिजिटल विज्ञापन से होने वाला आर्थिक लाभ सामाजिक उत्तरदायित्व से ऊपर नहीं हो सकता। साथियों, इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण आयाम बाल अधिकारों की सुरक्षा है।भारत का पॉक्सो अधिनियम, 2012 बच्चों के विरुद्ध यौन अपराधों से संरक्षण हेतु विश्व के सबसे कठोर कानूनों में से एक माना जाता है। इसकी विभिन्न धाराएँ बाल यौन शोषण सामग्री के निर्माण, भंडारण, प्रसार अथवा व्यावसायिक उपयोग को गंभीर अपराध घोषित करती हैं। साथ ही यह भी अपेक्षा करती हैं कि यदि किसी डिजिटल मध्यस्थ को ऐसी सामग्री की जानकारी मिले तो वह तत्काल कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सूचित करे। इस प्रकार कानून केवल अपराधियों को दंडित करने तक सीमित नहीं है बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को सक्रिय सहयोगी बनने की जिम्मेदारी भी सौंपता है। यही कारण है कि यदि किसी कंपनी द्वारा लापरवाही सिद्ध होती है तो उसके विरुद्ध सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम तथा पॉक्सो कानून के अंतर्गत कठोर कार्रवाई संभव हो सकती है।राष्ट्रीयमानवाधिकार आयोग द्वारा आठ राज्यों के पुलिस प्रमुखों को नोटिस जारी करना केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं बल्कि एक समन्वित राष्ट्रीय रणनीति का संकेत है। आयोग ने संदिग्ध इंटरनेट लिंक संबंधित एजेंसियों को उपलब्ध कराकर विस्तृत जांच,साइबर फॉरेंसिक विश्लेषण, आईपी एड्रेस ट्रैकिंग तथा आवश्यक होने पर प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। विशेष किशोर पुलिस इकाइयों और साइबर अपराध शाखाओं की भूमिका इस मामले में अत्यंत महत्वपूर्ण होगी क्योंकि डिजिटल अपराध अक्सर अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के माध्यम से संचालित होते हैं। इसलिए केवल तकनीकी जांच ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग, डेटा साझा करने की व्यवस्था और डिजिटल साक्ष्यों का सटीकता से संरक्षण भी आवश्यक होगा। साथियों, इस पूरे विवाद ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के अंतर्गत मिलने वाले सेफ हार्बर संरक्षण पर भी नई बहस प्रारंभ कर दी है।अब यह विचार तेजी से उभर रहा है कि यदि कोई सोशल मीडिया कंपनी अपने प्लेटफॉर्म पर अवैध सामग्री को रोकने में बार-बार विफल रहती है या नियामकीय निर्देशों का पालन नहीं करती, तो उसे कानूनी संरक्षण का लाभ स्वत: नहीं मिलना चाहिए। प्रस्तावित आईटी नियमों में भ्रामक सामग्री, डीपफेक और बाल यौन शोषण सामग्री को निश्चित समय-सीमा के भीतर हटाने की अनिवार्यता, विज्ञापनदाताओं का केवाईसी सत्यापन, अधिक पारदर्शी कंटेंट मॉडरेशन प्रणाली तथा एल्गोरिदमिक जवाबदेही जैसे प्रावधान शामिल किए जाने पर विचार हो रहा है। यदि ये सुधार प्रभावी रूप से लागू होते हैं तो भारत डिजिटल नियमन के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में सटीकता से महत्वपूर्ण कदम उठा सकता है। साथियों,अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यही प्रवृत्ति दिखाई देती है। यूरोपीय संघ का डिजिटल सर्विसेज एक्ट, अमेरिका में बिग टेक कंपनियों पर बढ़ती संसदीय निगरानी,ऑस्ट्रेलिया तथा ब्रिटेन के ऑनलाइन सुरक्षा कानून और संयुक्त राष्ट्र द्वारा बच्चों की डिजिटल सुरक्षा पर लगातार दिए जा रहे दिशा-निर्देश इस बात का प्रमाण हैं कि विश्व समुदाय अब सोशल मीडिया कंपनियों से अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और सक्रिय सुरक्षा उपायों की अपेक्षा कर रहा है। अब यह युग समाप्त होता दिखाई दे रहा है जब तकनीकी कंपनियाँ स्वयं को केवल मध्यस्थ बताकर प्रत्येक जिम्मेदारी से अलग कर लेती थीं। वैश्विक लोकतंत्रों में यह सिद्धांत मजबूत हो रहा है कि जहाँ तकनीकी शक्ति है, वहाँ सामाजिक उत्तरदायित्व भी सटीकता से अनिवार्य होना चाहिए। साथियों, हालाँकि, इस पूरे विमर्श में एक महत्वपूर्ण संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। यदि सुरक्षा के नाम पर अत्यधिक स्वचालित नियंत्रण लागू कर दिएजाएँ तो निर्दोष उपयोगकर्ताओं के खाते निलंबित होने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित होने तथा वैध सामग्री हटाए जाने जैसी समस्याएँ भी उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कंटेंट मॉडरेशन को पारदर्शी, उत्तरदायी तथा मानवीय समीक्षा से युक्त बनाना होगा। उपयोगकर्ताओं को स्पष्ट अपील व्यवस्था, त्वरित शिकायत निवारण और निर्णय प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है जितना कि अवैध सामग्री को रोकना। डिजिटल शासन का उद्देश्य केवल नियंत्रण नहीं बल्कि विश्वास स्थापित करना होना चाहिए।आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, न्यायपालिका नियामक संस्थाएँ तकनीकी कंपनियाँ, शिक्षण संस्थान, अभिभावक और सामान्य नागरिक सभी मिलकर डिजिटल नागरिकता की नई संस्कृति विकसित करें। बच्चों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन शिष्टाचार और डिजिटल जोखिमों के प्रति जागरूक बनाना, अभिभावकों को तकनीकी निगरानी के आधुनिक साधनों की जानकारी देना तथा समाज में जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देना उतना ही आवश्यक है जितना कि कठोर कानून बनाना।तकनीक तभी मानव कल्याण का माध्यम बन सकती है जब उसके साथ नैतिकता संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व भी समान रूप से जुड़े हों। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मेटा से संबंधित हालिया घटनाक्रम केवल एक कंपनी या एक प्लेटफॉर्म का विवाद नहीं है,बल्कि यह पूरे डिजिटल युग की दिशा निर्धारित करने वाला महत्वपूर्ण मोड़ है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

युवा शक्ति को प्रतिभा, सेवा और नेतृत्व का अवसर देकर ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव

-कांतिलाल मांडोत

युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति, सबसे मूल्यवान संपत्ति और भविष्य के निर्माता होते हैं। उनमें जोश, उत्साह, ऊर्जा, नवीन सोच और चुनौतियों का सामना करने का अद्भुत साहस होता है। यही कारण है कि इतिहास गवाह है कि जब-जब युवाओं ने सही दिशा में कदम बढ़ाए हैं, तब-तब समाज में परिवर्तन आया है, नई क्रांतियों का जन्म हुआ है और राष्ट्र ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। युवा केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे बड़ी आशा हैं। इसलिए समाज का यह नैतिक दायित्व है कि वह युवा शक्ति को उनकी प्रतिभा दिखाने, समाज सेवा करने और नेतृत्व करने के पर्याप्त अवसर प्रदान करे।

किसी भी समाज या देश की प्रगति युवाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना संभव नहीं है। यदि युवा वर्ग को केवल दर्शक बनाकर रखा जाएगा और निर्णय लेने की प्रक्रिया से दूर रखा जाएगा, तो समाज अपनी सबसे बड़ी शक्ति से वंचित रह जाएगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि अनुभवी और वरिष्ठ लोग युवाओं का हाथ पकड़कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दें। यदि उनसे कोई भूल हो जाए तो उन्हें अपमानित करने या हतोत्साहित करने के बजाय प्रेमपूर्वक समझाया जाए, उनका आत्मविश्वास बढ़ाया जाए और उन्हें दोबारा बेहतर करने की प्रेरणा दी जाए। आखिर अनुभव भी गलतियों से ही प्राप्त होता है।

आज समाज में नेतृत्व की होड़, पद की लालसा और व्यक्तिगत स्वार्थ ने सेवा की भावना को काफी हद तक पीछे छोड़ दिया है। जबकि वास्तविक नेतृत्व वही है जिसमें त्याग, समर्पण, सेवा और राष्ट्रहित सर्वोपरि हो। यदि युवाओं के भीतर इन मूल्यों का विकास किया जाए तो वे केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश का गौरव बन सकते हैं। उन्हें यह विश्वास दिलाना होगा कि सफलता केवल पद प्राप्त करने में नहीं, बल्कि समाज के लिए उपयोगी बनने में है।

वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में एक है युवाओं का नशे और दिखावटी जीवनशैली की ओर बढ़ता आकर्षण। शराब, तंबाकू, नशीले पदार्थ और अन्य व्यसनों ने अनेक युवाओं का भविष्य अंधकारमय बना दिया है। यह केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ियों को प्रभावित करता है। नशे की लत से आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं, स्वास्थ्य नष्ट होता है और समाज में अपराध भी बढ़ते हैं। इसलिए अभिभावकों, शिक्षकों, समाजसेवियों और धार्मिक संस्थाओं की यह जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को इन बुराइयों से दूर रखें और उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान करें।

आज फैशन और पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण ने भी अनेक युवाओं को अपनी संस्कृति, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारियों से दूर कर दिया है। आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों से कट जाना नहीं है। विज्ञान, तकनीक और आधुनिक शिक्षा को अपनाना आवश्यक है, लेकिन अपनी संस्कृति, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रीय स्वाभिमान को भूल जाना किसी भी समाज के लिए उचित नहीं हो सकता। युवाओं को यह समझाना होगा कि भारतीय संस्कृति में मानवता, सेवा, सहिष्णुता और नैतिकता का जो संदेश है, वही उन्हें सच्चे अर्थों में महान बनाता है। राष्ट्र संतों और महान विचारकों ने हमेशा युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी बताया है। उनका मानना था कि यदि युवाओं पर विश्वास किया जाए, उन्हें प्रेम दिया जाए और उनकी क्षमता को पहचानकर अवसर प्रदान किए जाएं, तो वे असंभव कार्यों को भी संभव बना सकते हैं। इसलिए धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक क्षेत्रों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की आवश्यकता है। यदि उन्हें निर्णय लेने और नेतृत्व करने के अवसर नहीं मिलेंगे, तो उनकी ऊर्जा भटक सकती है। तब उसकी जिम्मेदारी केवल युवाओं की नहीं, बल्कि पूरे समाज की होगी जिसने उन्हें सही मंच उपलब्ध नहीं कराया।

आज देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक युवा अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन और विरोध-प्रदर्शन करते दिखाई देते हैं। दिल्ली सहित कई शहरों में युवाओं के आंदोलन यह संकेत देते हैं कि वे अपनी बात रखना चाहते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव की अपेक्षा रखते हैं। यदि उनकी समस्याओं को समय रहते सुना जाए और संवाद के माध्यम से समाधान निकाला जाए, तो यही युवा राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत बन सकते हैं। दूसरी ओर यदि उनकी उपेक्षा की जाएगी, तो उनमें निराशा और असंतोष बढ़ सकता है। युवाओं के चरित्र निर्माण में परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता केवल शिक्षा दिलाकर अपने दायित्व से मुक्त नहीं हो सकते। उन्हें बच्चों को अच्छे संस्कार, अनुशासन, नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रप्रेम की भावना भी देनी होगी। जिस परिवार में संवाद, विश्वास और प्रेम का वातावरण होता है, वहां के युवा सामान्यत: सही दिशा में आगे बढ़ते हैं। विद्यालय, महाविद्यालय और समाज भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सहयोगी बन सकते हैं। आज का युवा डिजिटल युग का युवा है। उसके पास असीमित जानकारी और अवसर उपलब्ध हैं। यदि उसकी प्रतिभा को सही दिशा मिले तो वह विज्ञान, तकनीक, कृषि, उद्योग, खेल, साहित्य, कला, सामाजिक सेवा और उद्यमिता जैसे हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर सकता है। भारत विश्व का सबसे युवा देश माना जाता है और यह जनसांख्यिकीय शक्ति तभी राष्ट्रीय संपदा बनेगी जब युवाओं को रोजगार, कौशल, शिक्षा और नेतृत्व के पर्याप्त अवसर मिलेंगे। समाज को चाहिए कि वह युवाओं को केवल भविष्य का नागरिक न माने, बल्कि वर्तमान का सक्रिय सहभागी बनाए। उन्हें निर्णय लेने का अधिकार, समाज सेवा का अवसर और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच दिया जाए। उनके विचारों को सम्मान मिले, उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिले और उनके सपनों को उड़ान देने का वातावरण तैयार किया जाए। जब अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन और युवाओं की ऊर्जा एक साथ जुड़ेगी, तभी एक मजबूत, समृद्ध और संस्कारित भारत का निर्माण संभव होगा।

युवा देश की धड़कन हैं। उनका उत्साह, परिश्रम, प्रतिभा और संकल्प ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। यदि समाज उन्हें विश्वास, अवसर और सही मार्गदर्शन देगा तो वे विकास, नवाचार, सेवा और राष्ट्र निर्माण की नई गाथा लिखेंगे। इसलिए समय की सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि युवा शक्ति को सम्मान दिया जाए, उनकी प्रतिभा को पहचानकर अवसर प्रदान किए जाएं और उन्हें राष्ट्र निर्माण का अग्रदूत बनाया जाए। यही एक सशक्त समाज, समृद्ध राष्ट्र और उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है।

झारखंड का छात्र आंदोलन-सवाल सिर्फ परीक्षा का नहीं, व्यवस्था के भरोसे का है

दिल्ली के जंतर मंतर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद अब झारखंड की राजधानी रांची इन दिनों केवल प्रशासनिक गतिविधियों का केंद्र नहीं दूसरा जंतर मंतर बनी हुई है। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 25 जुलाई से चल रहा छात्र आंदोलन उस बेचैनी की आवाज बन गया है, जो वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं के मन में पल रही है। छात्रों का आरोप है कि झारखंड लोक सेवा आयोग यानी जेपीएससी और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग यानी जेएसएससी की प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धांधली, पेपर लीक और व्यापक अनियमितताओं ने उनकी मेहनत, समय और भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उनकी मांग है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआई से कराई जाए, संदिग्ध परीक्षाओं को रद्द किया जाए और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। यह आंदोलन महज कुछ परीक्षाओं को लेकर छात्रों का आक्रोश नहीं है। इसके भीतर उस व्यवस्था के प्रति अविश्वास दिखाई देता है, जिसमें एक सामान्य मध्यमवर्गीय या गरीब परिवार का युवा वर्षों तक किताबों के बीच अपना जीवन खपा देता है। वह सरकारी नौकरी को केवल रोजगार नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा, परिवार के भविष्य और अपनी मेहनत की सफलता का माध्यम मानता है। ऐसे में यदि उसे यह महसूस होने लगे कि परीक्षा में उसकी मेहनत से ज्यादा प्रभाव किसी लीक, सिफारिश, भ्रष्टाचार या प्रशासनिक लापरवाही का है, तो समस्या केवल एक परीक्षा की नहीं रहती; वह लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता का प्रश्न बन जाती है। छात्रों की प्रमुख मांगों में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच, प्रभावित परीक्षाओं—जिनमें 14वीं जेपीएससी और जेएसएससी-सीजीएल जैसी परीक्षाओं का उल्लेख किया जा रहा है—की निष्पक्ष समीक्षा तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें रद्द कर दोबारा आयोजित करना शामिल है। छात्र यह भी चाहते हैं कि परीक्षा संचालन प्रणाली को पारदर्शी बनाया जाए और जिन लोगों की भूमिका अनियमितताओं में सामने आती है, उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई हो। सवाल यह है कि सरकार इस आक्रोश को केवल आंदोलन मानकर देखेगी या इसे व्यवस्था में सुधार का अवसर बनाएगी? प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने वाला छात्र यदि एक उत्तर गलत लिख देता है तो उसका परिणाम बदल सकता है। लेकिन जब परीक्षा व्यवस्था में ही गंभीर त्रुटि हो जाए तो हजारों छात्रों के परिणाम बदल जाते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि छात्र की गलती के लिए कोई माफी नहीं होती, जबकि व्यवस्था की गलती का खामियाजा वर्षों तक छात्रों को भुगतना पड़ता है। एक छात्र परीक्षा के लिए वर्षों तैयारी करता है। महंगी कोचिंग लेने की क्षमता न हो तो वह पुस्तकालय, हॉस्टल, किराए के कमरे या घर के एक छोटे से हिस्से में बैठकर तैयारी करता है। कई छात्र उम्र की सीमा के कारण अंतिम अवसर पर परीक्षा देते हैं। ऐसे में परीक्षा के बाद यदि पेपर लीक, प्रश्नपत्र की गोपनीयता, उत्तर पुस्तिका, परिणाम या चयन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठते हैं तो उस छात्र की स्थिति को समझना आवश्यक है।उसके लिए यह सिर्फ एक परीक्षा नहीं है। उसके पीछे उसके माता-पिता की उम्मीदें, परिवार की आर्थिक परिस्थितियां और उसके जीवन के कई वर्ष जुड़े होते हैं। यही कारण है कि सरकार को छात्रों के आक्रोश को राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय प्रशासनिक और मानवीय दृष्टि से देखना चाहिए। छात्रों की सबसे प्रमुख मांग सीबीआई जांच की है। यहां सरकार के सामने दोहरी चुनौती है। पहली चुनौती यह तय करना कि क्या मौजूदा जांच व्यवस्था छात्रों का विश्वास हासिल करने में सक्षम है। दूसरी चुनौती यह है कि यदि सरकार को अपनी जांच पर पूरा भरोसा है तो उसे जांच की पारदर्शिता को लेकर छात्रों की आशंकाओं का समाधान कैसे करना है। बताया गया है कि झारखंड सीआईडी कथित अनियमितताओं की जांच कर रही है। जांच के दौरान जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांगते से पूछताछ की गई है और अब तक 19 लोगों की गिरफ्तारी की बात सामने आई है। यदि जांच में गिरफ्तारियां हुई हैं तो यह संकेत है कि मामला प्रशासन के लिए गंभीर है। लेकिन गिरफ्तारी अपने आप में अंतिम निष्कर्ष नहीं होती। असली सवाल यह है कि कथित अनियमितताओं का पूरा नेटवर्क क्या था? प्रश्नपत्र या परीक्षा प्रक्रिया से छेड़छाड़ किस स्तर पर हुई? किसे लाभ मिला? किसने आर्थिक या प्रशासनिक लाभ उठाया? और क्या इसमें कोई संगठित गिरोह शामिल था? सीबीआई जांच की मांग को केवल राजनीतिक दबाव या प्रशासन पर अविश्वास के रूप में खारिज कर देना भी उचित नहीं होगा। यदि छात्रों का एक बड़ा वर्ग किसी जांच एजेंसी पर भरोसा नहीं कर रहा है तो सरकार को उस अविश्वास के कारणों को समझना चाहिए।लोकतंत्र में जांच की निष्पक्षता जितनी महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण है उसका निष्पक्ष दिखाई देना। छात्रों की मांगों में संदिग्ध अथवा प्रभावित परीक्षाओं को रद्द करने की बात भी है। यह मांग भावनात्मक रूप से समझ में आती है, लेकिन इसके साथ एक कठिन प्रशासनिक प्रश्न जुड़ा है। यदि परीक्षा में व्यापक स्तर पर गड़बड़ी प्रमाणित होती है तो परीक्षा को रद्द करना आवश्यक हो सकता है। लेकिन यदि केवल कुछ केंद्रों या कुछ अभ्यर्थियों तक अनियमितता सीमित है तो क्या लाखों अभ्यर्थियों की पूरी परीक्षा रद्द कर दी जाए? यह फैसला केवल राजनीतिक दबाव में नहीं, ठोस जांच और प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए।क्योंकि परीक्षा रद्द होने का अर्थ केवल प्रश्नपत्र दोबारा छपना नहीं है। इसका अर्थ है हजारों छात्रों के कई महीने या कई वर्ष फिर से परीक्षा की तैयारी में लगना। उम्र सीमा के करीब पहुंच चुके अभ्यर्थियों के लिए यह फैसला और भी गंभीर हो सकता है।इसलिए सरकार को एक स्पष्ट, वैज्ञानिक और पारदर्शी मानक बनाना चाहिए—किस परिस्थिति में परीक्षा रद्द होगी, किस स्थिति में प्रभावित केंद्रों की परीक्षा दोबारा होगी और किस स्थिति में केवल दोषी अभ्यर्थियों या अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। नियम स्पष्ट होंगे तो विवाद कम होंगे। छात्रों से बातचीत के लिए झारखंड सरकार द्वारा चार सदस्यीय दल गठित किया जाना सकारात्मक कदम माना जा सकता है। इससे कम से कम संवाद का रास्ता खुला है। छात्रों ने भी बातचीत के लिए तैयार होने की बात कही है। यही वह अवसर है जहां सरकार को अपनी संवेदनशीलता और प्रशासनिक क्षमता दोनों दिखानी होंगी। छात्रों को बुलाकर उनकी बातें सुन लेना पर्याप्त नहीं है। उन्हें यह भी बताना होगा कि सरकार उनकी किन मांगों को मानने को तैयार है, किन पर जांच के बाद निर्णय लिया जाएगा और किन मांगों को किन कानूनी या प्रशासनिक कारणों से स्वीकार नहीं किया जा सकता।सबसे खतरनाक स्थिति वह होगी जिसमें बैठक हो, तस्वीरें खिंचें, बयान जारी हों और फिर सब कुछ पहले की तरह चलता रहे। छात्रों को आश्वासन नहीं, समयबद्ध रोडमैप चाहिए। झारखंड की घटना को केवल राज्य की स्थानीय समस्या मानना भूल होगी। देश के अनेक राज्यों में प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। कभी प्रश्नपत्र की गोपनीयता पर प्रश्न उठते हैं, कभी परिणामों पर, कभी परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था पर तो कभी भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर।इसका सबसे बड़ा नुकसान उस युवा को होता है जो सरकारी नौकरी के लिए अपना भविष्य दांव पर लगाता है।भारत युवा देश है। हर वर्ष लाखों युवा रोजगार बाजार में प्रवेश करते हैं। निजी क्षेत्र में अवसरों की अपनी सीमाएं हैं और सरकारी नौकरी अब भी बड़ी संख्या में परिवारों के लिए स्थिर करियर का आकर्षण रखती है। इसलिए सरकारी भर्ती परीक्षाओं की विश्वसनीयता राष्ट्रीय महत्व का विषय है। यदि प्रतियोगी परीक्षा की व्यवस्था पर भरोसा टूटता है तो युवा व्यवस्था से विमुख हो सकता है। और जिस देश की युवा शक्ति व्यवस्था से निराश होने लगे, उसके लिए यह केवल रोजगार का संकट नहीं, सामाजिक स्थिरता का भी प्रश्न बन सकता है। एक प्रश्नपत्र लीक होने का मतलब है हजारों ईमानदार छात्रों के अधिकारों की चोरी। इसका अर्थ है किसी दूसरे व्यक्ति को अनुचित लाभ देना। इसका अर्थ है मेहनत और योग्यता की जगह पैसा, संपर्क या आपराधिक नेटवर्क को बढ़ावा देना।अगर परीक्षा व्यवस्था में कोई व्यक्ति प्रश्नपत्र बेचता है तो वह केवल कानून नहीं तोड़ता, बल्कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करता है। इसलिए पेपर लीक के मामलों में कार्रवाई भी उसी गंभीरता से होनी चाहिए। केवल छोटे कर्मचारियों या बिचौलियों को पकड़कर जांच समाप्त नहीं होनी चाहिए। यदि किसी बड़े अधिकारी, परीक्षा संचालक, निजी संस्था या संगठित गिरोह की भूमिका सामने आती है तो उसकी तह तक जाना होगा। आज तकनीक के दौर में परीक्षा व्यवस्था को पहले की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित बनाया जा सकता है। प्रश्नपत्रों की डिजिटल एन्क्रिप्शन व्यवस्था, सुरक्षित प्रिंटिंग, ट्रैकिंग सिस्टम, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, सीसीटीवी, बायोमेट्रिक सत्यापन और डेटा ऑडिट जैसी व्यवस्थाएं पारदर्शिता बढ़ा सकती हैं। तकनीक के पीछे बैठे व्यक्ति की नीयत और संस्थागत जवाबदेही अधिक महत्वपूर्ण है। इसलिए हर परीक्षा के बाद एक स्वतंत्र ऑडिट व्यवस्था होनी चाहिए। परीक्षा से जुड़े अधिकारियों और निजी एजेंसियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। किसी भी शिकायत के लिए समयबद्ध शिकायत निवारण तंत्र होना चाहिए।सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि परीक्षा संस्था को राजनीतिक और प्रशासनिक दबाव से मुक्त पेशेवर वातावरण मिलना चाहिए।

-सौरभ वार्ष्णेय

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। सामान्य कारोबार के बीच सोमवार को अनाज मंडी में चना मामूली लटक पर रहा। उड़द व मूंग में सुस्ती बनी। खाद्य तेलों में बाजार ठंडे-ठंडे रहे। तिलहनों में सरसो बाजार सुस्त रहे। किराना जिंसों में नारियलों में पूछपरख रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में पूछपरख सामान्य है। बाजार 50 रू. प्रति क्विंटल से लटक गए। उड़द व मूंग में भी सुस्ती नज़र आयी। खाद्य तेलों में बाजार ठंडे-ठंडे रहे। तिलहनों में सरसो बाजार नरम रहे। उधर, किराना जिंसों में नारियल में सुर्खी कायम रही। भाव इस प्रकार रहे -

किराना- शक्कर 5000-5060, खोपरा गोला 385-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडि?यम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 925-950, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1050-1075, सिंगापुरी 975-1075, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1175, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300, (160) 3800, (200) 4400, (250) 5000,

तेल- सींगदाना 1710-1720, मुम्बई 1730, राजकोट तेलिया 2670, सोया साल्वेंट 1400-1410, सोया रिफाइंड 1495-1500, कपास्या 1610, धूलिया 1600-1610, कड़ी 1610,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1675-1685, मुम्बई पाम 1490, मुम्बई सोया 1495,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 7100-7300, सोयाबीन 6900, टोली (महुआ बीज) 5300-5400, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6550-6600, एवरेज 6200-6300, विशाल 6300-6400, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9300-9500, उड़द गर्मी 8600-9300, ग्रेविटी क्लीन 9700-10000, हल्की 5000-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार मजबूत नज़र आये। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 230500, चाँदी (99) 230400, टंच 229800, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 147500,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.31 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे टूटकर 95.25 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश और देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी से रुपये में अधिक गिरावट पर अंकुश लगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.18 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में फिसलकर 95.25 प्रति डॉलर पर आ गया। यह पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे की बढ़त के साथ 95.17 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 फीसदी बढ़कर 99.70 पर पहुंच गया।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबार दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से बाजार पर दबाव बना रहा। अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर संशय के कारण भी बाजार धारणा कमजोर हुई। इसी कारण आज दिनर भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 43.27 अंक बढ़कर 78,542.44 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 13.15 अंक ऊपर आकर 24,583.80 पर बंद हुआ। व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में गिरावट रही। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी पीएसयू बैंक में गिरावट आई और यह सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला सेक्टर बनकर उभरा जबकि निफ्टी फार्मा और निफ्टी एफएमसीजी का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। वहीं, निफ्टी रियल्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया। निफ्टी50 इंडेक्स में टाइटन, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, बजाज फाइनेंस, श्रीराम फाइनेंस, ग्रासिम और टाटा स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही जबकि एसबीआई, इटरनल, आईटीसी, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, टीसीएस, विप्रो और कोल इंडिया के शेयरों में गिरावट आई। आज के

कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। सबसे ज्यादा तेजी टाइटन, बाजाज फाइनेंस , बाजाज फिनसर्व , टाटा स्टील और एशियन पैंटस के शेयरों में रही। दूसरे और एसबआईएन , एनटीपीसी , आईटीसी और टेक महिंद्रा के शेयरों में गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार के दौरान हल्की तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सीमित बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 177.81 अंक बढ़कर 78,676 अंक के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी करीब 50 अंक की बढ़त के साथ 24,620 अंक के स्तर पर पहुंच गया। ।कमजोर मानसून बाजार के लिए एक चिंता का विषय बना हुआ है। आज एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिली। जापान का निक्केई 225 करीब 1.46 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.65 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहा था। एशियाई बाजारों को पिछले सप्ताह अमेरिकी शेयर बाजार में आई तेजी से भी सपोर्ट मिला। पिछले सप्ताह डाउ जोंस इंडस्ट्रीयल एवरेज में 0.28 फीसदी, एसएंडपी 500 में 0.62 फीसदी और नेस्डक कम्पोजिट में 1.30 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई थी।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना में पायलट पर साइकोएक्टिव पदार्थ के सेवन का संदेह

नई दिल्ली। एजेंसी। नागर विमानन मंत्रालय ने हाल ही में पुष्टि की कि फुकेत से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की एक उड़ान के मुख्य पायलट को साइकोएक्टिव पदार्थ के लिए शुरुआती जांच में संदिग्ध पाया गया है। यह घटना 4 अगस्त को हुई थी, जब हवा में विमान की ऊंचाई अचानक 300 फीट घट गई थी। मंत्रालय अब अंतिम परीक्षण रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। एयरबस ए320 उड़ान (संख्या एआई2379) फुकेत से दिल्ली आते समय हवा में लगभग 300 फीट नीचे आ गई थी। हालांकि, बाद में विमान को नियंत्रित कर दिल्ली में सुरक्षित उतार लिया गया। इस घटना के दौरान तीन नवजात शिशुओं सहित 137 यात्री और आठ चालक दल के सदस्य विमान में सवार थे, जिनमें से कुछ यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को चोटें आई थीं। मंत्रालय ने बताया कि मानक संचालन प्रक्रियाओं के तहत घटना के बाद उड़ान चालक दल के दोनों सदस्यों की अनिवार्य साइकोएक्टिव पदार्थ की जांच की गई। मुख्य पायलट का नमूना अंतिम पुष्टि के लिए एक तय प्रयोगशाला में भेजा गया है, जिसकी अंतिम रिपोर्ट का इंतजार है। इस बीच नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जांच पूरी होने तक दोनों पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया है। इस घटना को गंभीर श्रेणी में रखा गया है और इसकी जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) कर रहा है। जांच के निष्कर्षों और अंतिम रिपोर्ट के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोने के समीकरण बदले! युद्ध नहीं, अब महंगाई और ब्याज दरें तय करेंगी दिशा

नई दिल्ली। एजेंसी। सोने की कीमतों और भू-राजनीतिक संघर्षों के बीच चला आ रहा पारंपरिक संबंध अब बदल रहा है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार अब मुद्रास्फीति, ब्याज दरें और मौद्रिक नीति जैसे कारक सर्राफा कीमतों को प्रभावित करने में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि चालू वर्ष की पहली छमाही में यह स्पष्ट हो गया कि केवल भू-राजनीतिक जोखिम सोने में तेजी लाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। निवेशक अब संघर्षों का आकलन इस आधार पर कर रहे हैं कि उनका मुद्रास्फीति और ब्याज दरों पर क्या प्रभाव पड़ता है। एक जिंस शोध प्रमुख के अनुसार, युद्ध और सोने के बीच संबंध अब पहले की तुलना में अधिक परिस्थितियों पर निर्भर हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊंचे बॉन्ड प्रतिफल (यील्ड) सोने के लिए सबसे बड़ी बाधा बनकर उभरी, जिससे सुरक्षित निवेश के रूप में इसकी पारंपरिक मांग प्रभावित हुई। वर्ष की शुरुआत में नीतिगत अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों से सोने की कीमतों को मजबूती मिली थी। हालांकि बाद में शुल्क वृद्धि ने उत्पादन लागत और मुद्रास्फीति की अपेक्षाओं को बढ़ाया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि शुल्क अब आर्थिक वृद्धि के लिए ही नहीं, बल्कि मुद्रास्फीति के लिए भी एक कारक बन गए हैं। इसने लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बने रहने की आशंका मजबूत की, जिससे डॉलर और अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिभूतियों की वास्तविक प्रतिफल में तेजी आई और सोने की चमक फीकी पड़ी। अमेरिका-ईरान संघर्ष भी इसी बदलते रुख का उदाहरण है, जहां शुरुआती तेजी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि से महंगाई की चिंता बढ़ी और सोने की कीमतें सुधर गईं। आगे चलकर मुद्रास्फीति का रुख, फेडरल रिजर्व के संकेत, वैश्विक नकदी की उपलब्धता, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी, ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) और सट्टा निवेश सोने एवं चांदी की कीमतों के प्रमुख चालक बने रहेंगे।

मेष- आज आपका आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता हर किसी को प्रभावित करेगी। लोग आपकी सलाह को महत्व देंगे और कार्यक्षेत्र में आपकी बातों का असर साफ दिखाई देगा। विदेश यात्रा या विदेश से जुड़े किसी काम में सकारात्मक प्रगति के संकेत हैं, जो भविष्य में नए अवसरों का द्वार खोल सकती है। हालांकि अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी होगा, क्योंकि एक छोटी-सी बात भी बड़ा असर डाल सकती है।

वृषभ- आज का दिन नौकरीपेशा लोगों के लिए नई उपलब्धियां लेकर आ सकता है। आपको कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी या सम्मानजनक पद मिल सकता है, जिससे आपकी प्रतिष्ठा और बढ़ेगी। अपने आसपास के लोगों को अच्छी तरह पहचानें, क्योंकि हर मुस्कुराता चेहरा आपका हितैषी नहीं होता। संतान की सफलता या उनसे जुड़ी कोई सुखद खबर पूरे परिवार में खुशी का माहौल बना सकती है।

मिथुन- आज हर कदम सोच-समझकर बढ़ाने की जरूरत है। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में लाभदायक साबित हो सकती है, लेकिन स्वास्थ्य में थोड़ा उतार-चढ़ाव महसूस हो सकता है। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपको भ्रमित करने या आपके काम में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें। किसी के बहकावे में आकर जल्दबाजी में कोई फैसला न लें।

कर्क- आज मन को अनावश्यक चिंताओं से मुक्त रखने की कोशिश करें। आध्यात्मिक गतिविधियों या धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी, जिससे मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी। यात्रा के दौरान कोई ऐसी जानकारी मिल सकती है जो आने वाले समय में आपके लिए लाभदायक साबित होगी। सरकारी मामलों में सोच-समझकर बोलना और दस्तावेजों पर ध्यान देना जरूरी रहेगा।

सिंह- आज आपकी मेहनत ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। व्यापार में किए गए नए बदलाव लाभ देने लगेंगे और भविष्य के लिए मजबूत आधार तैयार करेंगे। विदेश यात्रा या विदेश से जुड़े किसी काम की योजना बन सकती है। प्रेम संबंधों में विश्वास और अपनापन बढ़ेगा, जिससे रिश्ते और मजबूत होंगे। कीमती सामान और जरूरी दस्तावेजों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

कन्या- आज करियर में आपकी मेहनत का शानदार परिणाम देखने को मिलेगा। काम का दबाव अधिक रहेगा, लेकिन आप अपनी सूझबूझ और मेहनत से हर जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभाएंगे। जिस कार्य की शुरुआत करेंगे, उसमें सफलता मिलने की संभावना प्रबल रहेगी। भाई-बहनों के निजी मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप करने से बचें। परिवार का कोई सदस्य नौकरी या पढ़ाई के सिलसिले में बाहर जा सकता है।

तुला- आज आर्थिक मामलों में अच्छी प्रगति देखने को मिलेगी। नए निवेश के अवसर सामने आएंगे और व्यापार में साझेदारी से लाभ मिलने के संकेत हैं। नया घर, जमीन या प्रॉपर्टी खरीदने की योजना आगे बढ़ सकती है। बाहर के खान-पान से बचना आपके स्वास्थ्य के लिए बेहतर रहेगा। घर के छोटे बच्चों की कोई इच्छा पूरी करके आपको खुशी मिलेगी।

वृश्चिक- आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपका सम्मान बढ़ेगा। करियर से जुड़े नए अवसर आपके सामने आएंगे, जिनका लाभ उठाकर आप आगे बढ़ सकते हैं। कोर्ट-कचहरी के मामलों में भागदौड़ जरूर रहेगी, लेकिन धीरे-धीरे परिस्थितियां आपके पक्ष में होती दिखाई देंगी। परिवार में किसी नए सदस्य के आने की खुशखबरी माहौल को आनंदमय बना सकती है। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को हर कदम सोच-समझकर उठाना चाहिए। पुराने मित्र से मुलाकात यादगार रहेगी। सरकारी कार्यों में थोड़ी देरी संभव है, इसलिए धैर्य बनाए रखें।

धनु- आज आप ऊर्जा, उत्साह और आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। यदि इस ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करेंगे तो बड़ी सफलता आपके कदम चूम सकती है। विरोधी भी आपकी समझदारी और व्यवहार के आगे कमजोर पड़ जाएंगे। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों की सलाह को गंभीरता से लें, क्योंकि वही आपके लिए लाभदायक साबित होगी। लंबे समय से अटका हुआ उधार वापस मिलने की संभावना है।

मकर- आज प्रॉपर्टी और जमीन से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलने के योग हैं। दिनभर भागदौड़ बनी रहेगी, लेकिन आपकी मेहनत व्यर्थ नहीं जाएगी। व्यापारिक साझेदारी में किसी भी निर्णय से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें। कार्यक्षेत्र में कोई अच्छी खबर आपका उत्साह बढ़ा सकती है। घर बनाने या घर से जुड़ी नई योजना पर काम शुरू हो सकता है। कोई पुरानी बात या रहस्य सामने आ सकता है, इसलिए अपनी निजी जानकारी किसी के साथ साझा करने से बचें।

कुंभ- आज का दिन नई शुरुआत और नई उपलब्धियों का संकेत दे रहा है। आप पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाएंगे और सफलता भी प्राप्त करेंगे। यदि पिता के साथ किसी बात को लेकर मतभेद चल रहा है, तो बातचीत के जरिए उसे समाप्त करने का प्रयास करें। आपकी मेहनत का फल जल्द ही मिलने लगेगा।

मीन- आज का दिन धैर्य, समझदारी और संतुलन की परीक्षा ले सकता है। कुछ कार्यों में देरी या रुकावट आ सकती है, लेकिन घबराने की बजाय शांत रहकर आगे बढ़ना ही सही रहेगा। मौसम में बदलाव का असर स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, इसलिए लापरवाही न करें। व्यापार में साझेदार की ओर से कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है।

शब्दजाल - 8347

श	रा	ज	क	व	ई	ह	ट	झ	क	चि
अं	च	र	ठि	रिं	लै	ता	दि	शा	को	क
ग	र	ह	ना	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	ना
झ	स	गा	ई	ल	क	आ	ह	ऊं	र	ह
ई	रा	र	ष	ह्म	मि	श	च	स	चा	ट
ह	ह	प	व	दा	ह	ना	त	उ	न	ई
म	ट	बु	अ	म	रा	ई	ह	त	ह	क
हं	जी	वा	उ	क	छ	सौ	न	रा	जू	ट
गा	थो	तें	ब	ह	ज	दा	ने	ई	र	द
ई	ल	प	का	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ई	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके अंत में 'ई' आता हो.शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अमराई, कठिनाई, सगाई, महंगाई, उतराई, आशनाई, उबकाई, ऊंचाई, अंगड़ाई, कटाई

शब्दजाल - 8346 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

11 अगस्त को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.05 बजे से
चंद्र	कर्क में	कन्या	08.17 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	10.27 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.42 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	14.58 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	17.03 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.50 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.22 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.53 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		वृष	23.33 बजे से
		मिथुन	01.31 बजे से
		कर्क	03.45 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 223 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 01.54 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पुनर्वसु 10.10 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 18.52 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 15.23 बजे तदनन्तर शकुनि 01.54 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 15° 19' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872798 **जूलियन दिन** 2461263.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 27 **विशेष** मासिक शिवरात्रि, मंगला गौरी व्रत, खुदीराम बोस शहीद दिवस।

दिन का चौघड़िया

रोग	05.53 से	07.22 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक

रात का चौघड़िया

काल	05.42 से	07.13 बजे तक
लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7291

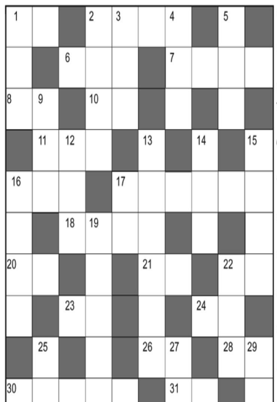

बायें से दायें:-

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान. रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०.'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की ' ना ये जमीं थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, टिवंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरू, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7290

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सबसे बड़ी सेवा

संस्कृत के प्रकांड विद्वान कैयरजी नगर से दूर एक झोपड़ी में रहते थे। उन्हें अपने अध्ययन और लेखन से इतना भी अवकाश नहीं मिलता था कि घर-बाहर के कामों में पत्नी का हाथ बंटा सकें। पत्नी बेचारी जंगल से मूंज काटकर लाती, उसकी रस्सियां बनाकर बेचती और उससे जो कुछ मिलता, उससे घर चलाती। पति की सेवा, उनके और अपने भोजन की व्यवस्था तथा घर के अन्य सारे काम उसे करने होते थे, लेकिन यह सब करके वह परम संतुष्ट थी। वहां के राजा को काशी से आए कुछ विद्वानों ने कहा, 'आपके राज्य में एक महान विद्वान इतना कष्ट पाता है। महाराज आप कुछ तो ध्यान दें।' राजा स्वयं कैयरजी की कुटिया पर आए और उन्होंने हाथ जोड़कर प्रार्थना की, 'भगवन्, आप विद्वान हैं। जिस राज्य के विद्वान कष्ट पाते हैं उसका राजा पाप का भागी होता है। इसलिए आप मुझ पर कृपा करें।' यह सुनते ही कैयरजी ने अपनी कुछ पांडुलिपियां उठाईं, चटाई समेटकर बगल में दबाई और पत्नी से बोले, 'हमलोगों के यहां रहने से महाराज को पाप लगता है। चलो कहीं और चलते हैं।' राजा ने उनके पैरों पर गिरकर क्षमा मांगी और बोले, 'मैं तो केवल यह चाहता था कि मुझे कुछ सेवा करने की आज्ञा प्राप्त हो।' कैयरजी ने कहा, 'आप केवल इतना भर करें कि फिर यहां न आएं और मुझे धन, संपत्ति आदि किसी चीज का प्रलोभन न दें। मेरे अध्ययन में विघ्न न पड़े, यही मेरी सबसे बड़ी सेवा है।' राजा समझ गए कि सच्चे विद्वान के लिए उसका कार्य ही सबसे महत्वपूर्ण है। उसे भौतिक सुखों की कोई चाह नहीं होती।

सूडोकु नवताल- 7600

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7599 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 8815

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोग्य,नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ,जिव्हा-3
11. पाश,फंदा,-2
13. नामकरण करना-2,3
15. मेरा(सं.-2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष,रूम-3
20. भरोसा,विश्वास-4
22. सचेत,होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी,धब्बेवाला-4
2. गीलापन,तर होना-2
3. दुनिया,जगत-3
4. अदा,हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना,गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक,विनाशकारी-3
17. खारा,क्षारीय-4
18. वन,जंगल-3
21. लाश,मुर्दा,मृतक-4

शब्द पहेली -8814 का हल

क	दा	चा	र	■	स	त	ल	ज
ल	■	य	ती	म	खा	ना	■	हा
प	र	■	■	दा	■	■	चा	ल
ना	च	■	क	री	ब	■	ल	त
■	ना	ब	ना	■	ला	ल	च	■
आ	का	■	त	ह	त	■	ल	क
रा	र	■	■	सी	■	■	न	या
ध	■	न	बी	न	त	म	■	म
ना	म	व	र	■	क	रा	मा	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

बोल बम के जयकारों से गूंजा लांजी नगर

डीजे की धून पर नाचते दूर दूर से आए कांवड़ियों ने किया भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक

पद्मेश न्यूज। लांजी। श्रावण मास के दूसरे सोमवार को प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कोटेश्वर धाम में आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह से ही भगवान कोटेश्वर महादेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। पूरा धाम परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंजता रहा।

चल रे कांवड़िये कोटेश्वर धाम

बोल बम सेवा समिति लांजी के तत्वावधान में निकाली जा रही कांवड़ यात्रा के तहत सोमवार को करीब 200 कांवड़िए 42 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर कोटेश्वर धाम पहुंचे। कांवड़ियों ने चेहेली सीतापाला छोटी बाघ नदी के उद्गम से पवित्र जल लेकर पैदल यात्रा की और जंगल के कटी ले मार्ग से होकर. पथरीले रास्ते पार करते हुए विभिन्न पडाव ग्रामों को पार करते हुए शाम करीब 06 बजे कोटेश्वर धाम पहुंचकर भगवान कोटेश्वर महादेव का मंत्रोच्चारण के साथ जलाभिषेक किया। कांवड़ियों के धाम पहुंचने पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह नजर आया। कांवड़ यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में शिवभक्ति का माहौल बना रहा। कांवड़िए बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। धाम पहुंचने के बाद कांवड़ियों ने विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और पवित्र जल अर्पित कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कांवड़ यात्रा मार्ग पर बोल बम सेवा समिति लांजी के सदस्यों ने कांवड़ यात्रियों के लिए जलपान एवं फलाहार की व्यवस्था की गई। वही मार्ग पर विभिन धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों धर्म प्रेमी गणों के द्वारा भी कांवडियों के लिए विशेष व्यवस्था की गई। श्रावण सोमवार के अवसर पर भक्तों सामाजिक एवं धार्मिक संस्था द्वारा कोटेश्वर धाम परिसर में महाप्रसाद का आयोजन किया गया। संस्था के सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं ने श्रद्धालुओं और कांवड़ियों को श्रद्धापूर्वक महाप्रसाद वितरित किया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। महाप्रसाद वितरण के दौरान संस्था के कार्यकर्ताओं ने श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा। धार्मिक आयोजन के साथ सेवा कार्य का यह भाव श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। बता दे कि प्रति वर्ष गोंदिया से आय मित्र मंडल रुप के द्वारा श्रावण के दूसरे सोमवार को धाम परिसर मे महाप्रसाद का भव्य आयोजन किया. भगवान भोलेनाथ को भोग लगा कर श्रद्धालुओं के लिए भंडारा प्रारंभ किया गया।

जनपद पंचायत लांजी के सामने महाप्रसाद का आयोजन.

श्रावण मास के दूसरे सोमवार 10 अगस्त को जनपद पंचायत लांजी के सामने कोटेश्वर धाम पंहुच रहे भक्तों, कावडियों, धर्म प्रेमी गणों के लिए, महाप्रसाद का आयोजन किया गया, उक्त आयोजन प्रमुख रूप से जनपद अध्यक्ष अर्चना खोंगल, उपाध्यक्ष अजय अवसरे,पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेन्द्र खोंगल, दिनेश लाडे, राहुल कालबेले, दुष्यंत उमरे शंकर पारधी, दादू नकटोड़े लेखराज रामटेककर, प्रकाश मेश्राम, उप सरपंच कोमल काड़े, संजय तेंभरे, रुपेश रावते, नवीन शिवनकर, अशोक रामटेकर, संतोष नाकतोडे सहित जनपद के सभी सभापति सदस्य, अधिकारी कर्मचारी के सहयोग से उक्त आयोजन किया संपन्न किया गया। श्रावण के दूसरे सोमवार को कोटेश्वर धाम में सुबह से शाम तक भक्तों की आवाजाही बनी रही। भगवान शिव के दर्शन, जलाभिषेक, कांवड़ यात्रा और महाप्रसाद के आयोजन से पूरा कोटेश्वर धाम शिवमय नजर आया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा कोटेश्वर धाम परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। पुलिस बल की तैनाती के साथ ही भीड़ को नियंत्रित करने, यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया। पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था के चलते पूरे आयोजन के दौरान व्यवस्था सुचारु बनी रही। समय समय पर एसडीएम कमलचंद सिंहसार, तहसीलदार लांजी, नायाब तहसीलदार, थाना प्रभारी मुकेश दुबोलियो, सहित पुलिस अधिकारी कर्मचारियों ने व्यवस्था बनाए रखने हेतु सतत निरिक्षण किया. साथ ही स्थानीय सेवा भावी लोगों के द्वारा भी धाम परिसर मे प्रशासन के साथ मिलकर व्यवस्थाओं को सम्भालने मे सहभगिता दी।

30 वर्षों से रह रहे परिवारों को नहीं मिला पट्टा, आबादी मद में भूमि दर्ज कराने की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर परिषद लांजी के वार्ड क्रमांक 04 भगत सिंह वार्ड में लंबे समय से निवासरत परिवारों को शासकीय पट्टा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग तेज हो गई है। वार्ड पार्षद श्रीमती प्रेमलता संजय खोब्रागड़े ने इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी को लिखित आवेदन सौंपकर खसरा नंबर 121/22 की भूमि को आबादी मद में परिवर्तित किए जाने की मांग की है। पार्षद द्वारा दिए गए आवेदन में उल्लेख किया गया है कि वार्ड क्रमांक 04 में स्थित खसरा नंबर 121/22, रकबा 0.187 हेक्टेयर भूमि वर्तमान में घास मद के रूप में दर्ज है। उक्त भूमि पर करीब 30 वर्षों से अनेक परिवार निवासरत हैं और उनके मकान भी निर्मित हैं। भूमि आबादी मद में दर्ज नहीं होने के कारण यहां निवास कर रहे लोगों को शासकीय योजनाओं, विशेषकर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

विशेष परिषद बैठक में पारित हो चुका है प्रस्ताव

आवेदन में बताया गया कि नगर परिषद लांजी की विशेष बैठक दिनांक 28 सितंबर 2022 को आयोजित की गई थी। बैठक में खसरा नंबर 121/22 की भूमि को आबादी मद में घोषित किए जाने के संबंध में प्रस्ताव पारित कर आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला कलेक्टर की ओर भेजे जाने का निर्णय लिया गया था। साथ ही नगर परिषद द्वारा आवश्यक कार्रवाई के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी को अधिकृत किया गया था। पार्षद का कहना है कि प्रस्ताव की प्रति जिला कार्यालय को भेजे जाने के बावजूद अब तक भूमि को आबादी मद में परिवर्तित करने की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हुई है। इसके चलते वर्षों से उक्त भूमि पर निवास कर रहे वार्डवासियों को अपने मकानों के संबंध में वैधानिक दस्तावेज एवं शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में परेशानी हो रही है।

दैनिक गुजरी के पास तालाब किनारे बसे लोगों का भी उठाया मुद्दा

पार्षद प्रेमलता खोब्रागड़े ने दैनिक गुजरी के समीप तालाब किनारे निवासरत लोगों की भूमि को भी आबादी मद में परिवर्तित किए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि लंबे समय से यहां रह रहे परिवारों के हितों को ध्यान में रखते हुए राजस्व अभिलेखों में आवश्यक सुधार किया जाना चाहिए, ताकि पात्र परिवारों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

शीघ्र कार्रवाई की मांग

पार्षद ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) से मांग की है कि खसरा नंबर 121/22 की भूमि को शीघ्र आबादी मद में परिवर्तित करने के साथ ही वहां निवासरत पात्र वार्डवासियों को शासकीय पट्टा प्रदान करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए। साथ ही दैनिक गुजरी के पास तालाब किनारे बसे परिवारों की भूमि के संबंध में भी नियमानुसार कार्रवाई किए जाने का आग्रह किया गया है। पार्षद ने आवेदन के साथ नगर परिषद के पूर्व में पारित प्रस्ताव एवं खसरे की प्रतिलिपि भी संलग्न की है। अब देखना होगा कि राजस्व विभाग द्वारा इस मामले में कितनी शीघ्रता से कार्रवाई की जाती है और वर्षों से भूमि अधिकार की प्रतीक्षा कर रहे परिवारों को राहत मिल पाती है या नहीं।

भक्ति के साथ जनजागरण का संदेश, पलेहरा में अखंड मानस पाठ संपन्न

स्वास्थ्य शिविर में 165 लोगों की जांच, 26 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी-किरनापुर क्षेत्र के ग्राम पलेहरा स्थित गायत्री मंदिर परिसर में अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का आयोजन श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में किया गया। स्थानीय ग्रामवासियों, ग्राम समितियों, अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ समिति एवं अभिनंदन लाइफ फाउंडेशन के सहयोग से 9 अगस्त को शुरू हुआ पाठ 10 अगस्त को विश्राति के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान राम रथ यात्रा निकाली गई, जिसका ग्रामीणों ने जगह-जगह आरती कर स्वागत किया। मानस पाठ के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति और प्लास्टिक मुक्त अभियान को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करते हुए उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया। पर्यावरण संरक्षण के तहत गांव में 25 पौधों का पौधारोपण किया गया। साथ ही गौ पूजन, हवन-यज्ञ और नव कन्या पूजन कार्यक्रम भी हुआ। महिला मंडल द्वारा हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम आयोजित कर भारतीय संस्कृति, संस्कार और परिवार की एकता का संदेश दिया गया। स्वास्थ्य शिविर में 165 लोगों की जांच कर दवाइयां वितरित की गईं, जबकि निःशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर में 85 लोगों की जांच हुई और 26 मरीज ऑपरेशन के लिए चिन्हित किए गए। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया।

किन्हीं में प्रारंभ हुआ अखंड मानस पाठ

इसी क्रम में ग्राम किन्हीं में 10 अगस्त से अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ हुआ। 11 अगस्त को विश्राति के साथ स्वास्थ्य शिविर, मोतियाबिंद जांच, प्लास्टिक मुक्त अभियान और महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा।

हर घर तिरंगा अभियान बना फोटो खिंचवाने का जरिया!

आदिवासी दिवस की रैली में पहुंचा नगर परिषद का कर्मचारी, लोगों के हाथ में थमाया तिरंगा और बैनर, जगह-जगह खिंचवाए फोटो

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासन के निर्देशानुसार 9 से 17 अगस्त 2026 तक चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान को लेकर नगर परिषद लांजी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होने लगे हैं। अभियान का उद्देश्य हर घर तक तिरंगा पहुंचाना और नागरिकों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान एवं राष्ट्रभावना को बढ़ावा देना है, लेकिन नगर परिषद की गतिविधियां देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा है कि अभियान को जमीनी स्तर पर चलाने के बजाय केवल फोटो खिंचवाने तक सीमित कर दिया गया है। दरअसल, 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर लांजी नगर में आदिवासी समाज द्वारा विशाल रैली निकाली गई थी। इसी रैली के दौरान नगर परिषद लांजी का एक कर्मचारी तिरंगा झंडा और नगर परिषद का बैनर लेकर पहुंच गया। कर्मचारी ने रैली में शामिल लोगों को तिरंगा और बैनर थमाकर जगह-जगह फोटो खिंचवाए। इन तस्वीरों को देखकर सहज ही सवाल उठता है कि क्या यही नगर परिषद की ओर से हर घर तिरंगा अभियान की वास्तविक गतिविधि है?

रैली आदिवासी समाज की, प्रचार नगर परिषद का ?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस रैली का आयोजन आदिवासी समाज द्वारा विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर किया गया था, उसमें नगर परिषद की ओर से कोई अलग कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया। बताया जा रहा है कि नगर परिषद का अन्य कोई कर्मचारी अथवा जनप्रतिनिधि रैली में शामिल नहीं हुआ। इसके बावजूद एक कर्मचारी तिरंगा और बैनर लेकर रैली में पहुंचा और लोगों के हाथों में इन्हें देकर फोटो खिंचवाता नजर आया। ऐसे में नगरवासियों के बीच चर्चा है कि क्या किसी दूसरे सामाजिक आयोजन में कुछ देर के लिए तिरंगा और बैनर लेकर फोटो खिंचवा लेना ही शासन के हर घर तिरंगा अभियान की जिम्मेदारी पूरी करना है?

अभियान का उद्देश्य घर-घर तिरंगा पहुंचाना, सिर्फ फोटो नहीं

शासन द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान का मूल उद्देश्य लोगों को राष्ट्रध्वज के प्रति जागरूक करना और प्रत्येक घर तक तिरंगा पहुंचाना है। इसके लिए स्थानीय निकायों को व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने की जरूरत है। लेकिन यदि अभियान के नाम पर केवल कुछ तस्वीरें खिंचवाकर औपचारिकता पूरी की जाती है तो अभियान की मूल भावना ही कमजोर पड़ती है। नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए नगरवासियों का कहना है कि यदि वास्तव में अभियान को सफल बनाना है तो परिषद को वार्डवार कार्यक्रम बनाकर लोगों को अभियान से जोड़ना चाहिए। प्रत्येक वार्ड में तिरंगा वितरण, जागरूकता कार्यक्रम और घर-घर संपर्क जैसी गतिविधियां की जानी चाहिए, ताकि अभियान केवल कागजों और फोटो तक सीमित न रहे।

जिम्मेदारों से जवाब मांगने की जरूरत

नगर परिषद द्वारा अभियान के लिए क्या कार्ययोजना बनाई गई है? कितने वार्डों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं? कितने घरों तक तिरंगा पहुंचाया गया? अभियान पर कितनी राशि खर्च की जा रही है और कर्मचारियों को क्या जिम्मेदारी सौंपी गई है? इन सवालों का जवाब नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों को सार्वजनिक करना चाहिए। नगरवासियों का कहना है कि राष्ट्रध्वज जैसे सम्मानित प्रतीक से जुड़े अभियान को महज औपचारिकता और फोटो सेशन तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। यदि शासन ने 9 से 17 अगस्त तक अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं तो नगर परिषद को इसकी गंभीरता के साथ पालना करते हुए धरातल पर अभियान की मौजूदगी दिखानी चाहिए, न कि केवल तस्वीरों में। अब देखना यह है कि नगर परिषद लांजी इस मामले को लेकर क्या स्पष्टीकरण देती है और आगामी दिनों में हर घर तिरंगा अभियान को वास्तविक रूप से घर-घर तक पहुंचाने के लिए क्या कदम उठाती है।

खुर्सीटोला में खेत पाठशाला का हुआ आयोजन

किसानों को फसल प्रबंधन एवं अधिक उत्पादन के बताए गये उपाय

पद्मेश न्यूज। लांजी। आत्मा परियोजना के अंतर्गत किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों की जानकारी देने के उद्देश्य से 10 अगस्त को लांजी विकासखंड के ग्राम खुर्सीटोला में खेत पाठशाला का आयोजन किया गया। खेत पाठशाला में कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कृषि विशेषज्ञों द्वारा किसानों को खेत में लगी फसल की नियमित देखभाल, फसल प्रबंधन तथा अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए अपनाई जाने वाली उन्नत कृषि तकनीकों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि खेत पाठशाला का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी फसल के खेत में ही आवश्यक कृषि तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है, ताकि किसान वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर फसल की उत्पादकता एवं गुणवत्ता में वृद्धि कर सकें। उन्होंने बताया कि किसानों को फसल की वर्तमान स्थिति के अनुसार आवश्यक कृषि कार्यों की जानकारी दी गई। खेत पाठशाला के दौरान किसानों को फसल की नियमित निगरानी करने, खेत में खरपतवार नियंत्रण, कीट एवं रोगों की पहचान तथा उनके प्रभावी प्रबंधन के संबंध में जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि फसल में किसी भी प्रकार के कीट या रोग के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल कृषि विशेषज्ञों से सलाह लेकर उचित उपाय करना चाहिए। अनावश्यक रूप से कीटनाशकों एवं अन्य कृषि रसायनों का प्रयोग करने के बजाय अनुशंसित मात्रा एवं उचित विधि से ही उनका उपयोग किया जाए। किसानों को फसल में संतुलित पोषक तत्वों के उपयोग, आवश्यकतानुसार उर्वरकों के प्रयोग, खेत में नमी बनाए रखने तथा फसल की अवस्था के अनुरूप सिंचाई प्रबंधन के संबंध में भी जानकारी दी गई। कृषि अधिकारियों ने बताया कि संतुलित पोषण एवं उचित जल प्रबंधन से फसल की वृद्धि बेहतर होती है और उत्पादन लागत को नियंत्रित करते हुए उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है। इस दौरान किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने, गुणवत्तापूर्ण बीजों के उपयोग तथा फसल की समय-समय पर निगरानी करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही किसानों को खेत एवं फसल से संबंधित समस्याओं का मौके पर समाधान भी बताया गया। उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने किसानों से अपील की कि वे कृषि विभाग एवं आत्मा परियोजना के माध्यम से आयोजित होने वाले प्रशिक्षण, खेत पाठशाला एवं किसान जागरूकता कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करें। उन्होंने कहा कि आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त कर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। खुर्सीटोला में आयोजित खेत पाठशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा कृषि विशेषज्ञों से फसल उत्पादन एवं प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की। खेत पाठशाला किसानों के लिए कृषि संबंधी तकनीकी जानकारी को व्यवहारिक रूप से समझने का उपयोगी माध्यम साबित हुई।

श्रावण सोमवार पर कोटेश्वर धाम पहुंचे नागा साधु

नागा साधुओं के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह, धाम परिसर में बना भक्तिमय माहौल

पद्मेश न्यूज। लांजी। श्रावण मास के दूसरे सोमवार को प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कोटेश्वर धाम में नागा साधुओं का आगमन हुआ। भगवान कोटेश्वर महादेव के दर्शन एवं पूजन के लिए पहुंचे नागा साधुओं को देखकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह नजर आया। उनके धाम पहुंचने से परिसर का धार्मिक वातावरण और भी भक्तिमय हो गया। नागा साधुओं ने कोटेश्वर महादेव के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। इस दौरान धाम में मौजूद श्रद्धालुओं ने भी नागा साधुओं के दर्शन किए तथा उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रावण सोमवार के चलते पहले से ही कोटेश्वर धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ मौजूद थी। ऐसे में नागा साधुओं का आगमन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। कई श्रद्धालु नागा साधुओं के दर्शन करने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए उत्सुक नजर आए। नागा साधुओं के आगमन से कोटेश्वर धाम में आध्यात्मिक एवं धार्मिक माहौल और अधिक गहरा हो गया। पूरे परिसर में हर-हर महादेव के जयकारों के बीच श्रद्धालु भगवान शिव की भक्ति में लीन नजर आए।

मप्र में बारिश का रौद्र रूप...बांधों के गेट खुले, नदी-नाले उफान पर

सड़कें-रेलवे ट्रैक डूबे, बाढ़ में फंसे लोग

भोपाल। मध्य प्रदेश में मानसून का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने के बाद सोमवार को प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। राजधानी भोपाल समेत विदिशा, सीहोर, शाजापुर, आगर मालवा, रतलाम, रायसेन और अन्य जिलों में तेज बारिश के कारण सड़कें जलमग्न हो गईं, घरों में पानी घुस गया और नदी-नाले उफान पर आ गए। सबसे गंभीर स्थिति विदिशा में बनी, जहां बाढ़ के पानी में 17 लोग फंस गए। प्रशासन, पुलिस और होमगार्ड की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और सभी लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

राजधानी भोपाल में पिछले 24 घंटे में करीब 7 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। लगातार बारिश से शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। घरों और कॉलोनियों में पानी घुसने के साथ ही ईंटखेड़ी थाना परिसर और भोपाल रेलवे स्टेशन के ट्रैक पर भी पानी भर गया। सेमरा इलाके में करीब 200 घरों के आसपास 5 से 6 फीट तक पानी भरने की सूचना है। जलभराव के कारण कई परिवार घरों में ही फंस गए। भोपाल-बैरसिया मार्ग पर ईंटखेड़ी पुल समेत कई नदी-नालों में पानी बढ़ने से आवागमन प्रभावित हुआ। शहर में अपोलो अस्पताल के आसपास, कंफर्ट ग्रीन कॉलोनी और पुलिस हाउसिंग कॉलोनी समेत कई इलाकों में पानी भर गया। बारिश के दौरान पेड़ गिरने से वीआईपी रोड पर यातायात भी प्रभावित हुआ।

आगर मालवा में बांध के गेट खुले, नदी-नालों में उफान

आगर मालवा में भारी बारिश के चलते कुंडलिया बांध का जलस्तर बढ़ गया। सोमवार दोपहर बांध के 11 में से 4 गेट करीब एक मीटर तक खोले गए और 616.34 क्यूमेक पानी डाउनस्ट्रीम छोड़ा गया। इसके बाद प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए लोगों से नदी से दूर रहने की अपील की। सुसनेर क्षेत्र में कालीसिंध नदी समेत कई नदी-नाले उफान पर हैं। जीरापुर-सुसनेर मार्ग के ताखला में त्रिवेणी संगम के पास पानी का तेज बहाव देखने को मिला। भारी बारिश को देखते हुए जिले में स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है।

अन्य जिलों में भी बिगड़े हालात

नर्मदापुरम में करीब 5 इंच, रायसेन में 4.9 इंच, राजगढ़ और शाजापुर में 4.5 इंच तथा सीहोर में करीब 4 इंच बारिश दर्ज की गई। मंडला में नर्मदा का जलस्तर घटा है, लेकिन छोटा पुल अब भी पानी में डूबा हुआ है। शिवपुरी में नाला उफान पर है। उमरिया के जोहिला डैम के दो गेट खोलकर पानी छोड़ा गया है। नलखेड़ा रोड की पड़ाव कॉलोनी में घरों और दुकानों में पानी घुस गया, जबकि कई गांवों को जोड़ने वाले रास्तों पर रपटों के ऊपर से पानी बह रहा है।

किसानों को राहत

लगातार बारिश से जहां किसानों को फसलों के लिए राहत मिली है, वहीं शहरी और ग्रामीण इलाकों में जलभराव ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। नदियों और बांधों का जलस्तर तेजी से बढ़ने के कारण निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

विदिशा में बाढ़ में फंसे 17 लोग सुरक्षित निकाले गए

विदिशा के लश्करपुर रोड स्थित ग्राम बामनखेड़ा में बाढ़ का पानी भरने से करीब 17 लोग फंस गए थे। सूचना मिलने पर पुलिस-प्रशासन और होमगार्ड की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

सीहोर में नाले के बीच गर्भवती को अस्पताल पहुंचाया

सीहोर जिले में भी भारी बारिश के कारण कई रास्ते बंद हो गए। श्यामपुर सहित कई इलाकों में मकानों में पानी घुस गया। उफनते नाले के बीच एक गर्भवती महिला को अस्पताल पहुंचाने के लिए लोगों और प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। सेवनिया में मंदिर के आसपास पानी भरने से स्थिति चिंताजनक हो गई। कई स्थानों पर वाहन पानी में डूबे नजर आए।

शाजापुर में कालीसिंध उफान पर

शाजापुर जिले के अकोदिया क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण कालीसिंध नदी उफान पर आ गई। नदी का जलस्तर बढ़ने से निचले इलाकों में खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों को नदी और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। ब्यावरा में रेलवे अंडरपास में पानी भरने से करीब 25 गांवों का संपर्क प्रभावित हुआ।

रतलाम में सड़कें बनीं नदी, झरना देखने उमड़ी भीड़

रतलाम में सुबह से जारी बारिश के बाद कई सड़कें पर पानी भर गया। खेरादीवास क्षेत्र में सड़क पर नदी जैसी तेज धार बहती नजर आई। सैलाना के आडवानिया स्थित केदारेश्वर महादेव मंदिर का झरना भी तेज बहाव के साथ बह निकला। सावन के दूसरे सोमवार के कारण मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ भी पहुंची। प्रशासन के लिए यहां श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी चुनौती बनी हुई है।

अब ऑनलाइन रजिस्ट्री का अधिकार पूरे प्रदेश के सबरजिस्ट्रार को

सरकार ने रजिस्ट्री व्यवस्था को बना दिया है और अधिक व्यापक

भोपाल। राज्य सरकार द्वारा अब ऑनलाइन रजिस्ट्री का अधिकार पूरे प्रदेश के सभी सबरजिस्ट्रार को दे दिया गया है। इस तरह की पहल कर सरकार द्वारा भोपाल के साइबर के चार सबरजिस्ट्रार की मोनोपोली को तोड़ने का काम किया गया है। सरकार की ओर से गत दिवस एक अधिसूचना जारी की गई है। इस अधिसूचना के माध्यम से सरकार ने फैसले से रजिस्ट्री व्यवस्था को और अधिक व्यापक बना दिया है। इसमें प्रावधान किया गया है कि अब प्रदेश का कोई भी सबरजिस्ट्रार किसी भी जिले की फेसलेस रजिस्ट्री कर सकेगा। सरकार का कहना है कि इस नई व्यवस्था को लागू किए जाने से रजिस्ट्री लंबित होने की समस्या कम होगी और लोगों को समय पर सेवा मिल सकेगी। सरकार की ओर से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 की धारा 6 में संशोधन किया गया है। इस संशोधन के अनुसार पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के अधिकारियों का अधिकार क्षेत्र पूरे प्रदेश के सभी जिलों तक बढ़ा दिया गया है। यह व्यवस्था केवल फेसलेस, यानी ऑनलाइन रजिस्ट्री के कार्य में लागू होगी।

सरकार द्वारा फरवरी 2026 में शुरू किए गए साइबर सबरजिस्ट्रार कार्यालय के चार सबरजिस्ट्रार के माध्यम से अब तक प्रदेश में 10000 दस्तावेजों का फेसलेस पंजीयन किया जा चुका है। इस व्यवस्था के तहत फेसलेस पंजीयन कराने में संबंधित व्यक्ति को सबरजिस्ट्रार के उपलब्ध होने का काफी समय तक इंतजार करना पड़ता था। इन चार सबरजिस्ट्रार द्वारा ही पूरे प्रदेश में ऑनलाइन रजिस्ट्री का कार्य किया जाता था। इस स्थिति को देखते हुए सरकार द्वारा नियम में परिवर्तन किया गया है। अब जो नियम प्रभावी किया गया है, उसके अनुसार रजिस्ट्री करने का कार्य पहले की तुलना में ज्यादा तेजी के साथ हो सकेगा। सरकार की ओर से अब प्रदेश के हर जिले के सभी सबरजिस्ट्रार को यह अधिकार दे दिया गया है कि वह ऑनलाइन रजिस्ट्री कर सकेंगे। इसमें भी कोई आवश्यक नहीं है कि भोपाल के क्षेत्र की रजिस्ट्री होना है तो वह भोपाल का सबरजिस्ट्रार ही ऑनलाइन कर सकेगा। इसमें प्रावधान किया गया है कि कोई भी सबरजिस्ट्रार प्रदेश के किसी भी क्षेत्र की रजिस्ट्री ऑनलाइन कर सकेगा। ध्यान रहे कि सरकार द्वारा बनाए गए नियम के अनुसार फेसलेस रजिस्ट्री के लिए आधार नंबर देना अनिवार्य रहता है। वीडियो सत्यापन के दौरान एआई आधारित फेस वेरिफिकेशन किया जाता है। वीडियो, आधार फोटो और किसी एक पहचान पत्र, जिसमें वोटर आईडी, पैनकार्ड, पासपोर्ट या ड्राइविंग लाइसेंस शामिल होता है, का मिलान किया जाता है। यह सभी विवरण मिलने के बाद ही रजिस्ट्री पूरी हो पाएगी। सरकार द्वारा रजिस्ट्री के लिए लागू किए गए संपदा 2.0 की व्यवस्था के तहत ही इस नई व्यवस्था को आकार दिया जाएगा।

शिवराज के खिलाफ शिकायत के बाद विवाद, किरार समाज के नाम पर धमकी डबास ने मांगी सुरक्षा

भोपाल। सेवानिवृत्त अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (ड्रस्स) एवं सिस्टम परिवर्तन अभियान के अध्यक्ष आजाद सिंह डबास ने प्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना को पत्र लिखकर तत्काल पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। डबास ने सोशल मीडिया पर अपने खिलाफ कथित आपत्तिजनक एवं धमकी भरी पोस्ट किए जाने का हवाला देते हुए संबंधित व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग भी की है।

डबास ने अपने पत्र में लिखा कि वे मध्यप्रदेश कैडर के 1985 बैच के आईएफएस अधिकारी रहे है जो 31 जनवरी 2017 को अपर प्रधान मुख्य संरक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुए है। उन्होंने लिखा कि मैं सेवानिवृत्ति के बाद से ही 卐सिस्टम परिवर्तन अभियान卐 नामक संगठन चला रहा हूं जो मुख्यत: मध्यप्रदेश में राजनीतिक एवं प्रशासनिक स्तर पर हो रहे बड़े भ्रष्टाचार को उजागर करने का काम करता है। मैं इस संगठन का संस्थापक अध्यक्ष हूं।

मैंने विगत वर्षों में मध्यप्रदेश में हुए भ्रष्टाचार के अनेक बड़े मामले उठाये हैं। इन भ्रष्टाचार के प्रकरणों में जिस भी राजनेता (मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक इत्यादि) एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी की भूमिका रही है, उनके संबंध में मेरे द्वारा मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, संबंधित विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, संबंधित विभाग के विभागाध्यक्ष, महानिदेशक आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ मध्यप्रदेश एवं लोकायुक्त मध्यप्रदेश को समय-समय पर शिकायतें प्रेषित की जाती हैं ताकि जांच उपरांत भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्रवाई हो सके।

शिकायतों के इसी क्रम में मेरे द्वारा पत्र क्रमांक/1595 दिनांक 02.08.2026 से एक शिकायत पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के विरुद्ध महानिदेशक आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ मध्यप्रदेश को भेजी गई जिसमें शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री रहते उनके कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार/घोटालों के परिणामस्वरूप उनके द्वारा अर्जित चल-अचल संपत्ति/व्यवसायिक फर्मों की जांच करने की मांग की गई है। पत्र की छायाप्रति संलग्न प्रेषित है। इस पत्र के आधार पर 卐एक्सप्रेस न्यूज卐 समाचार पत्र में एक विस्तृत खबर दिनांक 08 अगस्त 2026 को प्रमुखता से प्रकाशित की गई। समाचार की छायाप्रति संलग्न प्रेषित है।

इस खबर को पढ़कर शिवराज सिंह चौहान के सजातीय विनोद धाकड़ नामक व्यक्ति, जो रायसेन जिले की सांची विधानसभा के अंतर्गत निवास करते हैं। धाकड़ ने एक अत्यंत भड़काऊ पोस्ट अपने फेसबुक अकाउंट पर डाली है जिसमें उन्होंने मेरे विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने की बात की है। उन्होंने मेरे जगह-जगह, हर गली-चौराहे और गांव-गांव में पुतले जलाने का आह्वान उस समाज, जिससे श्री शिवराज सिंह चौहान आते हैं, से किया है। उन्होंने अपनी पोस्ट में यह भी लेख किया है कि मैं उन्हें जहां भी मिलूं वहीं मुझे जूतों से मारना चाहिए। धाकड़ ने अपने समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष, देश के सभी प्रदेश अध्यक्ष, सभी जिलाध्यक्ष और भारत देश के महासभा पदाधिकारियों से खबर का विरोध करने का आह्वान किया है। धाकड़ की फेसबुक पोस्ट के स्क्रीनशॉट की छायाप्रति संलग्न प्रेषित है।

डबास ने लिखा कि किरार समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष साधना सिंह ही हैं जो शिवराज सिंह चौहान की पत्नी हैं। चूंकि अपनी पोस्ट में धाकड़ ने जनता के प्रिय मामा पर मेरे द्वारा लगाये गये आरोपों को पूरे किरार समाज को कलंकित करना बताया है, अत: धाकड़ के द्वारा मेरे विरुद्ध जो भड़काऊ पोस्ट डाली गई है, उसके फलस्वरूप मुझ पर उत्तेजित भीड़ द्वारा कभी भी/कहीं भी (प्रदेश के अंदर एवं बाहर) घातक हमला हो सकता है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विगत में मेरे द्वारा प्रदेश के सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, जनजातीय मंत्री विजय शाह, पूर्व मंत्री संजय पाठक के साथ-साथ प्रदेश के कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किये गये भ्रष्टाचार के मामले भी उठाये गये हैं, अत: ये सभी भी अंदर ही अंदर मुझसे बहुत खफा हैं एवं मुझे नुकसान पहुंचाने की ताक में हैं।

सीपीसीटी की अनिवार्यता खत्म करे सरकार, हजारों कर्मचारियों की नौकरी-पदोन्नति संकट में

कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर पुराने नियम लागू करने की मांग की; राहत नहीं मिली तो मंत्रालय के सामने प्रदर्शन की चेतावनी

भोपाल। मध्यप्रदेश में सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू सीपीसीटी परीक्षा की अनिवार्यता को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र भेजकर तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए सीपीसीटी की बाध्यता समाप्त करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि इस अनिवार्यता के कारण प्रदेश के हजारों कर्मचारियों की नौकरी और पदोन्नति प्रभावित हो रही है, जबकि कई कर्मचारियों की सेवा तक समाप्त हो चुकी है।

मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा कि सरकार ने तृतीय श्रेणी कर्मचारियों की नियुक्ति के समय सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य किया है। इसके अलावा अनुकंपा नियुक्ति पाने वाले कर्मचारियों पर भी यह शर्त लागू की गई है। अब चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति में भी सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करने की बाध्यता लागू किए जाने से कर्मचारियों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

नियुक्ति से पदोन्नति तक सीपीसीटी की शर्त

कर्मचारी मंच का आरोप है कि सीपीसीटी की अनिवार्यता अब केवल नई नियुक्तियों तक सीमित नहीं रह गई है। अनुकंपा नियुक्ति पाने वाले कर्मचारियों और लंबे समय से विभागों में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति में भी इसे अनिवार्य किया जा रहा है। संगठन का कहना है कि इससे ऐसे कर्मचारी प्रभावित हो रहे हैं, जो वर्षों से सरकारी सेवा में काम कर रहे हैं और पदोन्नति के लिए निर्धारित अन्य सभी पात्रताएं पूरी करते हैं। उनके सामने अब सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करने की अतिरिक्त शर्त खड़ी कर दी गई है। कर्मचारी मंच के मुताबिक, हजारों कर्मचारियों की नौकरी और पदोन्नति का मामला सीपीसीटी की बाध्यता से जुड़ गया है, जबकि सैकड़ों कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त होने का दावा भी संगठन ने किया है।

अनुकंपा नियुक्ति वालों के सामने भी संकट

कर्मचारी मंच ने विशेष रूप से अनुकंपा नियुक्ति के मामलों का मुद्दा उठाया है। संगठन का कहना है कि परिवार के आश्रित सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति देने का उद्देश्य तत्काल आर्थिक संकट से राहत प्रदान करना होता है। ऐसे में नियुक्ति के बाद सीपीसीटी जैसी अनिवार्यता के कारण कर्मचारी की सेवा प्रभावित होना गंभीर विषय है। संगठन की मांग है कि ऐसे कर्मचारियों को पुराने नियमों के तहत राहत दी जाए और सीपीसीटी की बाध्यता समाप्त कर उन्हें नियमित सेवा का अवसर दिया जाए।

सरकार से पुराने नियम लागू करने की मांग

मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि कर्मचारियों की समस्या को देखते हुए सीपीसीटी की अनिवार्यता पर पुनर्विचार किया जाए। संगठन चाहता है कि अनुकंपा नियुक्ति और पदोन्नति के मामलों में पुराने नियमों को लागू किया जाए, ताकि वर्षों से सरकारी सेवा में कार्यरत कर्मचारियों को राहत मिल सके। कर्मचारी मंच का कहना है कि कर्मचारियों की ओर से लगातार इस मुद्दे को सरकार के सामने उठाया जा रहा है, लेकिन अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है।

आंदोलन की चेतावनी

मांग पूरी नहीं होने पर कर्मचारी मंच ने आंदोलन की चेतावनी दी है। संगठन ने कहा है कि यदि राज्य सरकार ने जल्द सीपीसीटी की बाध्यता समाप्त कर कर्मचारियों को राहत नहीं दी तो सीपीसीटी परीक्षा के कारण नौकरी से वंचित हुए कर्मचारी मंत्रालय के सामने प्रदर्शन करेंगे और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। मंच का कहना है कि आंदोलन का उद्देश्य सरकार का ध्यान कर्मचारियों की वास्तविक समस्या की ओर आकर्षित करना है, ताकि वर्षों से सेवा कर रहे कर्मचारियों की नौकरी और पदोन्नति केवल एक परीक्षा की बाध्यता के कारण प्रभावित न हो।

इंजीनियरिंग से छात्रों का मोहभंग : 39 हजार से अधिक सीटें खाली

प्रवेश के लिए अब सेल्फी अनिवार्य

भोपाल। मध्यप्रदेश में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के प्रति छात्रों का रुझान तेजी से कम हो रहा है। आलम यह है कि प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में आधे से अधिक सीटें खाली पड़ी हैं। तकनीकी शिक्षा विभाग ने इन खाली सीटों को भरने के लिए कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) का दूसरा राउंड शुरू किया है, जिसमें प्रवेश के दौरान छात्र को सेल्फी लेकर पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है। तकनीकी शिक्षा विभाग का दावा है कि फर्जीवाड़े पर रोक लगाने और यह सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था लागू की गई है कि प्रवेश लेने वाला छात्र वास्तव में कॉलेज में मौजूद है। विभाग के आंकड़ों के अनुसार, द्वितीय काउंसलिंग तक प्रदेश के 135 इंजीनियरिंग संस्थानों की कुल 75,249 सीटों में से केवल 35,660 पर ही प्रवेश हुआ है। इस प्रकार, अभी भी 39,589 सीटें खाली हैं। राजधानी भोपाल के ही आधा दर्जन से अधिक इसरत्ह के इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जहां अब तक एक भी छात्र ने प्रवेश नहीं लिया है और उन्हें अब सीएलसी राउंड से ही उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि इंजीनियरिंग में छात्रों के मोहभंग के पीछे कई कारण हैं, जिसमें प्लेसमेंट के अवसरों में लगातार कमी और पारंपरिक ब्रांचों में घटती रुचि प्रमुख हैं।

पदोन्नति में देरी से प्रदेश के शिक्षकों में आक्रोश

भोपाल। प्रदेश में नवीन शिक्षक संवर्ग की पदोन्नति प्रक्रिया में शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर शिक्षकों में असंतोष एवं आक्रोश बढ़ रहा है। लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे पात्र शिक्षकों को अब तक स्पष्ट, पारदर्शी एवं समयबद्ध प्रक्रिया का लाभ नहीं मिल पाने से वे निराश हैं। शिक्षकों का कहना है कि पदोन्नति प्रक्रिया में वरिष्ठता, पात्रता एवं उपलब्ध रिक्त पदों के आधार पर चरणबद्ध, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से की जानी चाहिए। शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने यह मामला उठाते हुए कहा है कि यह पदोन्नति आदेशों में किसी न्यायालयीन निर्णय या अन्य शर्त का उल्लेख करता है, तो विभाग को उसकी स्थिति एवं प्रभाव के संबंध में शिक्षकों को स्पष्ट जानकारी उपलब्ध करानी चाहिए, ताकि किसी प्रकार का भ्रम उत्पन्न न हो।

शासकीय शिक्षक संगठन ने शिक्षा विभाग से मांग की है कि नवीन शिक्षक संवर्ग में प्राथमिक शिक्षक से माध्यमिक शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक से उच्च माध्यमिक शिक्षक तथा उच्च माध्यमिक शिक्षक से प्राचार्य (हाईस्कूल) पद पर पदोन्नति की प्रक्रिया में हो रहे अनावश्यक विलंब को समाप्त किया जाए। संगठन ने मांग की है कि विभाग तत्काल स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर पदोन्नति प्रक्रिया को पारदर्शी एवं चरणबद्ध तरीके से पूर्ण करे तथा सभी पात्र शिक्षकों को शीघ्र पदोन्नति का लाभ प्रदान किया जाए। गौरतलब है कि पदोन्नति की कार्यवाही शुरू होने के बाद सभी लगभग विभागों में पदोन्नति का काम हो गया है लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग प्राथमिक माध्यमिक, माध्यमिक से उच्च माध्यमिक और उच्च माध्यमिक से प्राचार्य हाईस्कूल के पदों पर अब तक पदोन्नति कार्यवाही नहीं कर सका है जबकि सितम्बर अक्टूबर में अगले दौर की डीपीसी शुरू हो जाएगी। इसके अलावा मप्र शिक्षक संगठन, राज्य अध्यापक संघ ने भी पदोन्नति में देरी न कर जल्दी प्रमोशन करने के लिए कहा है।

237 ईसी की जांच पूरी, अब सुप्रीम कोर्ट के रुख पर टिकी कार्रवाई

- केंद्र की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ने रिपोर्ट तैयार की; मंजूरियों की वैधता और अफसरों की भूमिका पर उठे गंभीर सवाल

भोपाल। मध्यप्रदेश के बहुचर्चित 237 डीम्ड पर्यावरणीय मंजूरी (ईसी) मामले में केंद्र सरकार की जांच अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ने मामले की जांच पूरी कर ली है और अब रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। हालांकि, जांच के बाद कार्रवाई का रास्ता अभी सुप्रीम कोर्ट के आदेश से होकर गुजरेगा। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि सुप्रीम कोर्ट का रुख सामने आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। यह जानकारी केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने भोपाल सांसद आलोक शर्मा की शिकायत के जवाब में दी है। सांसद ने इन 237 मंजूरियों को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए केंद्र से इन्हें निरस्त करने और कथित अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

विवाद की जड़ में वे 237 डीम्ड पर्यावरणीय मंजूरियां हैं, जिन्हें लेकर पिछले वर्ष से ही सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि मध्यप्रदेश में इन मंजूरियों को वैधानिक प्रक्रिया के तहत पर्यावरणीय प्रभाव आकलन के लिए गठित स्टेट एनवायरोमेंट इम्पैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी (सिया) के बजाय अधिकारियों के स्तर पर जारी किया गया। इन मंजूरियों की वैधता को लेकर विवाद इसलिए भी बढ़ा क्योंकि संबंधित प्रकरण केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के परिवेश पोर्टल पर दर्ज नहीं दिखाई दिए। परिवेश पोर्टल पर पर्यावरणीय मंजूरियों का रिकॉर्ड उपलब्ध होना परियोजनाओं की अनुमति प्रक्रिया में पारदर्शिता का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। अब केंद्र की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की जांच पूरी होने के बाद इन मामलों में दस्तावेजी और प्रशासनिक स्तर पर स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद बढ़ गई है।

भोपाल के पास 17 एकड़ जंगल में खनन अनुमति का आरोप

भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने केंद्रीय मंत्री को भेजे पत्र में मामले से जुड़ा एक गंभीर उदाहरण भी सामने रखा है। सांसद के अनुसार, भोपाल के पास मस्तीपुरा गांव में करीब 17 एकड़ घने सरकारी जंगल में खनन की अनुमति दिए जाने का आरोप है। सांसद ने दावा किया है कि इस मामले में कलेक्टर की जांच रिपोर्ट में भी संबंधित जमीन पर जंगल होने की पुष्टि हुई थी। इसके बावजूद वहां खनन की अनुमति दिए जाने को लेकर उन्होंने सवाल उठाए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित पर्यावरणीय मंजूरी केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के परिवेश पोर्टल पर दर्ज नहीं है। सांसद के मुताबिक, यदि किसी परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी का रिकॉर्ड ही केंद्रीय पोर्टल पर उपलब्ध नहीं है तो उसकी वैधानिक स्थिति की गंभीरता से जांच की जरूरत है। हालांकि, इन आरोपों पर अंतिम निष्कर्ष केंद्र की जांच रिपोर्ट और न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही सामने आएगा।

सांसद ने बताया पर्यावरणीय नुकसान की बड़ी साजिश

केंद्रीय मंत्री को भेजे पत्र में सांसद ने पूरे मामले को पर्यावरण संरक्षण और सरकारी भूमि की सुरक्षा से जोड़ते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि यदि सरकारी जंगलों और पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में नियमों को दरकिनार कर खनन की अनुमति दी गई है तो इससे न केवल पर्यावरण को नुकसान हो सकता है, बल्कि सरकारी जमीन की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े होते हैं। सांसद ने विवादित 237 मंजूरियों को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने और जिन अधिकारियों की भूमिका सामने आए, उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

सांसद की शिकायत के जवाब में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया कि मंत्रालय की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ने मामले की जांच पूरी कर ली है और रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। केंद्र ने हालांकि यह भी स्पष्ट किया है कि जांच पूरी होने का अर्थ तत्काल प्रशासनिक कार्रवाई नहीं है। मामले में सुप्रीम कोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। यानी अब जांच रिपोर्ट तैयार होने के बाद भी केंद्र सरकार न्यायिक दिशा-निर्देशों का इंतजार करेगी।

सिया की भूमिका पर भी उठे सवाल

इस पूरे विवाद में मध्यप्रदेश स्टेट एनवायरोमेंट इम्पैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी यानी सिया की भूमिका भी सवालों के घेरे में आई है। सांसद के पत्र में आरोप लगाया गया है कि 237 विवादित मामलों में वैधानिक प्रक्रिया के बजाय अधिकारियों ने पर्यावरणीय मंजूरियां जारी कीं। वहीं दूसरी ओर, सिया द्वारा वैधानिक प्रक्रिया के तहत जारी किए गए कुछ अन्य मामलों के भी परिवेश पोर्टल पर दर्ज नहीं होने का मुद्दा सामने आया है। इससे सवाल यह उठता है कि पर्यावरणीय मंजूरियों के रिकॉर्ड को केंद्रीय पोर्टल पर अपडेट करने की प्रक्रिया में चूक कहां हुई और इसके लिए जिम्मेदार कौन है।

मेंबर सेक्रेटरी बदले जाने का भी मामला

परिवेश पोर्टल पर प्रकरण दर्ज नहीं होने को लेकर सिया के तत्कालीन चेयरमैन द्वारा तत्कालीन मुख्य सचिव अनुराग जैन से शिकायत किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। इसके बाद सिया के मेंबर सेक्रेटरी को बदला गया था। अब इस घटनाक्रम को भी 237 डीम्ड पर्यावरणीय मंजूरियों के विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। जांच में यह स्पष्ट होना महत्वपूर्ण होगा कि पोर्टल पर रिकॉर्ड दर्ज न होने के पीछे तकनीकी, प्रशासनिक या प्रक्रिया संबंधी कारण क्या थे और क्या इसके कारण किसी परियोजना को अनुचित लाभ मिला।

गुरनूर बरार ने प्रसिद्ध कृष्णा पर बढ़ाया दबाव

वॉर्मअप मैच में पंत के प्रदर्शन ने बढ़ाई चिंता देवदत्त ने नंबर-3 पर किया मजबूत दावा

कोलंबो,एजेंसी। श्रीलंका दौरे की शुरूआत भारतीय टीम के लिए शानदार जीत के साथ हुई। भारत ने तीन दिवसीय वॉर्म-अप मुकाबले में श्रीलंका क्रिकेट इलेवन को छह विकेट से हराया। 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने टीम को आसान जीत दिलाई। इसके बावजूद भारतीय टीम मैनेजमेंट को पहले टेस्ट से पहले कई अहम सवालों के जवाब मिल गए। भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाना है। वॉर्म-अप मैच में कुछ खिलाड़ियों ने अपनी दावेदारी मजबूत की, जबकि कुछ के प्रदर्शन ने टीम मैनेजमेंट की चिंता बढ़ाई है। इस मुकाबले का सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू देवदत्त पडिक्कल का प्रदर्शन रहा। कर्नाटक के बाएं हाथ के बल्लेबाज ने नाबाद 142 रन की शानदार पारी खेलकर नंबर-3 की जगह पर अपनी दावेदारी बेहद मजबूत कर दी है। पडिक्कल ने तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों के खिलाफ सहजता से बल्लेबाजी की।

उनकी फुटवर्क शानदार रही और उन्होंने जरूरत के मुताबिक आक्रामक शॉट भी लगाए। कुल मिलाकर वॉर्म-अप मुकाबले ने भारत को पहले टेस्ट से पहले कई अहम संकेत दिए हैं। पडिक्कल ने नंबर-3 की जगह मजबूत कर ली है, गिल ने

अपनी फिटनेस साबित कर दी है और गुरनूर ने दूसरे तेज गेंदबाज के लिए प्रसिद्ध कृष्णा को कड़ी चुनौती दी है। दूसरी ओर पंत का शॉट चयन टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। इन संकेतों के आधार पर 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम की संभावित प्लेइंग-11 की तस्वीर अब काफी हद तक साफ नजर आ रही है।

दोनों पारियों में जल्दबाजी में पंत ने गंवाया अपना विकेट

ऋषभ पंत का प्रदर्शन टीम मैनेजमेंट के लिए चिंता का विषय जरूर बना हुआ है। दोनों पारियों में पंत ने जल्दबाजी में अपना विकेट गंवाया। दोनों ही मौकों पर वह आगे बढ़कर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में डीप में खड़े फील्डर को कैच दे बैठे। पंत भारतीय टेस्ट टीम के सबसे महत्वपूर्ण बल्लेबाजों में से एक हैं, लेकिन उन्हें अपने पुराने अंदाज और निरंतरता को वापस पाने की जरूरत है। टीम मैनेजमेंट पहले ही संकेत दे चुका है कि जरूरत पड़ने पर वह कड़े फैसले लेने से पीछे नहीं हटेगा। वॉर्म-अप मैच में ध्रुव जुरेल बल्ले से भले ही प्रभावित नहीं कर सके, लेकिन वह पंत के लिए चुनौती बने हुए हैं। मुकाबले के दौरान पंत और जुरेल दोनों ने अलग-अलग समय पर विकेटकीपिंग की।

शुभमन गिल फिट, गॉल टेस्ट में खेलेंगे

भारतीय कप्तान शुभमन गिल के दाहिने हाथ में चोट लगने के बाद पहले टेस्ट में उनकी उपलब्धता को लेकर चिंता थी। वह वॉर्म-अप मैच के शुरूआती दो दिन मैदान पर भी नहीं उतरे। इससे उनकी फिटनेस को लेकर सवाल और बढ़ गए थे। हालांकि तीसरे दिन गिल ने पहले लंबा नेट सत्र किया और इसके बाद 207 रन के लक्ष्य का पीछा करने के लिए मैदान में उतरे। उन्होंने 44 रन की पारी खेली और पूरी तरह सहज नजर आए। उनकी बल्लेबाजी ने साफ कर दिया कि वह गॉल टेस्ट में न सिर्फ खेलेंगे, बल्कि कप्तान के रूप में टीम की अगुआई भी करेंगे।

दूसरे तेज गेंदबाज के लिए प्रसिद्ध और बरार के बीच जंग

श्रीलंका की परिस्थितियों को देखते हुए भारत के दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरने की संभावना है। मोहम्मद सिराज की जगह लगभग तय मानी जा रही है, लेकिन दूसरे तेज गेंदबाज के लिए प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार के बीच मुकाबला है। वॉर्म-अप मैच में गुरनूर ने प्रसिद्ध से बेहतर प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी मजबूत कर दी। उन्होंने शॉर्ट-बॉल का प्रभावी इस्तेमाल करते हुए श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के बल्लेबाजों को परेशान किया। इतना ही नहीं, गुरनूर ने बल्ले से भी प्रभावित किया। उन्होंने पहली पारी में महज 18 गेंदों पर चार छक्कों की मदद से 36 रन की तेज पारी खेली।

वेस्टइंडीज को साल 2027 एकदिवसीय विश्व कप में प्रवेश के लिए खेलने होंगें क्वालीफायर मुकाबले

सीधे प्रवेश की संभावनाएं समाप्त

जमैका । वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में सीधे प्रवेश नहीं मिलेगा और उसे अब क्वालीफायर मुकाबले खेलने होंगे। ये पहली बार नहीं है जब दो बार की चैम्पियन वेस्टइंडीज को क्वालीफायर मैच खेलने मजबूर होना पड़ा है। इससे पहले वह दो बार साल सीधे प्रवेश में असफल रही है। अब वेस्टइंडीज को साल 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित होने वाले विश्व कप में अपनी जगह बनाने के लिए क्वालीफायर मुकाबलों में कड़ा संघर्ष करना होगा।

वेस्टइंडीज के सीधे प्रवेश की अटकलें अफगानिस्तान की आयरलैंड के खिलाफ जीत के साथ ही समाप्त हो गयीं। पांच मैचों की सीरीज के दूसरे बारिश से प्रभावित एकदिवसीय मैच में अफगानिस्तान ने आयरलैंड को 92 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया। इस जीत के साथ ही अफगानिस्तान ने साल 2027 के एकदिवसीय विश्व कप के लिए सीधे प्रवेश हासिल कर लिया है। वहीं आयरलैंड बाहर हो गया है।

वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए यह पहली बार नहीं है जब वह सीधे ही विश्व कप में प्रवेश से वंचित रही है। इससे पहले भी टीम साल 2019 और 2023 के एकदिवसीय विश्व कप में सीधे क्वालीफाई नहीं कर पायी थी। वहीं साल 2019 में टीम ने क्वालिफायर मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन कर मुख्य टूर्नामेंट का टिकट हासिल कर लिया था पर साल 2023 में भारत में हुए विश्व कप क्वालिफायर्स में हार के साथ ही वह बाहर हो गयी थी। तब पहली बार दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज टीम मुख्य विश्व कप में शामिल नहीं रही।

आईसीसी द्वारा निर्धारित क्वालिफिकेशन के नियमों पर नजर डालें तो इस बार मेजबान देश होने के नाते दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे को पहले ही सीधा प्रवेश मिल चुका है। इनके अलावा सात अन्य टीमों का फैसला आईसीसी की एकदिवसीय टीम रैंकिंग के आधार पर होना है, जिसके लिए अंतिम समय सीमा 30 सितंबर 2026 तय की गई है एकदिवसीय रैंकिंग के आंकड़ों को देखें तो वेस्टइंडीज की टीम आईसीसी रैंकिंग में 10वें स्थान पर फिसल गयी है। वहीं अफगानिस्तान आठवें, बांग्लादेश नौवें और जिम्बाब्वे 11वें स्थान पर है। रैंकिंग तालिका में शीर्ष नौ स्थानों पर रहने वाली टीमों को विश्व कप में सीधा प्रवेश मिलेगा। वेस्टइंडीज की टीम के पास अपनी रैंकिंग बेहतर कर नौवे स्थान पर आने का कोई अवसर नहीं है।

लक्ष्मण बोले सीआई में ही रहूंगा, मेरे मुख्य चयनकर्ता बनने की अटकलें गलत

बेंगलुरु। पूर्व क्रिकेटर और बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) प्रमुख प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कहा है कि उनके मुख्य चयनकर्ता बनने की जो बातें कहीं जा रही हैं, वे सही नहीं हैं। वह अभी सीओई में ही रहेंगे और अजीत अगरकर की जगह मुख्य चयनकर्ता बनने का उनका कोई इरादा नहीं है।

इससे पहले आई कुछ रिपोर्ट में कहा जा रहा था कि वह अगरकर की जगह मुख्य चयनकर्ता पद संभाल सकते हैं पर लक्ष्मण ने इन सभी दावों का खंडन करते हुए कहा कि उन्होंने बीसीसीआई से कहा है वह सीओई प्रमुख के तौर पर अपने लक्ष्य पूरे करेंगे और कोई अन्य पद नहीं संभालेंगे। इस घोषणा से क्रिकेट प्रशंसकों के बीच मुख्य चयनकर्ता पद में बदलाव को लेकर जारी अटकलें समाप्त हो गयी हैं। लक्ष्मण ने कहा कि बीसीसीआई ने उन्हें सीओई में अपने लक्ष्य हासिल करने की लागू करने की पूरी आजादी दी है, जिसके चलते उन्होंने अपना कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा दिया है। लक्ष्मण ने कहा, बीसीसीआई ने मुझे अपने विजन को लागू करने की आजादी दी और बोर्ड सचिव देवजीत सेकिया ने भी मुझे यह आजादी दी हैं, इसलिए मैंने अपना कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा दिया है।

राहुल से बल्लेबाजी टिप्स लेकर सिराज ने लगातार तीन छक्के लगाकर भारत को दिलायी जीत

कोलंबो । भारतीय टीम ने यहां श्रीलंकाई एकादश के खिलाफ हुए अभ्यास मैच को छह विकेट से जीत लिया। इस मैच में अंतिम दिन भारतीय टीम को जीत के लिए 16 रन बनाने थे जो बल्लेबाजी कर रहे मोहम्मद सिराज ने लगातार तीन छक्के लगाकर बना लिए। सिराज को इस प्रकार छक्के लगाते देख सभी हैरान हो गये। सिराज की अच्छी बल्लेबाजी के पीछे बल्लेबाज केएल राहुल की मुख्य भूमिका रही।

सिराज को एक दिन पहले ही के एल राहुल के साथ हुआ बल्लेबाजी अभ्यास करते देखा गया। इस दैरान राहुल ने उन्हें जरुरी टिप्स दिये। राहुल ने सिराज जैसे निचले क्रम के बल्लेबाज को कुछ अहम बल्लेबाजी टिप्स दिए जिसका लाभ उन्हें मिला। राहुल ने जो बातें सिराज को बतायीं उससे वह लाभ उठाने में सफल रहे। सिराज ने कठिन हालातों में रन बनाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी। मैच का अंतिम ओव केशरा नुवांथा ने किया। तब सिराज ने पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। इसके बाद उन्होंने अगल दो गेंदों पर भी छक्के लगाकर मैच में भारतीय टीम को जीत दिला दी। सिराज ने अपनी पारी में 4 छक्के और एक चौके की सहायता से मात्र 15 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने के साथ ही खिताब भी जिताया। सिराज से पहले गुरनूर बरार ने भी अंतिम ओवर में चार छक्के लगाकर भारतीय दल को अपने प्रदर्शन से हैरान कर दिया था।

एकदिवसीय में एक ही ओवर में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड है गिब्स सहित इन बल्लेबाजों के नाम

मुम्बई। दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रहे हर्शल गिब्स सहित कुछ ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से एक ही ओवर में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड बनाने के साथ ही मैच का रुख भी बदल दिया। इस दौरान इनके सामने विरोधी टीमों के गेंदबाज बेबस दिखे।

हर्शल गिब्स

इस सूची में सबसे पहले गिब्स का नाम आता है। साल 2007 के एकदिवसीय विश्व कप में गिब्स ने सेंट किट्स के मैदान पर नीदरलैंड्स के खिलाफ एक ऐतिहासिक पारी खेलकर नया रिकार्ड बनाय। ऐसा अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में पहले कभी नहीं हुआ था। लेग स्पिनर डैन वैन बंज के खिलाफ गिब्स ने लगातार छह गेंदों पर छह छक्के लगा दिए और एकदिवसीयइतिहास में एक ओवर में 36 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने। वैन इस दौरान गिब्स के सामने असहाय दिखे। यह ओवर विश्व कप इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक बन गया।

जसकरन मल्होत्रा

वहीं साल 2021 में अमेरिकी बल्लेबाज जसकरन मल्होत्रा ने पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) के खिलाफ अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया। जसकरन ने पीएनजी के गेंदबाज गौडी टोका की सभी छह गेंदों पर छक्के जड़े और गिब्स की तरह एक ओवर में 36 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। जसकरन ने इस प्रकार दिखाया कि एसोसिएट देशों के क्रिकेटर भी किसी मामले में पीछे नहीं हैं।

थिसारा परेरा

श्रीलंका के ऑलराउंडर थिसारा परेरा भी एक धमाकेदार बल्लेबाज रहे हैं। साल 2013 में पालेकेले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने रोबिन पीटरसन के एक ओवर में 35 रन बना दिये। परेरा ने ओवर की पहली गेंद पर छक्का लगाया। जिसके बाद एक वाइड और लगातार तीन छक्के मारे। पांचवीं गेंद पर एक चौका और अंतिम गेंद पर फिर छक्का लगाकर परेरा ने कुल 35 रन बटोरे, इस प्रकार ये एकदिवसीय इतिहास का दूसरा सबसे महंगा ओवर साबित हुआ।

एबी डिविलियर्स

दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स भी एक आक्रामक बल्लेबाज रहे हैं। साल 2015 विश्व कप के दौरान सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर के खिलाफ डिविलियर्स ने चौकों-छक्कों की बौछार कर दी। डिविलियर्स ने ओवर की शुरुआत चौके से की, जिसके बाद अगली गेंद नो-बॉल पर छक्का, फिर दो रन, फिर एक और नो-बॉल पर चौका।

सनवीर शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में सबसे महंगे बिके

मोहाली । ऑलराउंडर सनवीर सिंह आगामी शेर-ए-पंजाब टी20 लीग की नीलामी में सबसे महंगे बिके हैं। सनवीर को फाजिल्का फाल्कन्स ने करीब 13.20 लाख रुपये की मोटी कीमत पर खरीदा है। इसके साथ ही सनवीर को अब भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और फाजिल्का फाल्कन्स के मार्की खिलाड़ी शुभमन गिल के साथ मैदान साझा करने का अवसर मिलेगा जिससे उन्हें काफी कुछ सीखने को मिलेगा। पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) द्वारा आयोजित शेर-ए-पंजाब टी20 लीग को राज्य के उभरते खिलाड़ियों को एक मंच उपलब्ध कराने के लिए खोला गया है। पीसीए अध्यक्ष अमरजीत सिंह मेहता ने ए कहा, हमने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ मिलकर इस सपने को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत की है और अब यह पूरा होने के करीब है। उन्होंने साथ ही कहा कि मोहाली के पीसीए स्टेडियम में खेलना हर क्रिकेटर का सपना होता है, और इस लीग से पंजाब भर के खिलाड़ियों को इस प्रतिष्ठित मैदान पर खेलने, बहुमूल्य अनुभव प्राप्त करने और अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के अवसर मिलेंगे।

नीलामी में सनवीर के अलावा भी कई खिलाड़ियों पर बड़ी बोलियां लगीं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा और क्षमता के आधार पर टीमों का ध्यान खींचा है। वहीं नमन धीर को अमृतसर सूरमाज ने 10.80 लाख रुपये में खरीदा। वहीं मोहाली किंग्स ने अमोलप्रीत सिंह को 8.20 लाख रुपये में जबकि बठिंडा रॉयल्स ने हरनूर सिंह और अश्वनी कुमार को सात-सात लाख रुपये की कीमत पर शामिल किया। जालंधर वॉरियर्स ने सुखदीप बाजवा के लिए छह लाख रुपये खर्च किए। हरप्रीत बराड़ को मोहाली किंग्स ने चार लाख रुपये और अनुभवी स्पिनर मयंक मार्कंडे को अमृतसर सूरमाज ने 1.5 लाख रुपये में खरीदा। इस लीग में विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह टीमें फाजिल्का फाल्कन्स, अमृतसर सूरमाज, लुधियाना लायंस, जालंधर वॉरियर्स, मोहाली किंग्स और बठिंडा रॉयल्स भाग लेंगी। आगामी सत्र में पंजाब के कई प्रमुख क्रिकेटर मार्की खिलाड़ियों के रूप में इस लीग में खेलते नजर आएंगे, जिनमें शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, अर्शदीप सिंह, प्रभसिमरन सिंह, रमनदीप सिंह और गुरनूर बराड़ शामिल हैं। इन सभी मार्की खिलाड़ियों को टीमों ने 10-10 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा है। इस लीग का आयोजन 30 अगस्त से 13 सितंबर तक किया जाएगा।

शमी फिट है तो उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ले जाना चाहिये - जहीर

मुम्बई । पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा है कि अगर अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फिट है तो उन्हें आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिये। शमी के अनुसार दक्षिण अफ्रीका की तेज और उछाल भरी पिचों पर शमी काफी प्रभावी साबित हो सकते हैं। शमी ने पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके बाद भी उन्हें टीम में वापसी का अवसर नहीं मिल पा रहा रहा है। शमी ने टीम इंडिया के लिए किसी भी प्रारुप में एक साल से नहीं खेला है। इस दौरान हालांकि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए और अपनी फिटनेस को भी साबित किया है पर टीम मैनेजमेंट उन्हें लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं। जिस प्रकार से टीम मैनेजमेंट आगामी बड़े टूर्नामेंट के लिए युवा तेज गेंदबाजों को अवसर दे रहा है उसका इस अनुभवी तेज गेंदबाज की वापसी कठिन नजर आती है हालांकि

कई पूर्व क्रिकेटरों ने शमी की वापसी का समर्थन किया है। वहीं इसी को लेकर जहीर ने कहा, 卐जब कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसे निश्चित रूप से टीम की योजनाओं में शामिल किया जाना चाहिए, शमी को लेकर अभी ऐसा नहीं नहीं दिख रहा है। शमी को विश्व कप के लिए टीम में जगह मिलनी चाहिए 卐

उन्होंने आगे कहा, 卐मुझे नहीं पता कि टीम प्रबंधन इस बारे में क्या सोच रहा है। यह फैसला हेड कोच, चयनकर्ता और कप्तान ही करेंगे पर मेरी राय में अगर शमी फिट और उपलब्ध हैं तो भारत को उनके जैसे अनुभवी गेंदबाज को दक्षिण अफ्रीका ले जाना चाहिए.卐

वहीं चयनकर्ताओं ने शमी की टीम इंडिया में वापसी नहीं होने को लेकर तर्क दिया था कि उनकी फिटनेस एक बड़ी समस्या है। इसके कारण चयन समिति के प्रमख्य अजीत अगरकर और शमी के बीच बयानबाजी का एक दौर भी चला था।

कुलदीप को लेकर बोले रहाणे, लगातर अंदर बाहर होने से प्रभावित होती है लय

मुम्बई। हाल ही में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय टीम के बल्लेबाज आजिंक्य रहाणे ने कहा है कि लय टूटने से खिलाड़ियों को वापसी के दौरान परेशानी होती है। रहाणे ने ये बात युवा स्पिनर कुलदीप यादव को लेकर कही है। रहाणे के अनुसार कुलदीप को टीम में जिस प्रकार से अंदर-बाहर किया जा रहा है उससे उनका प्रदर्शन प्रभावित हो रहा है। रहाणे ने कहा कि अंतिम ग्यारह में अगर किसी खिलाड़ी को बार-बार अंदर-बाहर किया जाता है तो लय खराब होने के साथ ही उसका मनोबल भी कम होता है। -रहाणे ने ये बात इसलिए कही है क्योंकि कुलदीप के श्रीलंका के बीच आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है और ये पूरी संभावना है कि वह उन्हें, भारतीय स्पिन चौकड़ी का हिस्सा बनाया जा सकता है। वहीं इससे पहले उन्हें इंग्लैंड दौरे में जगह नहीं मिली थी। रहाणे ने कहा, मुझे लगता है कि कुलदीप ने पिछले चार-पांच सालों में अपने खेल में काफी सुधार किया है। उन्होंने अपनी गेंदों की गति और विविधता पर काम किया है। अंतिम ग्यारह में बार-बार अंदर-बाहर होने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए यह हालांकि कठिन होता है, क्योंकि क्रिकेट लय का खेल है, चाहे आप बल्लेबाजी कर रहे हों या गेंदबाजी 卐 रहाणे ने कुलदीप की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें एक बेहतरीन स्पिनर और मैच विजेता खिलाड़ी करार दिया। गौरतलब है कि कुलदीप ने साल 2017 में धर्मशाला में अपना टेस्ट डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। रहाणे ने उस डेब्यू मैच को याद करते हुए कहा, कुलदीप एक बेहतरीन स्पिनर हैं। इसीलिए मैंने धर्मशाला में उन पर भरोसा जताया था। मुझे पता था कि वो विकेट लेने में माहिर हैं। हालांकि उस समय वो अनुभवी नहीं थे, लेकिन मुझे विश्वास था कि उन्हें उस स्थिति में उतारना फायदेमंद होगा।卐 गौरतलब है कि अपने लगभग नौ साल के करियर में, कुलदीप केवल 18 टेस्ट मैच ही खेल पाए हैं, जिनमें उनके नाम 79 विकेट हैं। भारतीय टीम में उनका चयन अनियमित रहा है, जिससे उन्हें लगातार मौके नहीं मिल पाए हैं, और यही उनके करियर में उतार-चढ़ाव की मुख्य वजह रही है।

रहाणे ने कहा कि खिलाड़ियों को लगातार समर्थन देना बेहद जरुरी है, खासकर वे जो मैच जिताने की क्षमता रखते हों। उन्होंने आगे कहा, एक टेस्ट खेलने के बाद अगले चार-पांच टेस्ट में बेंच पर बैठना आसान नहीं होता। लय बहुत जरूरी है, खासकर गेंदबाजों के लिए। रहाणे ने कुलदीप के प्रदर्शन में सुधार और उनकी बढ़ी हुई आत्मविश्वास पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा, हर दिन गेंद आपके हाथ से एक ही तरह से नहीं निकलती। लगातार खेलने से धीरे-धीरे लय आ जाती है और आप लगातार अच्छा प्रदर्शन कर पाते हैं। कुलदीप के सुधार से मैं बहुत खुश हूं। जब भी उन्हें सफेद गेंद के क्रिकेट में मौका मिला, उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है।

टीम इंडिया के बांग्लादेश दौरे पर संशय बरकरार, सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रही बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के इसी माह के अंत में प्रस्तावित बांग्लादेश दौरे पर संशय बना हुआ है। इसी कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अभी तक इस दौरे की पुष्टि नहीं कर पाया है। बोर्ड इस मामले में केंद्र सरकार से अनुमति का इंतजार कर रहा है क्योंकि हाल के दिनों में दोनो देशों के बीच राजनीतिक तनाव को देखते हुए हालात पहले जैसे नहीं रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई अधिकारियों का मानना है कि वर्तमान हालातों में वे अपने स्तर पर इस दौरे को लेकर अंतिम फैसला नहीं कर सकते हैं। इसी कारण बोर्ड जल्द ही भारत सरकार से इस मामले में औपचारिक अनुमति मांगेगा। इसी के देखते हुए सरकार की मंजूरी मिलने के बाद ही दौरे को लेकर आगे की योजना तय की जाएगी। दूसरी ओर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि वह सीरीज की मेजबानी को लेकर बीसीसीआई के साथ संपर्क में बना हुआ है। बीसीबी को उम्मीद है कि जल्द ही दौरे को लेकर स्थिति अंतिम फैसला आ जाएगा।

गौरतलब है कि बीसीबी ने इस दौरे के लिए 29 अगस्त से 15 सितंबर तक का विंडो रखा है। इसमें तीन एकदिवसीय और तीन टी20 अंतराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे। इस कार्यक्रम के तहत ही एकदिवसीय मैच 1, 3 और 6 सितंबर को जबकि टी20 मैच 9, 12 और 13 सितंबर को रखे गये हैं। भारतीय टीम के 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचने की उम्मीद है, हालांकि यह पूरा कार्यक्रम फिलहाल संभावित ही है और भारत सरकार की अनुमति मिलने के बाद ही इसे अंतिम रूप दिया जा सकेगा।

इस दौरे पर अनिश्चितता की मुख्य वजह पिछले कुछ समय से दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों में आई खटास है। इस साल की शुरुआत में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 की टीम से रिलीज करने का निर्देश दिए जाने के बाद मामला और गंभीर हो गया था। मुस्तफिजुर को आईपीएल 2025 के ऑक्शन में केकेआर ने 9.20 करोड़ रुपये की बड़ी रकम देकर खरीदा था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने उस समय इस फैसले के पीछे दोनों देशों के बीच हालिया घटनाक्रम का हवाला दिया था।

इस विवाद के बाद बांग्लादेश में भी तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली, जिसके कुछ ही समय बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत में आयोजित हुए टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भाग न लेने का फैसला किया।

भारतीय टीम को विश्वकप जिताने वाले कर्स्टन, अब श्रीलंकाई टीम को जीत दिलाने बना रहे रणनीति

कोलंबो । भारतीय क्रिकेट टीम को 2011 एकदिवसीय विश्वकप जीत के दौरान मुख्य कोच रहे गैरी कर्स्टन अब श्रीलंकाई टीम के कोच हैं। कर्स्टन भारत और श्रीलंकाई एकादश के अभ्यास मैच के दौरान वह अंतिम दिन बाउंड्री लाइन के करीब घूमते दिखे। कर्स्टन श्रीलंकाई खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देख रहे थे। कर्स्टन की इस दौरान भारतीय तेज गेंदबाज गुरनूर बरार और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार से मुलाकात हुई। कर्स्टन इन दोनो खिलाड़ियों को आईपीएल से ही जानते हैं। कर्स्टन जहां साल 2022 से 2024 तक गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाजी कोच रहे थे। वहीं ये दोनो नेट गेंदबाज थे। भारतीय टीम के थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट रघु से भी कर्स्टन मिले। गौरतलब है कि कर्स्टन भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल कोचों में से एक हैं। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। इसमें साल 2011 का ऐतिहासिक विश्व कप भी शामिल था। तब जिस भारतीय टीम की कमजोरियों को दूर करना कभी उनकी जिम्मेदारी थी, अब उसी के खिलाफ उन्हें श्रीलंकाई कोच- के तौर पर रणनीति बनानी हैं। अभ्यास मैच के आखिरी दिन उन्हें भारत के कई अहम खिलाड़ियों को करीब से देखने और समझने का मौका मिला, जो आगामी सीरीज के लिए उनकी रणनीति में अहम साबित होगा।

राहुल से बल्लेबाजी टिप्स लेकर सिराज ने लगातार तीन छक्के लगाकर भारत को दिलायी जीत

कोलंबो । भारतीय टीम ने यहां श्रीलंकाई एकादश के खिलाफ हुए अभ्यास मैच को छह विकेट से जीत लिया। इस मैच में अंतिम दिन भारतीय टीम को जीत के लिए 16 रन बनाने थे जो बल्लेबाजी कर रहे मोहम्मद सिराज ने लगातार तीन छक्के लगाकर बना लिए। सिराज को इस प्रकार छक्के लगाते देख सभी हैरान हो गये। सिराज की अच्छी बल्लेबाजी के पीछे बल्लेबाज केएल राहुल की मुख्य भूमिका रही।

सिराज को एक दिन पहले ही के एल राहुल के साथ हुआ बल्लेबाजी अभ्यास करते देखा गया। इस दैरान राहुल ने उन्हें जरुरी टिप्स दिये। राहुल ने सिराज जैसे निचले क्रम के बल्लेबाज को कुछ अहम बल्लेबाजी टिप्स दिए जिसका लाभ उन्हें मिला। राहुल ने जो बातें सिराज को बतायीं उससे वह लाभ उठाने में सफल रहे। सिराज ने कठिन हालातों में रन बनाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी।

मैच का अंतिम ओव केशरा नुवांथा ने किया। तब सिराज ने पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। इसके बाद उन्होंने अगल दो गेंदों पर भी छक्के लगाकर मैच में भारतीय टीम को जीत दिला दी।

सिराज ने अपनी पारी में 4 छक्के और एक चौके की सहायता से मात्र 15 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने के साथ ही खिताब भी जिताया। सिराज से पहले गुरनूर बरार ने भी अंतिम ओवर में चार छक्के लगाकर भारतीय दल को अपने प्रदर्शन से हैरान कर दिया था।

टीएल बैठक में हुई समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 10 अगस्त को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा (टीएल) बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कलेक्टर कुमार सत्यम ने समय सीमा संबंधी प्रकरणों की समीक्षा कर उनके निराकरण के निर्देश दिये। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे, श्री डी.पी. बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, एमआर कोल, विजय यादव, एसडीएम गोपाल सोनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

हर घर तिरंगा अभियान की गतिविधियों को लेकर दिए निर्देश

बैठक में सर्वप्रथम 9 अगस्त से प्रारंभ हुए हर घर तिरंगा अभियान की समीक्षा की गई। सभी जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि 17 अगस्त तक अभियान के तहत विविध गतिविधियों का आयोजन करें और आमजन को अपने घर पर तिरंगा झंडा फहराने के लिए प्रोत्साहित करें। जिला शिक्षा अधिकारी, सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक, महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी को शालाओं एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में निबंध, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, नारे लेखन, मेहंदी, रंगोली आदि प्रतियोगिताओं के आयोजन के निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई के आवेदनों का समय पर निराकरण करने के निर्देश

बैठक में सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्परता के साथ निराकरण किया जाए। कोई भी आवेदन निराकरण के लिए लंबित नहीं रहना चाहिए। प्रत्येक सोमवार को होने वाली समय सीमा बैठक में जनसुनवाई के प्रकरणों के निराकरण की साप्ताहिक प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

खाद्य प्रतिष्ठानों की प्रतिदिन जांच के निर्देश

कलेक्टर कुमार सत्यम ने खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को खाद्य सामग्री तैयार करने एवं विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की प्रतिदिन जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को उनके द्वारा की गई जांच एवं लिए गए सैंपल की साप्ताहिक रिपोर्ट टीएल बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

छात्रावासों में अग्निशामक यंत्रों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

कलेक्टर ने सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग कल्याण को निर्देशित किया कि जिले के सभी छात्रावासों में अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए अग्निशामक यंत्र कार्यशील अवस्था में रखे जाएं। छात्रावास अधीक्षकों को अग्निशामक यंत्र चलाने का प्रशिक्षण दिया जाए तथा इन यंत्रों की समय-समय पर रिपेयरिंग एवं मेंटेनेंस कराया जाए।

खतरनाक भवनों में स्कूल, आंगनवाड़ी और छात्रावास संचालित नहीं करने के निर्देश

कलेक्टर श्री कुमार ने जिला शिक्षा अधिकारी, सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी को प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए कि जिले में किसी भी खतरनाक भवन में स्कूल, आंगनवाड़ी एवं छात्रावास संचालित नहीं हो रहा है।

किसानों के लिए पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश

बैठक में उपसंचालक कृषि एवं जिला विपणन अधिकारी को जिले में किसानों के लिए उर्वरक का पर्याप्त भंडारण उपलब्ध रखने तथा किसानों को उसका सुगमता से वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सभी एसडीएम को विपणन अधिकारी, उपसंचालक कृषि एवं सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारियों से समन्वय कर अपने क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार उर्वरक का भंडारण कराने के निर्देश दिए गए।

इस दौरान बताया गया कि वर्तमान में जिले में 9700 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। यूरिया की एक रैक 10 अगस्त को तथा एक रैक अगले सप्ताह तक बालाघाट आने की संभावना है। सभी एसडीएम को अपने क्षेत्र के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं पुलिस जवानों के साथ कृषि आदान सामग्री विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की नियमित जांच करने तथा उर्वरक, कीटनाशक एवं बीज आदि के नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए एकत्र करने के निर्देश दिए गए।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री कुमार ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को गंभीरता से ले और तत्परता के साथ उनका निराकरण करें। यदि कोई शिकायत एल-1 स्तर के अधिकारी द्वारा नाट अटेंडेंट पायी जाएगी तो उसके विरूद्ध अर्थदण्ड लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत जिस विकासखंड में शिविर का आयोजन होना है उस विकासखंड की सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का शिविर के दिन तक शत प्रतिशत निराकरण कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि टीएल बैठक में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी। जिनकी प्रगति संतोषजनक नही पायी जाएगी, उनके विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। कलेक्टर श्री कुमार ने सभी एसडीएम को अपने क्षेत्र में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत नियमित रूप से शिविर लगाने, आमजन की समस्याओं का निराकरण करने एवं उनसे संवाद करने के निर्देश दिये।

स्वरोजगार योजनाओं में ऋण प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर जोर

बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री कुमार ने निर्देश दिए कि स्वरोजगार योजनाओं में निर्धारित लक्ष्य की तुलना में अधिक संख्या में प्रकरण तैयार कर बैंकों को प्रेषित किए जाएं। विभागीय अधिकारी प्रत्येक सप्ताह बैंक अधिकारियों से संपर्क कर ऋण प्रकरणों का निराकरण कराएं तथा हितग्राहियों को ऋण वितरण सुनिश्चित करें। टीएल बैठक में स्वरोजगार योजनाओं में ऋण वितरण की साप्ताहिक प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

स्वरोजगार योजनाओं के ऋण प्रकरण में प्रगति लाने के निर्देश

आईटीआई की प्राचार्य एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक को निर्देशित किया गया कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण दिलाना सुनिश्चित करें। बैठक में भीमराव अम्बेडकर स्वरोजगार योजना, टंट्या मामा स्वरोजगार योजना, संत रविदास योजना, भगवान बिरसा मुण्डा योजना, उद्यम क्रांति योजना, कामधेनु योजना, मत्स्योद्योग विभाग की योजना की समीक्षा की गई। इस दौरान चेतावनी दी गई कि ऋण वितरण में प्रगति नही आने पर संबंधित अधिकारी का वेतन रोकने की कार्यवाही की जाएगी।

लोक सेवा गारंटी के प्रकरण समय सीमा में निपटाएं, लापरवाही पर लगेगा जुर्माना

कलेक्टर कुमार सत्यम ने लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि इस अधिनियम का कोई भी प्रकरण समय सीमा से बाहर नही होना चाहिए। लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदन का समय सीमा में निराकरण नही होने पर जिम्मेदार अधिकारी पर जुर्माना लगाने की कार्यवाही की जाएगी।

पेंशन व बीमा योजनाओं में अधिक से अधिक पंजीयन कराएं

बैठक में अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से अधिक से अधिक लोगो को जोडने के निर्देश दिये गए। प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना के अंतर्गत सभी जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप पंजीयन कराने के निर्देश दिये गए। श्रम अधिकारी को श्रमोदय विद्यालय के खेल मैदान के लिए जमीन आवंटित कराने प्रक्रिया के अनुरूप आवेदन करने के निर्देश दिये गए। बैठक में एमपीआरडीसी, प्रधानमंत्री ग्राम सडक, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, लोक निर्माण विभाग एवं सेतु निर्माण संभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये गए कि वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुए पुल पुलियों की शीघ्रता से मरम्मत व सुधार कार्य कराये।

उकवा में आदिवासी कोल समाज ने मनाया विश्व आदिवासी दिवस

पद्मेश न्यूज। उकवा। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी सामाजिक कोल संगठन उकवा द्वारा 9 अगस्त को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर निर्माण के लिए विधि-विधान से भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा माता शबरी एवं भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद मंदिर निर्माण के लिए विधि-विधान से भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन के पश्चात बाजे-गाजे के साथ रैली निकाली गई। रैली में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जय सेवा, जय बड़ा देव तथा भगवान बिरसा मुंडा अमर रहें जैसे नारे लगाए। रैली के बाद मंगल भवन उकवा में मंचीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत उकवा की सरपंच श्रीमती रामवती उयके रहीं। विशिष्ट अतिथियों में ग्राम पंचायत हीरापुर की सरपंच श्रीमती शांति वेद प्रकाश दीवान, ग्राम पंचायत उकवा के उपसरपंच शिव शंकर तिवारी सहित राकेश कटौते, पीतम कटौते, रामनाथ रौतेल, सुशीला जूगेंद्र, मनीष कटौते, ललिता रौतेल, जैक्सन सर्वांग, रमेश कुमार कुमरे, झल्लू राम रौतेल, कृष्णा कटौते, विनय रौतेल, कांता प्रसाद, बंसी कटौते, बेबी बाई, राम भाई कठौते, अनारकली रौतेल, श्रीमती बुआ, सचिन कटौते, विकेश कटौते, सुजीत कटौते, राजू रौतेल, राजेश बालेश्वर, कुलदीप निकोंसे सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे। मंचीय कार्यक्रम में अतिथियों का पुष्पमाला एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने विश्व आदिवासी दिवस के महत्व के साथ माता शबरी एवं भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और आदिवासी समाज के लिए उनके योगदान पर प्रकाश डाला।वक्ताओं ने कहा कि माता शबरी की भगवान श्रीराम के प्रति भक्ति, समर्पण और प्रतीक्षा समाज के लिए प्रेरणादायी है। वहीं भगवान बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज के जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के लिए संघर्ष करते हुए अपना जीवन बलिदान कर दिया। उनका संघर्ष और बलिदान आज भी आदिवासी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम का मंच संचालन कृष्णा कठौते एवं सुजीत कटौते ने किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी सामाजिक बंधुओं एवं अतिथियों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। आयोजन में समाज के लोगों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

किसान के बेटे रोहित का कमाल, कृषक भारती सहकारी संस्था में प्रशिक्षु अभियंता के पद पर चयन

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी के ग्राम वारी निवासी किसान चमरुलाल लिल्हारे और निशा लिल्हारे के बेटे रोहित लिल्हारे ने अपनी मेहनत और लगन से पूरे जिले का मान बढ़ाया है। किसान परिवार से आने वाले रोहित ने बचपन से ही पढ़ाई के साथ पिता का खेती-किसानी के काम में हाथ बंटाया।

कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी और लगातार अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहे। उनकी मेहनत का परिणाम है कि उनका चयन कृषक भारती सहकारी संस्था में प्रशिक्षु अभियंता के रूप में हुआ है। कृषक भारती सहकारी संस्था देश में किसानों के लिए उर्वरक उत्पादन के क्षेत्र में कार्य करने वाली प्रमुख संस्था है। इसके प्रमुख कार्य केंद्र दिल्ली और गुजरात में स्थित हैं। रोहित का चयन इस प्रतिष्ठित संस्था में होना उनके परिवार के साथ-साथ पूरे लांजी क्षेत्र के लिए गौरव की बात है।

साकेत स्कूल से पढ़ाई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान से बीटेक

रोहित ने कक्षा 12वीं तक की शिक्षा साकेत पब्लिक स्कूल लांजी से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने संयुक्त प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, श्रीनगर में प्रवेश लिया और रासायनिक अभियंत्रण में बीटेक की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने स्नातक अभियंता परीक्षा में 358वीं रैंक हासिल की। वर्तमान में वे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास से रासायनिक अभियंत्रण में एमटेक की पढ़ाई कर रहे हैं। इस दौरान रोहित ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, भारतीय परमाणु विद्युत निगम और गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं में भी साक्षात्कार दिए। हालांकि शुरुआती प्रयासों में सफलता नहीं मिली, लेकिन उन्होंने निराश होने के बजाय अपनी तैयारी जारी रखी। आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई और कृषक भारती सहकारी संस्था में प्रशिक्षु अभियंता के रूप में चयन हुआ। रोहित ने बताया कि वे किसान परिवार से आते हैं। मध्यमवर्गीय परिवार की परिस्थितियों को देखते हुए उनके मन में हमेशा कुछ बेहतर करने का लक्ष्य रहा। उन्होंने मेहनत को अपना हथियार बनाया और लगातार आगे बढ़ते रहे।

भक्ति भाव के साथ जारी है कांवड़ यात्रा, ग्राम भटेरा में हुआ भव्य आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सावन के महीने में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना करने का अलग ही महत्व है। जिसके चलते पूरे महीने शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ रहती है।खासकर सावन के पवित्र महीने में पड़ने वाले सोमवार के मौके पर शिवालयों में खासी भीड़ उमड़ती है।शास्त्रों के अनुसार, इस माह भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा अर्चना करने से भगवान शिव प्रसन्न होते है।और भक्तो की मनमुराद पूरी करते है।शायद यही वजह है इस माह में कांवड़ियों द्वारा जलाशयों से पानी कावड़ में ले जाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विशेष प्रथाएं की जाती है।जिसका एक नजारा आए दिनों की तरह दूसरे सावन सोमवार को भी देखने को मिला। जहां पिछले 2 वर्षो से चली आ रही परंपरा को निभाते हुए हर साल की तरह इस साल भी जिला मुख्यालय से सटे ग्राम पंचायत भटेरा स्थित रामेश्वरम शिव मंदिर से ग्रामीणों द्वारा विशाल कावड़ यात्रा निकाली गई।वैनगंगा नदी के लिए निकाली गई यह कावड़ यात्रा विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए वैनगंगा नदी पहुची।इस कावड़ यात्रा में श्रद्धालुओं का भारी हुजूम देखने को मिला और कावड़िए डीजे में बज रहे भक्ति गीतों पर झूमते नाचते गाते हुए इस यात्रा में शामिल हुए। श्रद्धालु भक्तो ने वैनगंगा नदी से कावड़ में पानी लेकर गांव के सभी मंदिरों में जलाभिषेक किया। वही भगवान भोले की विशेष पूजा अर्चना कर, गांव की सुख समृद्धि की कामनाएं की ।वहीं देर शाम समस्त श्रद्धालु ग्रामीणों को स्वल्पाहार का वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

51 किलो वजनी दिव्य त्रिशूल किया अर्पित

रामेश्वरम शिव सेवा समिति, बाबा महाकाल सेवा समिति एवं महावीर सेवा दल ग्राम भटेरा के संयुक्त तत्वावधान में भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया।कांवड़ यात्रा आस्था, भक्ति और समर्पण का अनूठा संगम बन गया। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी श्रद्धालुओं ने कंधे पर धारण कर कांवड़ और 51 किलो, 16.5 फीट लंबी दिव्य त्रिशूल रामेश्वरम शिव मंदिर से भोलेनाथ की भक्ति एवं जयघोष के साथ कांवड़ यात्रा गांव का भ्रमण करते हुए वैनगंगा नदी स्थित ग्राम भटेरा महामुत्युंजय घाट पहुचे जहा श्रद्धापूर्वक दिव्य त्रिशूल अर्पित करते हुए पुनः पवित्र जल लाकर रामेश्वरम शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया।

सावन मास के दूसरे सावन सोमवार को भक्तों से गुलजार हुआ बाबा भोलेनाथ का द्वार

शिवालयों में गूजां महादेव का जयकारा,भक्तो का लगा ताता, विशेष आराधना में जुटे श्रद्धालु

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भगवान शिव की आराधना का पावन महीना सावन में दूसरे सावन सोमवार पर नगर के तमाम शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर उनकी पूजा अर्चना की। सावन के दूसरे सोमवार पर सुबह 6 बजे से ही मंदिरों में भक्तों की अच्छी-खासी भीड़ दिखाई दी।जहा सुबह स्नान करने के बाद बड़ी तादात में लोग भगवान शिव की पूजा करने के लिए मंदिरों में पहुंचे। जिनके द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना की गई।वही श्रद्धालु भक्तो द्वारा शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, चंदन, अक्षत, शमीपत्र आदि अनेक शुभ वस्तुएं चढ़ाई गई।वही नगर के सभी शिवालयों में सुबह से लेकर देर शाम तक बम बम भोले के जयकारे गूंजते रहे।

सुबह से लेकर देर शाम तक सुनाई दी हर-हर महादेव की गूंज

सावन महीने के दूसरे सोमवार को शहर के शिवालयों में श्रद्धालुओ की अच्छी खासी भीड़ नजर आई। जहा सुबह से लेकर देर शाम तक हर-हर महादेव, जय ओम शिवकारा की गूंज सुनाई दी।अल सुबह से ही श्रद्धालुओं की मंदिरों में भीड़ रही।वहीं शिव मंदिरों के साथ अन्य मंदिरों पर भी दिनभर भक्तों को तांता लगा रहा है। जहा भक्तो द्वारा शिवलिंग का दूध, व जल से अभिषेक किया गया। वही शिवलिंगों को पुष्प, बेल पत्र, आंक, धतूरे से सजाकर महाआरती की गई। इस दौरान मंदिरों में घंटी, घडियाल, शंख व झालर के बीच भोलेनाथ के उद्घोष से माहौल भक्तिमय बना रहा। भक्तिमय माहौल का यह नज़ारा नगर के शंकरघाट, बूढ़ी शिव मंदिर, बैहर चौकी समीप स्थित शिव मंदिर सहित अन्य शिव मंदिरों में देखा गया।जहा इन सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। जहा कई श्रद्धालु भक्तो द्वारा पंडितों की मौजूदगी में शिव महाभिषेक, महामृत्युंजय के जाप,और रुद्राभिषेक किया। वही पंडितों के द्वारा शिव महापुराण पाठ कराकर रात्रि को भगवान भोले की भक्ति में जगराता किया गया।

भक्ति भाव के साथ जारी कांवड़ यात्रा

सावन के महीने में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना करने का अलग ही महत्व है। जिसके चलते पूरे महीने शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ रहती है।खासकर सावन के पवित्र महीने में पड़ने वाले सोमवार और शिवरात्रि के मौके पर शिवालयों में खासी भीड़ उमड़ती है। शास्त्रों के अनुसार, इस माह भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा अर्चना करने से भगवान शिव प्रसन्न होते है।और भक्तो की मनमुराद पूरी करते है।शायद यही वजह है इस माह में कांवड़ियों द्वारा जलाशयों से पानी कावड़ में ले जाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विशेष प्रथाएं की जाती है।जिसका एक नजारा पहले सावन सोमवार की तरह दूसरे सावन सोमवार को भी देखने को मिला। जहा बाबा भोलेनाथ के भक्त वैनगंगा नदी से जल लेकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते नजर आए तो कुछ भक्तो ने कावड़ धारण कर भोलेनाथ के दूर दराज मंदिरों के लिए कावड़ यात्रा शुरू की। जहां श्रद्धालु भक्त वैनगंगा या अन्य जलाशयों का पानी कावड़ में ले जाकर भगवान शिव का जलाभिषेक कर अपनी मनोकामनाओ की पूर्ति में जुटे हुए है।

सुरक्षा के दिखे पुख्ता इंतजाम

सावन माह के दूसरे सोमवार होने और मंदिरों में सुबह से लेकर देर रात तक भीड़ होने के चलते, नगर के तमाम शिव मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम देखने को मिले।जहां किसी भी अनहोनी को रोकने और भीड़ को नियंत्रण करने के लिए पुलिस व्यवस्था मुस्तैद नजर आई। जहां सभी मंदिरों में महिला और पुरुष पुलिसकर्मी श्रद्धालु भक्तों को सुरक्षा प्रदान करते नजर आए।जिसके चलते भारी भीड़ होने के बावजूद भी शांतिपूर्ण तरीके से श्रद्धालु भक्तों द्वारा विशेष पूजा अर्चना कर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए।

तिरंगे की शान, हर भारतीय की पहचान

पद्मेश न्यूज। लांजी। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने के उद्देश्य से सोमवार को साकेत पब्लिक स्कूल लांजी के एनसीसी कैडेट्स ने नगर में साइकिल रैली निकाली। 卐तिरंगे की शान, हर भारतीय की पहचान卐 के संदेश के साथ निकली रैली में कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और नगरवासियों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के प्रति जागरूक किया। 6 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी बालाघाट के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता के निर्देशानुसार आयोजित रैली विद्यालय के संचालक संतोष मोरघड़े के नेतृत्व में निकाली गई। विद्यालय के एनसीसी अधिकारी संदीप कुमार रामटेककर की उपस्थिति में कैडेट्स ने हाथों में तिरंगा लेकर साइकिलों से नगर भ्रमण किया। इस दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से नगर का माहौल देशभक्ति से सराबोर हो गया। रैली विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। एनसीसी कैडेट्स ने नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों में तिरंगा फहराने तथा राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा एवं सम्मान बनाए रखने की अपील की। रैली के समापन अवसर पर विद्यालय संचालक संतोष मोरघड़े ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल राष्ट्रीय ध्वज फहराने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के प्रति सम्मान, गौरव और एकता की भावना को मजबूत करने का अभियान है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वयं जागरूक होने के साथ-साथ अपने परिवार और समाज को भी राष्ट्रप्रेम एवं तिरंगे के सम्मान के लिए प्रेरित करें। साइकिल रैली में विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स के साथ शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी सहभागिता की। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

न्यूज गैलरी

सहेली के घर जाने निकली 19 वर्षीय युवती लापता
अपहरण का मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-7 से सहेली के घर जाने की बात कहकर निकली 19 वर्षीय युवती रहस्यमय ढंग से लापता हो गई। परिजनों द्वारा काफी तलाश किए जाने के बाद भी युवती का कोई सुराग नहीं मिलने पर मामले की सूचना हट्टा पुलिस को दी गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच एवं तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार त्रिशा बुरडे के माता-पिता मजदूरी करते हैं। 9 अगस्त की सुबह करीब 9 बजे त्रिशा हट्टा स्थित चर्च गई थी। दोपहर करीब 2 बजे वह वापस घर लौटी। उस समय परिवार के सभी सदस्य घर पर मौजूद थे। त्रिशा के पिता उसका मोबाइल चला रहे थे। इसी दौरान त्रिशा ने अपने पिता से कहा कि उसे सहेली के घर जाना है और उनसे मोबाइल बाद में देखने की बात कही। इसके बाद त्रिशा सहेली के घर जाने की बात कहकर मोबाइल लेकर घर से निकल गई। शाम तक जब वह वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। परिजन उसकी सहेली के घर पहुंचे लेकिन वहां भी त्रिशा नहीं मिली। इसके बाद आसपास के गांव और पड़ोस में भी उसकी तलाश की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। परिजनों ने नागपुर, आदगांव, तुमसर और बालाघाट सहित अन्य स्थानों पर फोन कर त्रिशा के संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास किया। लेकिन कहीं से भी उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। अंततः परिजन हट्टा थाना पहुंचे और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई ।लापता युवती त्रिशा बुरडे का रंग गोरा, कद करीब 5 फीट और चेहरा लंबा है। उसने बीए प्रथम वर्ष तक पढ़ाई की है। घर से निकलते समय उसने काले रंग की कुर्ती और लाल रंग का पजामा पहन रखा था। वह अपने साथ मोबाइल फोन भी लेकर गई थी। हट्टा पुलिस ने युवती की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने जिलेवासियों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को त्रिशा बुरडे के संबंध में कोई जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। ताकि उसे सुरक्षित बरामद किया जा सके।

3 मोटरसाइकिल की भिड़ंत में 6 घायल, एक की हालत गम्भीर

नीमटोला के पास लांजी-भिलाई मार्ग पर हुआ भीषण हादसा, 112 ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल, उपचार जारी

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। लांजी।

सोमवार की सुबह लांजी-भिलाई मार्ग स्थित ग्राम नीमटोला के समीप उस वक्त चीख पुकार मच गई ,जब तेज रफ्तार 3 मोटरसाइकिल की एक दूसरे से भिढ़ंत हो गई। जहां मोटरसाइकिल आपस में टकराने से हुए इस सड़क हादसे में मोटरसाइकिल में सवार 6 युवक घायल हो गए, जिसमें से एक युवक की हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं सभी घायलों को उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका उपचार जारी है।

युवक अखलेश उइके की हालत नाजुक

सोमवार को हुए इस भीषण सड़क हादसे में तीन बाइकों पर सवार छह लोग घायल हो गए ।तीनों बाइकों की जोरदार भिड़ंत के बाद सड़क पर घायलों के गिरने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने तत्काल हादसे की सूचना पुलिस और 112 को दी। सूचना मिलते ही 112 की टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया। हादसे में सहेकी निवासी अखलेश उइके को गंभीर चोटें आई हैं और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

नीमटोला के पास हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार, 10 अगस्त को लांजी-भिलाई मार्ग पर वाहनों की आवाजाही जारी थी। इसी दौरान ग्राम नीमटोला के समीप तीन बाइकों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों बाइकों पर सवार 6 युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए और घायलों की मदद शुरू की।

घायलों में इनका शमावेश

लांजी भिलाई मार्ग पर हुए इस भीषण सड़क हादसे में अमित डोहरे (23 वर्ष), अनिल गायकवाड़ (43 वर्ष), राजेश हंसराज बागड़े (21 वर्ष), यस गायकवाड़ (8 वर्ष), शुभम सुलाखे (18 वर्ष) और सहेकी निवासी अखलेश उइके घायल हुए हैं। बताया गया कि तीनों बाइकों पर कुल 06 लोग सवार थे। घायलों में अखलेश उइके को गंभीर चोटें आने की जानकारी है।

112 की तत्परता से समय पर मिला उपचार

हादसे की सूचना मिलते ही 112 की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने सड़क पर घायल पड़े युवकों को उठाकर तत्काल सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया। जहा 112 पायलट आबिद शेख एवं आरक्षक नेमीचंद चेपट ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा सभी घायलों का उपचार किया जा रहा है।

हादसे का कारण अज्ञात, जांच में जुटी पुलिस

फिलहाल तीनों बाइकों के बीच टक्कर किस कारण से हुई, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस द्वारा हादसे की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। तेज रफ्तार, वाहन चालकों की लापरवाही अथवा अचानक सामने से वाहन आने सहित अन्य संभावित कारणों को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है।

बढ़ते यातायात के बीच सुरक्षा पर उठे सवाल

नीमटोला के पास हुए हादसे ने एक बार फिर लांजी-भिलाई मार्ग पर सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार मार्ग पर लगातार वाहनों की आवाजाही बढ़ रही है। ऐसे में आबादी वाले क्षेत्रों एवं गांवों के आसपास वाहनों की गति नियंत्रित करने तथा यातायात नियमों का पालन कराने की जरूरत है ।फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

डेंजर रोड पर नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म का मामला, आरोपितो पर मामला दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय ने की घटना की पुष्टि, कोतवाली पुलिस ने दर्ज की एफआईआर, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत डेंजर रोड इलाके में एक नाबालिग स्कूली छात्रा के साथ कथित दुष्कर्म का मामला सामने आने से सनसनी फैल गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि नाबालिग छात्रा की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मामले में करीब चार आरोपियों के शामिल होने की बात सामने आई है, हालांकि पुलिस द्वारा पूरे मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों से संबंधित तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार पीडिता नाबालिग है और एक शासकीय स्कूल में अध्ययनरत बताई जा रही है। छात्रा की ओर से कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। घटना के बाद पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि छात्रा घटनास्थल तक किस तरह पहुंची और घटना के दौरान उसके साथ कौन-कौन लोग मौजूद थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय ने बताया कि फिलहाल मामला पुलिस जांच के अधीन है। पुलिस द्वारा शहर के अलग-अलग स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। विशेष रूप से डेंजर रोड और उससे जुड़े आवागमन वाले मार्गों पर लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग को देखा जा रहा है, ताकि घटना से जुड़े लोगों की गतिविधियों और घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ी जा सकें। पुलिस सूत्रों के अनुसार मामले में करीब चार आरोपियों के नाम सामने आने की जानकारी है। हालांकि पुलिस ने अभी आरोपियों की पहचान अथवा घटना से जुड़े अन्य संवेदनशील विवरण सार्वजनिक नहीं किए हैं। जांच पूरी होने और तथ्यों की पुष्टि के बाद ही पुलिस द्वारा इस मामले में विस्तृत जानकारी सामने रखे जाने की संभावना है।

घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस सभी पहलुओं की बारीकी से जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज के अलावा अन्य तकनीकी साक्ष्यों को भी जांच में शामिल किया जा रहा है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना से पहले और बाद में पीड़िता तथा संदिग्धों की गतिविधियां किस प्रकार रही थीं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा करेगी। फिलहाल पुलिस की प्राथमिकता घटना की वास्तविक स्थिति सामने लाना और मामले से जुड़े आरोपियों तक पहुंचना है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना से संबंधित विस्तृत तथ्य सार्वजनिक किए जाएंगे।

गौवंश वध के आरोप में गिरफ्तार तीन आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में भेजे गए जेल गुड़रूघाट में मंदिर के पास मिले थे गौवंश के अवशेष, एक आरोपी की गिरफ्तारी बाकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी पुलिस ने ग्राम गुड़रूघाट में गौवंश वध के मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को 10 अगस्त को न्यायालय में पेश कर दिए ।जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में वारासिवनी उप जेल भेज दिया गया। वहीं मामले में एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी होना शेष है। गिरफ्तार आरोपियों में छोटू उर्फ धनेन्द्र पिता थानसिंह मराठे 35 वर्ष वार्ड नंबर 16 ग्राम गुड़रूघाट,अभिषेक पिता धर्मेन्द्र मेश्राम 22 वार्ड नंबर 4 मिरगपुर और राजू पिता हीरालाल राहंगडाले 38 वार्ड नंबर 2, ग्राम टेकाड़ी थाना रामपायली निवासी शामिल हैं।

शिव मंदिर के पास मिले थे गौवंश के अवशेष

ज्ञात हो कि 9 अगस्त की सुबह ग्राम गुड़रूघाट स्थित श्मशान घाट के पास शिव मंदिर के समीप गौवंश का सिर एवं अन्य अवशेष पड़े मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर तिरोड़ी पुलिस एवं वारासिवनी एसडीओपी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाइश देकर प्रदर्शन शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

घर से 30 से 40 किलो मांस बरामद

जांच के दौरान पुलिस ने ग्राम गुड़रूघाट निवासी धनेन्द्र मराठे के घर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस को घर से करीब 30 से 40 किलो मांस बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया यह मांस गौवंश का प्रतीत हुआ। पुलिस ने बरामद सामग्री को जप्त कर आगे की जांच शुरू की। जांच के आधार पर पुलिस ने राजू राहंगडाले, धनेन्द्र मराठे और अभिषेक मेश्राम को गिरफ्तार किया। आरोपियों के विरुद्ध मध्य प्रदेश गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम, 2004 की धारा 4, 5 एवं 9 तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 325 एवं 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है ।तिरोड़ी पुलिस ने गिरफ्तार तीनों आरोपियों को 10 अगस्त को न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में वारासिवनी उप जेल भेज दिया गया। वहीं इस मामले में मिरगपुर निवासी रामनाथ मराठे की गिरफ्तारी होना अभी शेष है। पुलिस द्वारा उसकी तलाश की जा रही है।

विश्व आदिवासी दिवस के कार्यक्रम में जाने निकली 17 वर्षीय किशोरी लापता

अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र के एक गांव से विश्व आदिवासी दिवस के कार्यक्रम में शामिल होने घर से निकली 17 वर्षीय नाबालिग किशोरी रहस्यमय ढंग से लापता हो गई। परिजनों द्वारा मलाजखंड सहित आसपास के क्षेत्रों और रिश्तेदारों के घरों में तलाश करने के बाद भी किशोरी का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद 10 अगस्त को परिजनों ने बिरसा थाना पहुंचकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार किशोरी के माता-पिता खेती-किसानी करते हैं। किशोरी ने कक्षा 12वीं तक पढ़ाई की है और वर्तमान में आईटीआई में अध्ययनरत है। 9 अगस्त को सुबह करीब 10 बजे किशोरी ने परिजनों से विश्व आदिवासी दिवस के कार्यक्रम में शामिल होने जाने की बात कही और अकेली घर से निकल गई। इसके बाद वह देर शाम तक घर वापस नहीं लौटी ।किशोरी के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। सबसे पहले मलाजखंड में उसके संबंध में जानकारी ली गई लेकिन वहां भी उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद मोहगांव, छिंदीटोला और रेहंगी सहित अन्य स्थानों पर रिश्तेदारों के घर पहुंचकर तलाश की गई। लेकिन किशोरी के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। काफी तलाश के बाद भी किशोरी का पता नहीं चलने पर परिजन 10 अगस्त को बिरसा थाना पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। परिजनों ने आशंका जताई है कि कोई अज्ञात व्यक्ति किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है ।घर से निकलते समय किशोरी ने कत्थई रंग का सलवार-सूट और जींस पहन रखी थी। उसका रंग गोरा, कद करीब 5 फीट और चेहरा गोल है। पुलिस ने किशोरी की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है ।बिरसा पुलिस ने जिलेवासियों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को किशोरी के संबंध में कोई जानकारी मिलती है या वह कहीं दिखाई देती है तो तत्काल नजदीकी पुलिस थाना अथवा बिरसा पुलिस को सूचना दें। ताकि किशोरी को सुरक्षित बरामद किया जा सके।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट